Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Wednesday, 14 August 2024 ● Year : 02 ● Issue : 207 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

लोग शायद ही कभी वह करते हैं, जिस पर वे विश्वास करते हैं। वे वही करते हैं, जो सुविधाजनक होता है। फिर पश्चाताप करते हैं।

-बॉब डिलन

Ananya Pandey Shares Glimpse...

SHARE

सेंसेक्स	:	78,956.03
निफ्टी	:	24,139.00

SARAFA

सोना	:	6,735
चांदी	:	88.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

भागलपुर में पुलिस लाइन में पांच लोगों के मिले शव

PATNA : भागलपुर के इशाकचक थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन में एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिले। पुलिस लाइन के क्वार्टर से मंगलवार सुबह एक महिला सिपाही और उसके परिवार के चार सदस्यों के शव मिले। मौके से पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है, जिसमें सिपाही पत्नी के अवैध संबंध होने का आरोप लगाया गया है। डीआईजी विवेकानंद के मुताबिक, सभी मृतक बक्सर के रहने वाले थे। शव के साथ ही एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है, जिसमें महिला सिपाही नीतू कुमारी के पति पंकज ने हत्या की बात को स्वीकार की है। पंकज ने लिखा है कि पत्नी ने मेरी मां तथा दोनों बच्चों की गला रेत कर हत्या कर दी। इसलिए उसने पत्नी को मारकर खुद को फांसी लगा ली। साथ ही उसने पत्नी के अवैध संबंध होने का आरोप लगाया है। डीआईजी ने बताया कि महिला सिपाही ने आरोपित पति से लव मैरेज की थी। उन्होंने बताया कि मृतक महिला सिपाही नीतू कुमारी 2015 बैच की हैं। आसपास के पुलिस कर्मियों से पूछताछ में पता चला है कि पति-पत्नी में आपस में कई दिनों से विवाद चल रहा था।

बिहार के औरगांबाद में नहर में गिरी कार, पांच की मौत

PATNA : बिहार में औरगांबाद जिले के दाउदनगर थाना क्षेत्र के नहर रोड में चमन बिगहा के पास सोन कैनाल नहर में मंगलवार को एक कार असंतुलित होकर गिर गई, जिसमें कार पर सवार पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक किशोर भी है। इस घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को नहर में कार गिरे होने की सूचना दी। पुलिस ने जब कार को देखा तो उसमें पांच लोग थे, जिनकी मौत हो चुकी थी।पुलिस ने शव को निकलवाया। समाचार लिखे जाने तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। देखकर ऐसा लग रहा है कि सभी कहीं से पूजा करके लौट रहे थे।

रूस के 1000 वर्ग किमी इलाके पर यूक्रेन का कब्जा

NEW DELHI : यूक्रेन ने रूस के 1,000 वर्ग किमी से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर लिया है। सीएनएन के मुताबिक एक सप्ताह पहले यूक्रेनी सैनिकों ने रूस के कुर्स्क इलाके पर हमला किया था। तब से यहां के करीब 28 गांवों पर कब्जा कर चुके हैं। कुर्स्क में टैंकों और तोपखानों से लैस करीब एक हजार यूक्रेनी सैनिक 6 अगस्त को दाखिल हुए थे। इसके बाद रूस ने 8 अगस्त को ही यहां इमरजेंसी लगा दी थी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे यूक्रेन की उकसाने वाली हरकत बताया है। उन्होंने अपने रक्षा अधिकारियों को यूक्रेनी सेना को रूसी इलाके से खदेड़ने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने सोमवार को कुर्स्क के स्थानीय नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान कुर्स्क के प्रमुख एलेक्सी स्मिरनोव ने पुतिन को बताया कि उनके इलाके में कई बस्तियों पर यूक्रेनी सेना ने कब्जा कर लिया है।

6 माह से बिना बिजली मां-बेटी अपार्टमेंट में बंद

बीसीसीएल अधिकारी पिता की मौत के बाद सदमे में बेटी और मां बनीं मानसिक रोगी

PHOTON NEWS DHANBAD : सरायढेला थाना क्षेत्र के श्री शिव शक्ति अपार्टमेंट के चौथे माले पर फ्लैट नंबर 104 और 102 में रहने वाली लतिका अग्रवाल और उनकी बेटी स्वाति अग्रवाल पिछले 6 महीने से कमरे में बंद हैं। मटकिया में रहने वाली बड़ी बेटी स्वस्ति अग्रवाल के आवेदन पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार और स्वास्थ्य विभाग ने संज्ञान लिया। मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा के निर्देश पर अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने स्पेशल टीम का गठन किया। टीम में डॉ. राजीव कुमार, मनोरोग चिकित्सक डॉ. मीनाक्षी, काउंसलर अभिशिक्ता मुखर्जी, एलएडीसीएस डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, डालसा सहायक राजेश सिंह, अरुण कुमार थाना प्रभारी नूतन मोदी व पुलिस बल अपार्टमेंट पहुंचे। इसके बाद मां-बेटी की काउंसलिंग शुरू की गई।

● प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश के निर्देश पर टीम ने शुरू की दोनों की काउंसलिंग

पहले बात करने से किया माना, 3 घंटे बाद हुईं राजी

कमरे के अंदर जाने पर पता चला कि यहां 6 महीने से बिजली कटी हुई है। मां और बेटी इसी अंधेरे में ही रहती हैं। किसी के पास जाना या मिलना-जुलना बिल्कुल बंद है। पहले तो मां-बेटी ने किसी भी प्रकार से टीम के साथ बात करने से मना कर दिया। इसके बाद काफी समझाने के बाद लगभग तीन घंटे तक काउंसलिंग की प्रक्रिया चली। इसके बाद मां-बेटी बात मानने को राजी हुईं।

लाश के साथ 9 घंटे तक रही थीं कमरे में

लतिका अग्रवाल के पति चंद्रप्रकाश अग्रवाल बीसीसीएल में अधिकारी थे। सेवानिवृत्ति के बाद 12 अक्टूबर 2023 को चंद्रप्रकाश अग्रवाल का निधन हो गया। उस समय मां-बेटी लाश के साथ लगभग 9 घंटे तक अपने कमरे में ही रहीं। स्थानीय पुलिस प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद लाश को कमरे से बाहर निकल गया था और अंत्येष्टि के लिए भेजा गया था।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार से की गई थी शिकायत

बताया जाता है कि तब से मां-बेटी सदमे में ही रह गईं। धीरे-धीरे वे अंधेरे की आदी होने लगीं। बड़ी बेटी स्वस्ति अग्रवाल मटकुरिया के बैंक मोड़ में रहती है। लंबा समय हो जाने के बाद बड़ी बेटी ने इसकी शिकायत जिला विधिक सेवा प्राधिकार और विभाग के अधिकारियों से किया। आवेदन आने के बाद प्राधिकार ने इसे गंभीरता से लिया।

स्वाति अग्रवाल ने कहा- जिंदा हैं मेरे पिता

स्वाति अग्रवाल ने टीम के सामने बताया कि उसके पिता जिंदा हैं, उनकी मृत्यु नहीं हुई है। पिता हमेशा हमारे साथ ही रहते हैं। उनके पिता को लाइट और बिजली पसंद नहीं है, इसलिए हम बिजली और लाइट का प्रयोग नहीं करते हैं। किसी प्रकार से मां बाहर से खाने की चीज लाती है। बाद में काउंसलिंग के बाद मां बेटी राजी हुई कि उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। मनोचिकित्सक और काउंसलर ने भी काफी काउंसलिंग की। 3 घंटे के बाद दोनों बिजली में रहने के लिए राजी हो गए और सामान्य जीवन जीने के लिए भी राजी हो गईं।

बोकारो में बुजुर्ग महिला ने स्कूल तोड़ने के विरोध में कर लिया आत्मदाह

PHOTON NEWS BOKARO : जिले के पेटरवार प्रखंड की दारिद पंचायत के खुटाहरा गांव में सड़क निर्माण के रास्ते में आ रहे आनंद मार्ग के स्कूल को तोड़े जाने का विरोध करते हुए स्कूल संचालिका साध्वी उद्धत आनंद हितकारिणी (68) ने आत्मदाह कर लिया। बुजुर्ग महिला ने अपने आप को स्कूल में बने एक कमरे में बंद कर इस घटना को अंजाम दिया, जिससे वो बुरी तरह जल गई। मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बन रही रांची-बोकारो सड़क निर्माण कार्य को लेकर टीम अतिक्रमण हटाने गई थी। प्रशासन के सामने बुजुर्ग महिला ने दरवाजा बंद कर आत्मदाह की कोशिश की। यहां आनंद मार्ग द्वारा स्कूल संचालित किया जा रहा है। संस्थान से जुड़ी साध्वी स्कूल की देखरेख करती थीं। भारतमाला प्रोजेक्ट के लिए रांची बोकारो फोरलेन सड़क निर्माण के लिए उस जमीन को चिन्हित किया गया है। भू-अर्जन विभाग द्वारा उक्त जमीन के लिए 4 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि भी आवंटित की गई है, लेकिन संस्था और जमीन कब्जेदार के बीच हो रहे विवाद के कारण अभी तक मुआवजा राशि नहीं मिल सकी है। सड़क निर्माण भी

● अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस व एनएचएआई टीम के सामने दे दी जान

● किचेन में जाकर खुद को लगाई आग, बिना नोटिस पहुंची थी एनएचएआई की टीम

अधर में लटका हुआ है। एनएचएआई की टीम स्थानीय प्रशासन को लेकर संबंधित कब्जेदार को समझाने गई थी, उसी दौरान एक महिला ने इस घटना को अंजाम दिया। इस घटना को देखकर मौके पर मौजूद पुलिस और लोगों के होश उड़ गए। कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझा दी गया। 90 प्रतिशत जल चुकी महिला को आनन फानन में पेटरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आपसी वर्चस्व की लड़ाई में उलझा है मामला

बेरमो एसडीएम अशोक कुमार ने बताया कि सड़क निर्माण में मुआवजा राशि देने के लिए प्रशासन दो सालों से कोशिश कर रहा है, लेकिन दो गुटों के आपसी वर्चस्व की लड़ाई में अब तक मामला उलझा हुआ है। आज प्रशासन और एनएचएआई की टीम मामला को सुलझाने के लिए गई थी, जो भी आरोप लगाया जा रहा है वो बिल्कुल निराधार है। दबाव बनाने के लिए महिला ने यह काम किया है, इसकी जांच की जा रही है। पिछले 34 साल से चल रहा स्कूल बताया जाता है कि यह जमीन कोलकाता निवासी सर्वात्मानंद अवधूत के नाम पर है। इस जमीन पर मृतका पिछले 34 साल से स्कूल चला रही थीं। एनएचएआई ने सड़क निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण किया,लेकिन भुगतान से पहले आनंद मार्ग के किसी सदस्य ने इस पर दावा कर दिया। इस कारण भुगतान नहीं हुआ और मामला हाईकोर्ट में चला गया। स्कूल में अभी 70 से 80 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद दिया आदेश

डॉक्टर रेप और मर्डर कांड की जांच करेगी सीबीआई

AGENCY KOLKATA : मंगलवार को कलकत्ता हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्तपाल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवज्ञानम ने मामले की केस डायरी का अवलोकन करने के बाद यह आदेश दिया। हाईकोर्ट का कहना है कि पुलिस और अस्पताल द्वारा की गई जांच व तथ्य संतोषजनक नहीं थे। पुलिस ने जो केस डायरी कोर्ट में सौंपी है, उससे भी हाई कोर्ट संतुष्ट नहीं है। इसीलिए केंद्रीय जांच एजेंसी को पूरी घटना की जांच का जिम्मा दिया गया है। हाई कोर्ट ने कहा कि मामले की जांच कोर्ट की निगरानी में होगी।

कोलकाता पुलिस नहीं करेगी जांच : मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पांच दिन बाद भी घटना की जांच में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है। हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि कोलकाता पुलिस मामले की आगे जांच नहीं करेगी। चीफ जस्टिस ने कोर्ट में मौजूद सीबीआई अधिकारी को केस डायरी सौंपने का आदेश दिया।

कहा- 5 दिन हो गए, पुलिस ने कुछ नहीं किया, मिटाए जा सकते हैं सबूत

- सरकार आज सुबह 10 बजे तक सीबीआई को सौंपेगी केस डायरी और दूसरे रिकॉर्ड
- अदालत ने कहा- प्रिंसिपल को छुट्टी पर भेजो या हम ऑर्डर पास करें
- प्रिंसिपल ने कहा था- ट्रेनी डॉक्टर मेरी बेटी की तरह

कोर्ट ने कहा- प्रिंसिपल ने इस्तीफा क्यों दिया, यह समझना मुश्किल

हाईकोर्ट ने घटना के बाद मेडिकल कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल डॉ संदीप कुमार घोष के इस्तीफे और दूसरी कॉलेज में उनकी नियुक्ति पर भी सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि यह जानकर दुख होता है कि घटना को लेकर अस्पताल प्रशासन और तत्कालीन प्रिंसिपल संदीप कुमार घोष सक्रिय नहीं थे। प्रिंसिपल ने अपना इस्तीफा दे दिया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उनके इस्तीफे पर क्या आदेश जारी किए गए थे। बल्कि इस्तीफे के 12 घंटे के भीतर 12 अगस्त को उन्हें एनएमसी, कोलकाता का प्रिंसिपल बना दिया गया। यह समझना मुश्किल है कि उन्होंने इस्तीफा क्यों दिया और दूसरे मेडिकल कॉलेज का प्रिंसिपल बनाने की क्या जल्दी थी। हाईकोर्ट ने डॉ संदीप कुमार घोष को छुट्टी पर जाने का आदेश दिया है।

रिम्स की ओपीडी सेवा ठप, परेशान रहे मरीज

RANCHI : ट्रेनी डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या की वजह से पूरे देश में चिकित्सा जगत से जुड़े लोग बेहद दुखी और आक्रोशित हैं। सुरक्षा की मांग को लेकर राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स के जूनियर डॉक्टरों ने भी कार्य बहिष्कार कर दिया है। इसका सीधा असर ओपीडी सेवा पर दिखा। ओटी सेवा भी प्रभावित हुई। हड़ताल की जानकारी नहीं मिलने के कारण ओपीडी में चेकअप कराने दूर दराज से आए मरीजों को खाली हाथ लौटना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट बोला- बेल न देना मौलिक अधिकार का उल्लंघन

NEW DELHI : मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जमानत नियम है और जेल अपवाद, यह कानूनी सिद्धांत यूएपीए जैसे स्पेशल केस में भी लागू होता है। जिन मामलों में जमानत मिलनी चाहिए, अगर अदालतें उनमें बेल से मना करने लगेंगी तो यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। जस्टिस अभय ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज की बेंच ने कहा, प्रॉसीक्यूशन के आरोप गंभीर हो सकते हैं, लेकिन यह अदालत का कर्तव्य है कि वो कानून को ध्यान में रखते हुए जमानत पर विचार करे। अदालत ने यह कमेंट करते हुए आरोपी जलालुद्दीन खान को जमानत दी। जलालुद्दीन पर अपने मकान की ऊपरी मंजिल पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के मेंबर्स को किराए पर देने का आरोप था। उसके खिलाफ यूएपीए के तहत केस दर्ज किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने जलालुद्दीन खान नाम के एक शख्स की जमानत याचिका पर सुनवाई की। इस शख्स ने पटना हाई कोर्ट के एक फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी।

छह घंटे में ही दबोचे गए अपराधी

सब्जी कारोबारी से 2.40 लाख की लूट, दो अरेस्ट

CRIME REPORTER RANCHI : मंगलवार की सुबह रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के माउंट मोटर गली में सब्जी कारोबारी संजय कुमार चौरसिया से 2.40 लाख रुपये की लूट हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के छह घंटे में ही पुलिस ने दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्कूटी को भी बरामद किया है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि सब्जी कारोबारी संजय कुमार चौरसिया ट्रेन से उतरकर रातू रोड आए। उसके बाद फिर वह पैदल ही माउंट मोटर गली से होते हुए अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान दो स्कूटी सवार अपराधी चाकू की नोंक पर कारोबारी से रुपये लूटकर फरार हो गए।

● घटना में प्रयुक्त स्कूटी को पुलिस ने किया बरामद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज जनता के लिए खोलेंगी अमृत उद्यान

NEW DELHI : बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अमृत उद्यान जनता के लिए औपचारिक रूप से खोलेंगी। उद्यान शुक्रवार से 15 सितंबर तक सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक जनता के लिए खुला रहेगा। अंतिम प्रवेश शाम 5.15 बजे होगा। बता दें कि राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित प्रसिद्ध अमृत उद्यान में स्टोन एबेकस, साउंड पाइप और म्यूजिक वाल उन प्रमुख आकर्षणों में से हैं, जिनका लुत्फ जनता शुक्रवार से उठा सकेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि अमृत उद्यान में आने वाले आगंतुकों को तुलसी के बीज से बने बीज पत्र भी दिए जाएंगे, जो एक अनोखा और पर्यावरण अनुकूल स्मृति चिह्न है।

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली में कांग्रेस ने किया मंथन

हिस्सेदारी बढ़ाने की चाह, जीत की बनी रणनीति

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अपनी तैयारियों में जुट गई है। पार्टी के जिला स्तर से लेकर केंद्र स्तर तक लगातार बैठकों और रणनीति बनाने का दौर जारी है। बुधवार को भी दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने झारखंड सहित महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर वरिष्ठ नेताओं के साथ मंथन किया। बैठक में राहुल गांधी सहित सभी राज्यों के उच्च पदाधिकारियों और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों ने भाग लिया। झारखंड से बैठक प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित तमाम अधिकारी बैठक में शामिल हुए। जानकारी के मुताबिक, बैठक को इस लिहाज से भी अहम माना जा रहा है कि पदाधिकारियों ने राज्य में महागठबंधन में हिस्सेदारी और उम्मीदवारी की चर्चा की। चर्चा इस बात की हुई कि कांग्रेस महागठबंधन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाएगी। पार्टी ने पिछली बार की तुलना में दो अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग केंद्रीय नेतृत्व से की। जानकार तर्क देते हैं कि गोड्डा से पोड़ैयाहाट के विधायक प्रदीप यादव और हजारीबाग के मांडू से विधायक रहे जयप्रकाश भाई पटेल कांग्रेस में हैं।

उम्मीदवारी के लिए मांगे जा रहे आवेदन

इधर, झारखंड में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक नेताओं से झारखंड कांग्रेस ने आवेदन मांगा है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ने को इच्छुक नेता अपने विधानसभा सीट वाले जिले के कांग्रेस जिलाध्यक्ष के पास आवेदन पत्र और बायोडाटा जमा करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भी सभी जिला प्रमुख को इसे लेकर मार्गदर्शित किया है।

6 अगस्त से शुरू हुआ है पहला फेज, 14 तक चलेगा, फ्रांस-जर्मनी की वायुसेना भी शामिल

तरंग शक्ति युद्धाभ्यास में झलकी मेक इन इंडिया की ताकत

AGENCY NEW DELHI : मंगलवार को डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) ने तमिलनाडु के सुलूर में तरंग शक्ति युद्धाभ्यास 2024 में मेक इन इंडिया हथियारों की प्रदर्शनी लगाई। इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना के एलसीए तेजस, मिराज 2000 और राफेल जैसे लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया है। तरंग शक्ति भारत में आयोजित अब तक का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास है, जिसमें 51 देशों को आमंत्रित किया गया है। इस युद्धाभ्यास के मौके पर डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने बताया कि तरंग शक्ति अभ्यास डीआरडीओ के लिए घरेलू हथियारों का प्रदर्शन करने का एक अवसर है। यह प्रदर्शन सभी देशवासियों को यह विश्वास दिलाता है कि जरूरत पड़ने पर वायुसेना देश को बचाने में पूरी तरह सक्षम है। पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान पर कहा कि हम एएमसीए 5.5 जेनरेशन का लड़ाकू विमान बना रहे हैं। इसका डेवलपमेंट प्रोजेक्ट शुरू हो गया है। डिजाइनिंग का काम पूरा हो गया है।

डीआरडीओ अध्यक्ष ने कहा- घरेलू हथियारों के प्रदर्शन का अच्छा अवसर

फ्रांस के 160 जवानों की होगी शिरकत

फ्रांसीसी दूतावास के मुताबिक, फ्रांस की वायुसेना की टुकड़े में तीन राफेल, एक मल्टीरोल टैंकर ट्रांसपोर्ट (एमआरटीटी) विमान और एक ए400एम शामिल होंगे। साथ ही 160 जवान भी आएंगे। फ्रांसीसी दल की भागीदारी इंडो-पैसिफिक रीजन में उनके 2 महीने लंबे मिशन का हिस्सा है, जो जून के आखिर में फ्रांस में शुरू हुआ था और 15 अगस्त को पूरा होगा। बीते कई सालों से भारत लगातार एक साथ कई देशों के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास कर रहा है। थलसेना के हाल ही में महाजन फायरिंग रेंज में तीनों के युद्धाभ्यास हो चुके हैं।

सेना ने घाटी में विदेशी आतंकवाद खत्म करने के लिए बनाया नया काउंटर प्लान

जम्मू-कश्मीर के डोडा, उधमपुर और कठुआ के ऊपरी इलाकों में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ने के बाद सेना ने नया काउंटर प्लान बनाया है। दक्षिणी पीर पंजाल की पहाड़ियों तक पहुंचे आतंकियों के मॉड्यूल का खुलासा होने के बाद सेना ने विदेशी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए नया अभियान शुरू किया है। उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार ने मंगलवार को आतंकवाद विरोधी डेल्टा फोर्स के अग्रिम ठिकानों का दौरा करके आतंकवाद विरोधी अभियानों की समीक्षा की। जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले एक खुफिया रिपोर्ट में बताया गया था कि पुंछ-राजौरी सेक्टर में करीब 40 विदेशी आतंकवादी मौजूद हैं। इसके बाद जून माह की शुरुआत से ही आतंकी गतिविधियों में तेजी आनी शुरू हो गई और अब तक दर्जनों मुठभेड़ में अब 15 से ज्यादा सैन्य अधिकारी और जवान बलिदान हो चुके हैं।

पोखरण में स्वदेशी एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल का सफल परीक्षण

JAISALMER : जैसलमेर के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारत ने स्वदेशी मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण किया। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने डेवलप किया है। यह पोर्टेबल मिसाइल कंधे से भी लॉन्च की जा सकती है। इसे दुश्मन के टैंक और बख्तरबंद वाहनों को बेअसर करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस मिसाइल से रात में भी हमले किए जा सकते हैं। यह मिसाइल भारतीय थल सेना और पैरा कमांडो के लिए तैयारी की गई है। एमपी-एटीजीएम हथियार प्रणाली का वजन 14.5 किलोग्राम है और लंबाई 4.3 फीट है। इसे पहली बार कंधे पर रखकर रॉकेट लॉन्चर की तरह लॉन्च किया गया। इसकी रेंज 200 मीटर से लेकर 2.5 किलोमीटर है। इसमें टैंडम वार्ज हीट और पेनीट्रेशन वॉरहेड लगा सकते हैं।

15 से कम उम्र वालों की संख्या में गिरावट

दावा- 2036 में भारत की आबादी होगी 152 करोड़

AGENCY NEW DELHI : भारत की जनसंख्या साल 2036 में 152.2 करोड़ तक हो सकती है। इसको लेकर सांख्यिकी एवं कार्यक्रम मंत्रालय ने एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया है कि सेक्स रेशो 2036 तक प्रति 1000 पुरुषों पर 952 महिलाओं तक पहुंचने की उम्मीद है। 2011 की जनगणना में यह आंकड़ा 943 था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जनसंख्या में महिलाओं के प्रतिशत में भी थोड़ा-बहुत सुधार देखने को मिल सकता है। साल 2036 में महिलाओं का प्रतिशत बढ़कर 48.8% होने की उम्मीद है। 2011 में यह 48.5% था।

फर्टिलिटी रेट में गिरावट के चलते 15 साल से कम उम्र के लोगों का रेशो साल 2011 के मुकाबले साल 2036 में घटने का अनुमान है। इस दौरान 60 साल और उससे ज्यादा उम्र की जनसंख्या का रेशो में काफी तेजी से बढ़ेगा। यूएन की हेल्थ एजेंसी यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड ने अप्रैल 2024 में एक रिपोर्ट में दावा किया कि भारत की जनसंख्या पिछले 77 सालों में दोगुनी हो चुकी है।

मेडिकल घोटाले के आरोप में चल रही जांच

प्रमोद सिंह के घर फिर ईडी का छापा

PHOTON NEWS DHANBAD: राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के करीब सात करोड़ रुपये गबन मामले का आरोपी और कोयला कारोबारी प्रमोद सिंह के आवास पर एक बार फिर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की है। ईडी की तीन सदस्यीय टीम प्रमोद सिंह के सरायढेला थाना अंतर्गत सहयोगी नगर सेक्टर तीन स्थित घर पर छापेमारी कर रही है।

छापेमारी के दौरान गेट पर मौजूद सुरक्षाकर्मी ● फोटोन न्यूज

रांची में 11 जुलाई को होना था उपस्थित : इससे पहले चार जुलाई 2024 को ईडी ने प्रमोद सिंह के सहयोगी नगर सेक्टर तीन और भूली के आवास पर छापामारी की थी। सुबह से रात तक चली छापामारी के दौरान प्रमोद सिंह की तीन गाड़ियों को जब्त किया था। उस दौरान प्रमोद सिंह आवास में मौजूद नहीं थे। इसके साथ ही 11 जुलाई को रांची स्थित प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय में उपस्थित होने का नोटिस दिया गया था। बताया जाता है कि प्रमोद सिंह ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे। इसके बाद अब ईडी ने फिर यहां दबिश दी है।

प्रमोद की पत्नी से पूछताछ

ईडी के तीन अधिकारी दो गाड़ियों से पहुंचे। घर मे प्रमोद सिंह नहीं थे, जिसके बाद अधिकारियों ने उनकी पत्नी समेत अन्य परिजनों से पूछताछ की।

सरकारी आदेश के बाद नाचते-गाते होमगार्ड के जवान ● फोटोन न्यूज

धनबाद के होमगार्ड कार्यालय में जमकर बजे ढोल-नगाड़े

पुलिस के समान वेतन दिए जाने के आदेश पर मनाई खुशी

DHANBAD : राज्य सरकार ने होमगार्ड जवानों को पुलिस कर्मियों की तरह ही वेतन देने संबंधी आदेश जारी कर दिया है। इसी खुशी में धनबाद के होमगार्ड जवानों ने शहर में रैली निकाली। इस दौरान जवानों ने ढोल-नगाड़े की आवाज के बीच जमकर आतिशबाजी भी की। होमगार्ड जवान मंगलवार को गोल्फ मैदान स्थित अपने कार्यालय पहुंचे और यहां से गाजे-बाजे के साथ रैली की शुरूआत की। यह रैली पार्क मार्केट होते हुए रणधीर वर्मा चौक, लुबी सर्कुलर रोड होते हुए होमगार्ड कार्यालय पहुंची। रैली में जवान राष्ट्रीय ध्वज लेकर भी चल रहे थे। भारत माता का जयकारा लगाया गया और जिंदाबाद के नारे लगाए गए। रैली के दौरान जवानों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाया, जमकर नाचे और एक दूसरे को मिठाई भी खिलाई। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में राजीव कुमार तिवारी शामिल हुए।

नक्सली गतिविधियों में शामिल दो युवकों को पुलिस ने हथियार के साथ पकड़ा

पूर्व में पीएलएफआई के लिए करते थे लेवी वसूलने का काम

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर नक्सली गतिविधियों में संलिप्त दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने एक दोनाली बंदूक, एक देसी कट्टा, गोली और दो बाइक समेत अन्य कई सामान बरामद किए हैं। पकड़ाए दोनों युवक का नाम बिरसा पूर्ति और सोम बोदरा है। दोनों ही टेबो थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार दोनों युवक पहले भी पीएलएफआई उग्रवादी संगठन के लिए लेवी वसूलने समेत नक्सली गतिविधि में शामिल होने के आरोप में जेल जा चुके हैं। पोडाहाड़. एसडीपीओ सह एएसपी पारस राणा ने चक्रधरपुर थाना में प्रेस वार्ता कर दोनों के गिरफ़्तारी का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो युवक हथियार लेकर टेबो थाना क्षेत्र के करला - चम्पावा गांव की ओर से हेंसाडीह की ओर जा रहे हैं और लोगों में खौफ पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बाद वरीय पदाधिकारियों के दिशा निर्देश पर छापामारी दल का गठन कर सोंगरा गांव के पास पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान एक मोटसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति को छापामारी दल द्वारा पकड़ लिया गया। पूछताछ में पकडाए युवक ने अपना नाम बिरसा पूर्ती उर्फ चट्टान सिंह पूर्ती बताया। उसके पास से बिना नंबर प्लेट की एक अपाची मोटरसाइकिल, बंदूक एवं मोबाइल फोन बरामद किया गया।

जानकारी देते पुलिस अधिकारी

इसके बाद बिरसा की निशानदेही पर उसके साथी सोमा बोदरा को भी पुलिस ने मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, एक स्मार्टफोन, भाकपा माओवादी नक्सली का चंदा रसीद बुक बरामद किया। दोनों पर पुलिस ने टेबो थाना में बीएनएस और आर्म्स एक्ट के साथ-साथ सीएलए एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों को चाईबासा कोर्ट को पेश कर जेल भेज दिया है। एएसपी पारस राणा ने बताया कि दोनों पहले उग्रवादी गतिविधियों के कारण जेल जा चुके हैं। हाल ही में जेल से दोनों छूटकर निकले थे। दोनों का फिलहाल नक्सली संगठन से जुड़ाव तो नहीं पता चला है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों पहले की तरह नक्सली गतिविधि का खौफ बनाकर लोगों से लेवी वसूली का प्लान बना रहे थे।

BRIEF NEWS

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ दिया धरना

DHANBAD : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक पर हिंदू राष्ट्र समन्वय समिति के बैनर तले धरना दिया गया। इसी क्रम में प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर वहां हिंदुओं की रक्षा करने की मांग रखी गई। इस आंदोलन में इस्कॉन, विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, तरुण हिंदू, आर्य समाज, हिंदू जनजागृति समिति, सनातन संस्था के साथ अन्य हिंदुत्वनिष्ठ संगठन भी सहभागी थे।

ट्रेलर की चपेट में आकर मोटरसाइकिल सवार की मौत

KODERMA : कोडरमा थाना अंतर्गत लखीबागी स्थित प्रकाश होटल के समीप मंगलवार की सुबह ट्रेलर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अर्जुन राणा (38) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार अपनी मोटरसाइकिल से घर से तिलैया काम करने जा रहा था। प्रकाश होटल के समीप ट्रेलर की चपेट में आ जाने से बाइक सवार उक्त व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। इसकी सूचना कोडरमा पुलिस को मिलने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

चुरचू की सेविका दिल्ली के समारोह में होंगी शामिल

आंगनबाड़ी में बच्चों को आकृति बनाना सिखातीं आंगनबाड़ी सेविकाएं

HAZARIBAG : बाल विकास परियोजना कार्यालय, चुरचू के आंगनबाड़ी केंद्र, डूमर की सेविका शांति बेसरा नई दिल्ली में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होंगी। उनका चयन आंगनबाड़ी ईसीसीई (प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा) के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए किया गया है। इसी कड़ी में सुरक्षा एवं अन्य प्रोटोकॉल के तहत 12 अगस्त को सीआईडी के पदाधिकारी शांति बेसरा के घर एवं आंगनबाड़ी केंद्र की जांच के क्रम में चुरचू आए थे, ताकि उन्हें पीएम दीर्घा में जाने एवं प्रधानमंत्री से मिलने का अवसर मिल सके। स्वतंत्रता दिवस समारोह में शांति बेसरा एवं उनके पति दोनों को आमंत्रित किया गया है। वे लोग सोमवार को गरीब रथ से दिल्ली रवाना हो गए। चुरचू की सीडीपीओ रेखा रानी की ओर से यह जानकारी दी गई।

लोस चुनाव में प्रतिनियुक्त कर्मी की मौत पर पत्नी को मिला 15 लाख का चेक

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव के दौरान निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त अफजल हुसैन की मृत्यु के उपरांत उनकी पत्नी मोसर्रत बानो को अनुग्रह अनुदान की राशि के रूप में 15 लाख रुपये का चेक दिया।

स्व. अफजल हुसैन उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरहद सदर, हजारीबाग में सहायक शिक्षक के रूप में कार्यरत थे।

बोकारो में आनंदमार्ग की साध्वी की मौत पर बवाल, हाईवे किया जाम

PHOTON NEWS BOKARO : बोकारो जिले के पेटरवार में सोमवार को आनंद मार्ग की साध्वी के आत्मदाह की घटना के विरोध में मंगलवार को बवाल हो गया। आनंदमार्ग के संन्यासियों ने सुबह 11 बजे से बोकारो-रांची उच्च पथ को जाम कर दिया। इस मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों को सजा देने की मांग की जा रही है। ज्ञात हो कि बोकारो से ओरमांझी तक बनने वाली फोरलेन सड़क के लिए जमीन का अधिग्रहण हुआ था। आदिग्रहण के दौरान सड़क पर आनंद मार्ग के आश्रम विद्यालय की लगभग 5 एकड़ भूमि भी आ गई थी। जिला भू अर्जन विभाग ने इसका मुआवजा लगभग 4 करोड़ 10 लाख रुपये निर्धारित किया था। यह राशि स्कूल की संचालक को मिलने ही वाली थी कि बीच में आश्रम विद्यालय के पूर्व संचालक, जो आनंदमार्ग के संन्यासी हैं, ने शिकायतवाद दायर करते हुए विभाग से मांग की कि मुआवजा राशि उन्हें मिलनी चाहिए। महिला साध्वी को आश्रम विद्यालय के संचालन की जवाबदेही देते हुए कुछ वर्ष पूर्व ही पावर ऑफ अटॉर्नी दे दिया गया था। दोनों पक्षों में विवाद को बढ़ता देख प्रशासन ने मुआवजा राशि न्यायालय में जमा कर दिया। सड़क निर्माण के लिए जमीन खाली करने को हाईवे के अधिकारी स्कूल पहुंचे और संचालक को तत्काल स्कूल खाली करने का निर्देश दिया। इस बात को लेकर दोनों में विवाद होने लगा। थोड़ी देर बाद संचालक अपने रसोई में गई और खुद को आग लगा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

घटना के विरोध में प्रदर्शन करतीं साध्वी ● फोटोन न्यूज

जादूगोड़ा में निकाली गई तिरंगा यात्रा, शामिल हुई महिला कार्यकर्ता

GHATSILA : भाजपा मंडल अध्यक्ष विनोद सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को जादूगोड़ा में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें घाटशिला की जिला परिषद सदस्य सह कार्यक्रम की मंडल प्रभारी देवयानी मुर्मू सहित कई महिला कार्यकर्ता शामिल हुईं। तिरंगा यात्रा जादूगोड़ा के विभिन्न मार्गों से गुजरी। यात्रा में लखन मार्डी, जिला परिषद सदस्य सुभाष सिंह, जिला महामंत्री हराधन सिंह, जिला मंत्री रोहित सिंह परमार, गीता मुर्मू, सुनीता देवदूत सोरेन, महिला मोर्चा की तनुश्री नंद, मनोज सिंह, विक्रम सिंह, रोहित अग्रवाल, नारायण सिंह देव, दुर्गा प्रसाद दंडपात शामिल रहे।

घाटशिला को जिला बनाने का माझी परगना महाल ने किया विरोध

राज्यपाल के नाम दिया ज्ञापन, कहा- स्वशासन व्यवस्था होगी प्रभावित

PHOTON NEWS GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला अनुमंडल को जिला बनाने के विरोध में माझी परगाना महाल की ओर से मंगलवार को घाटशिला अनुमंडल कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया गया। इसके बाद राज्यपाल के नाम एसडीओ सच्चिदानंद महतो को ज्ञापन सौंपा।

इस संबंध में देश विचार सचिव बहादुर सोरेन ने बताया कि परंपरागत स्वशासन व्यवस्था धाड़ दिशोंम माझी पारगाना माहाल का कहना है कि कई राजनीतिक दल तथा बाहरी लोगों द्वारा घाटशिला को जिला बनाने की मांग की जा रही है, जिसका स्वशासन व्यवस्था, गांव समाज, ग्राम सभा, माझी परगना महाल द्वारा विरोध

धरना-प्रदर्शन देते माझी परगना महाल के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

कर है, क्योंकि यह आदिवासी स्वशासन व्यवस्था के अनुरूप नहीं होगा। जिला बनाने पर आदिवासियों की जनसंख्या घटने की संभावना है। बाहरी लोगों की जनसंख्या बढ़ेगी, जिससे जल जंगल जमीन की लूट-खसोट होगी। आदिवासियों के लिए पांचवी अनुसूची क्षेत्र में कानूनी प्रावधान के अनुसार उनके जनहित रक्षा, जल जंगल जमीन की संरक्षण विकास नहीं कर पाते हैं, तब तक घाटशिला को जिला नहीं बनाया जाए।

लातेहार में नहाने के दौरान नदी में डूबे दो युवक, एक शव मिला

LATEHAR : लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत जीपुआ गांव में मंगलवार को नहाने के दौरान दो युवक नदी में डूब गए। इनमें एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा लापता है। मृतक युवक की पहचान जीपुआ गांव निवासी मोहम्मद शाहबाज (19)के रूप में हुई है। वहीं, लापता युवक मोहम्मद फरहान है। दोनों युवक चचेरे भाई थे। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को दोनों युवक दामोदर नदी में नहाने गए थे। इसी बीच एक युवक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए दूसरा युवक भी गया लेकिन नदी की तेजधार में वह भी बह गया। घटना की जानकारी जब स्थानीय ग्रामीणों को हुई तो बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी के पास पहुंचकर युवकों की खोज की। इनमें मोहम्मद शाहबाज का शव मिल गया।

कोलकाता के ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर का विरोध, एमआरएमसीएच में ओपीडी ठप

हड़ताल पर रहे चिकित्सक, इमरजेंसी में इलाज के लिए लगी भीड़

PHOTON NEWS PALAMU : कोलकाता के ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर घटना के विरोध में देशभर के रेजिडेंट डॉक्टर्स मंगलवार को दूसरे दिन भी हड़ताल पर रहे। एआइआइएमएस दिल्ली समेत सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं प्रभावित हैं। सिर्फ इमरजेंसी सेवाएं चालू है। फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (एफओआरडीएस) के आह्वान पर मेदिनीनगर में पलामू प्रमंडलीय अस्पताल एमआरएमसीएच में ओपीडी सेवा बंद रही। डाक्टर हड़ताल पर रहे। केवल इमरजेंसी सेवाएं चालू रही। इस कारण इलाज के लिए रोगी परेशान रहे। इमरजेंसी सेवा दे रहे डाक्टरों ने कहा कि कोलकाता की घटना बेहद शर्मनाक है। पीड़ित पक्ष को न्याय मिलना चाहिए। सरकारी अस्पताल के अंदर बड़ी घटना हो जा रही है, यह सरकार के लिए शर्म की बात है। सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से फेल रह रही है। जब डाक्टर अस्पताल के अंदर सुरक्षित नहीं तो सड़क पर उसकी उम्मीद कैसे की जा सकती है। उन्होंने कहा कि ओपीडी की सेवा बंद की गयी है। इमरजेंसी में रोगियों का इलाज किया जा रहा है।

इमरजेंसी वार्ड में मरीजों को देखते चिकित्सक

एमआरएमसीएच में ओपीडी बंद रहने से इलाज कराने आए मरीज एवं उनके परिजनों को भारी परेशानी हुई। पर्ची नहीं कटी। पाटन से आए एक बुजुर्ग मरीज ने कहा कि उसे अपना मुंह दिखलाना था। हड़ताल रहने के कारण इलाज नहीं करा पाए। इसी तरह बेतला से आयी रूखसाना ने कहा कि उसे मरीज को भर्ती कराना था। पर्ची नहीं कटने के कारण भर्ती नहीं करा पायी। एक महिला ने कहा कि उसे अपने बच्चे का इलाज कराना था लेकिन केवल इमरजेंसी सेवा रहने के कारण प्रोपर इलाज नहीं हो पाया। उल्लेखनीय है कि हर दिन एमआरएमसीएच में ओपीडी के माध्यम से 700 से 800 मरीज अपना इलाज कराते हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों में जुटा राज्य के विभिन्न जिलों का प्रशासनिक अमला

परेड मैदान में चली फुल ड्रेस रिहर्सल, अधिकारियों-जवानों ने दी सलामी

RANCHI : राज्य के सभी 24 जिलों का प्रशासनिक अमला मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों में जुटा रहा। अलग-अलग जिला मुख्यालयों के परेड ग्राउंड में फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। जिसमें जिले के आला अधिकारियों से लेकर पुलिस की विभिन्न इकाईयों के जवानों ने हिस्सा लिया। गुरुवार को होने वाले मुख्य समारोह से पूर्व सुरक्षा बलों ने फाइनल रिहर्सल परेड की। अधिकारियों ने खुली जीप पर सवार होकर ग्राउंड में चल रही परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों की ओर से मुख्य समारोह की सुरक्षा में तैनात मजिस्ट्रेट व अधिकारियों व पुलिस कर्मियों की फाइनल ब्रीफिंग की गई। समारोह में शामिल होने वाले लोगों की भीड़ को नियंत्रित रखने के साथ ही आपात स्थितियों से निपटने की रणनीति पर भी चर्चा की गई। मुख्य समारोह के लिए बनाए जाने वाले मंच की भी सुरक्षा जांच हुई। इसके अलावा समारोह में आमंत्रित किए गए अतिथियों की उपस्थिति और सुरक्षा को लेकर भी चर्चा की गई। समारोह में समय सीमा का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया गया।

रांची के मोरहाबादी मैदान में होगा स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह

RANCHI : राजधानी रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस को लेकर मंगलवार को फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। स्वतंत्रता दिवस के दिन होने वाले मुख्य समारोह से पहले रिहर्सल का यह आखिरी दिन होता है, जिसमें सभी प्लाटून फुल ड्रेस रिहर्सल करते हैं। रांची में रिहर्सल की अगुवाई कमिश्नर ने की।

जमशेदपुर के गोपाल मैदान में किया गया समारोह का अंतिम पूर्वाभ्यास

JAMSHEDPUR : स्वतंत्रता दिवस का जिलास्तरीय मुख्य समारोह बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में होगा। परेड में शामिल टुकड़ियों ने मंगलवार को अंतिम पूर्वाभ्यास किया। इस दौरान एडीएम (एसओआर) महेंद्र कुमार व ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने संयुक्त रूप से परेड पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया।

धनबाद में डीसी और एसएसपी ने किया फुल ड्रेस रिहर्सल का निरीक्षण

DHANBAD : उपायुक्त माधवी मिश्रा तथा वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने मंगलवार को शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पूर्व उपायुक्त ने परेड की सलामी ली। इसके बाद परेड का निरीक्षण किया।

सरायकेला में डीसी-एसपी ने किया परेड का निरीक्षण, तिरंगे को सलामी

SARAIKELA : 78वें स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। मंगलवार को बिरसा मुंडा स्टेडियम, सरायकेला में फुल ड्रेस परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास हुआ। इसका निरीक्षण उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत ने किया। निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने तिरंगे को सलामी दी।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर पलामू में तैयारी पूरी, किया गया पूर्वाभ्यास

PALAMU : स्वतंत्रता दिवस के अवसर 15 अगस्त को जिला मुख्यालय के पुलिस लाइन स्टेडियम में मुख्य समारोह का आयोजन किया जायेगा। यहां प्रातः 9.05 बजे मुख्य झंडोत्तोलन किया जायेगा। समारोह की तैयारी पूरी कर ली गयी है। समारोह को लेकर मंगलवार को जवानों ने परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया।

लातेहार की डीसी ने लिया स्वतंत्रता दिवस की अंतिम तैयारी का जायजा

LATEHAR : स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह 15 अगस्त को जिला खेल स्टेडियम, लातेहार में आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में मंगलवार को उपायुक्त गरिमा सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने संयुक्त रूप से स्वतंत्रता दिवस के मौके पर होने वाले झंडोतोलन-राष्ट्रगान एवं परेड के अंतिम पूर्वाभ्यास का जायजा लिया।

BRIEF NEWS

नमक और चीनी के लिए जारी हुआ टेंडर

RANCHI : राज्य के खाद्य आपूर्ति विभाग ने रिफाइंड आयोडाइज्ड नमक और चीनी (व्हाइट क्रिस्टल सुगर) के लिए टेंडर जारी कर दिया है। नमक के लिए 29 अगस्त के शाम पांच बजे तक टेंडर जमा होगा। प्रीबिड मीटिंग 20 अगस्त को होगी। जबकि चीनी का टेंडर 28 अगस्त तक जमा होगा। खाद्य आपूर्ति विभाग ने 1.95 लाख क्विंटल रिफाइंड आयोडाइज्ड नमक के लिए टेंडर जारी किया है। वहीं 27 हजार क्विंटल चीनी के लिए टेंडर जारी किया गया है। लाल कार्डधारियों को मुफ्त में एक किलोग्राम रिफाइंड आयोडाइज्ड नमक दिया जाएगा।

सुहागिनों ने रखा आखिरी मंगला गौरी व्रत

RANCHI : मंगलवार को श्रावण मास के चौथे और अंतिम सुहागिनों ने मंगला गौरी व्रत रखा। सुहागिनों ने माता पार्वती और महादेव की नेम-निष्ठा से पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने घरों में पूजन-अनुष्ठान किया। साथ ही मंदिरों में भी बड़ी संख्या में व्रतधारियों ने दर्शन-पूजन कर श्रद्धा अर्पित की। सुहागिने अखंड सौभाग्य की कामना से भक्ति में रमी रहीं। माना जाता है कि इस व्रत को धारण करने वाली महिलाओं का सौभाग्य सदा बना रहता है। इस व्रत को करने से संतान की भी प्राप्ति होती है। जीवन में सुख-समृद्धि और शांति बना रहता है।

निक्की व सलीमा को घर बनाने के लिए मिलेगी जमीन

RANCHI : झारखंड राज्य आवास बोर्ड ने नेशनल महिला हॉकी टीम की प्लेयर्स सलीमा टेटे और निक्की प्रधान को हरमू (रांची) में जमीन देने का फैसला लिया है। इस जमीन पर वे दोनों घर बना सकती हैं। मंगलवार को बोर्ड मुख्यालय में आयोजित बोर्ड की 74वीं बैठक में इस संबंध में आये प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। बोर्ड के चेयरमैन संजय लाल पासवान की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में 19 प्रस्ताव लाए गये। इसके अलावे 5 अन्यान्य प्रस्ताव भी आए। बैठक के बाद चेयरमैन ने मीडिया को जानकारी देते बताया कि सलीमा टेटे और निक्की प्रधान जैसी महिला हॉकी खिलाड़ी को हरमू में सरकारी कोटे से घर बनाने को जमीन देने का प्रस्ताव अनुमोदित कर दिया गया है। दोनों को 3750-3750 वर्ग फीट जमीन का आवंटन होगा। इसके अलावा महत्वपूर्ण प्रस्तावों में बोर्ड मुख्यालय के सामने स्थित जमीन पर फाइव स्टार होटल बनाए जाने का भी मामला है।

16 अगस्त तक भारी बारिश की संभावना

RANCHI : आने वाले दिनों में मौसम में बारिश का असर देखा जायेगा। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो 16 अगस्त तक राज्य के कुछ एक इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। केंद्र के अनुसार 14 से 16 अगस्त तक राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से में भारी बारिश की संभावना है। इसमें देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, पाकुड़, साहेबगंज, जामताड़ा जिला शामिल है। जहां 16 अगस्त तक भारी बारिश की संभावना है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, अन्य हिस्सों में इस दौरान दो से तीन बार मध्यम दर्जे की बारिश रिकॉर्ड की जायेगी। केंद्र के अनुसार आने वाले दिनों में बारिश का असर बरकरार रहेगा। हालांकि बारिश नहीं होने से कुछ हिस्से में लोगों को उमस का भी एहसास होगा। 17 अगस्त के बाद राज्य के अधिकांश हिस्से में बारिश की संभावना है। इस दौरान छिटपुट बारिश की संभावना व्यक्त की गयी है। राजधानी रांची में भी आने वाले दिनों में बारिश का असर जारी रहेगा। 17 अगस्त तक राजधानी रांची में मध्यम से हल्के दर्जे की बारिश की संभावना व्यक्त की गयी है। वहीं, बादल छाये रहने के साथ आंशिक धूप भी देखी जा सकती है।

राशन कार्ड और आधार कार्ड इश्यू करते समय भूमि व अन्य दस्तावेजों का करें मिलान

घुसपैठियों को चिह्नित करे स्पेशल ब्रांच, पहचान पत्र जारी करने से पहले जांच करें अफसर : HC

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को स्पेशल ब्रांच का इस्तेमाल कर संथाल इलाके में बांग्लादेशी मूल के घुसपैठियों को चिह्नित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। दानयाल दानिश की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने 8 अगस्त को यह आदेश पारित किया है। जनहित याचिका पर हुई सुनवाई के आदेश की विस्तृत कॉपी हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा है कि जिला प्रशासन संथाल के छह जिलों में पहचान के लिए इस्तेमाल होने वाले दस्तावेज जैसे राशन कार्ड, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र जारी करने से पहले उस व्यक्ति की भूमि व अन्य दस्तावेजों का मिलान करें।

इस मामले की अगली सुनवाई 22 अगस्त को

हाईकोर्ट ने दानयाल दानिश की जनहित याचिका में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक, यूनिक आइडेंटीफिकेशन अथॉरिटी (यूआईडी) के महानिदेशक, भारतीय चुनाव आयोग, इंटेलिजेंस ब्यूरो के महानिदेशक और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के निदेशक को भी प्रतिवादी बनाया है। प्रार्थी का पक्ष रख रहे अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि वर्ष 1951 से 2011 के बीच घुसपैठियों के प्रवेश करने से संथाल में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या में 44.67% से 28.11% की गिरावट आयी है। वहीं दूसरी ओर मुस्लिम जनसंख्या में 9.44% से 22.73% की बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी है। अदालत अब इस मामले में 22 अगस्त को सुनवाई करेगा।

जज उत्तम आनंद हत्याकांड : हाईकोर्ट ने सीबीआई कोर्ट से मांगे केस से जुड़े सभी साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज

RANCHI : धनबाद के दिवंगत जज उत्तम आनंद हत्याकांड के दोषियों लखन वर्मा और राहुल वर्मा की क्रिमिनल अपील पर झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने सीबीआई कोर्ट से इस केस से जुड़े सभी साक्ष्य और घटना की सीसीटीवी फुटेज कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस प्रदीप श्रीवास्तव की डबल बेंच में दोनों दोषियों की याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत में प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता सब्यसांची ने बहस की। दरअसल धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम उत्तम आनंद की हत्या मामले में धनबाद सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने 22 जुलाई ऑटो चालक लखन वर्मा और उसके सहयोगी राहुल को को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सीबीआई कोर्ट ने दोनों पर 25-25 हजार का जुमार्ना भी लगाया गया था। सीबीआई कोर्ट के इस आदेश को लखन वर्मा और राहुल ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

जमानत खारिज किए जाने को दी है उच्चतम न्यायालय में चुनौती

सुप्रीम कोर्ट ने फुलेश्वर गोप की याचिका पर एनआईए को जारी किया नोटिस, मांगा जवाब

RANCHI : प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई द्वारा उगाहे गए लेवी का पैसा शेल कंपनी शिव आदि शक्ति इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड में निवेश से संबंधित मामले में आरोपी फुलेश्वर गोप की जमानत याचिका झारखंड हाई कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने के खिलाफ एसएलपी की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई। मामले में सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार एवं न्यायमूर्ति संजय करोल की खंडपीठ ने एनआईए को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब मांगा है। प्रार्थी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता बालाजी श्रीनिवासन ने पक्ष रखा। झारखंड हाई कोर्ट ने पूर्व में फुलेश्वर की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। दरअसल, हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई में प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि फुलेश्वर गोप शिव आदि शक्ति इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर थे, लेकिन कंपनी में उनका शेयर मात्र 5 प्रतिशत का था। लेवी का कोई पैसा इस कंपनी में नहीं लगा है। दरअसल, इस कंपनी में प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप की पत्नी हीरा देवी भी डायरेक्टर थी। आरोप है कि इस शेल कंपनी के माध्यम से पीएलएफआई द्वारा अर्जित लेवी का पैसा को विभिन्न कामों में लगाया जाता था। इस मामले में फुलेश्वर गोप 3 साल 6 माह से जेल में है।

पूर्व डीसी सहित आठ की न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ी

RANCHI : बरियातू के वेशायर होम रोड स्थित एक एकड़ जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में जेल में बंद आरोपित रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन सहित आठ आरोपितों की न्यायिक हिरासत अवधि पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की कोर्ट ने 24 अगस्त तक बढ़ा दी है। इससे पूर्व जेल में बंद आरोपितों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया गया। अदालत ने अगली पेशी की तारीख 24 अगस्त निर्धारित की है। वर्तमान में यह मामला आरोप गठन पर चल रहा है। आरोपितों के खिलाफ कोर्ट में ईडी ने पुलिस पेपर सौंप चुकी है। मामले में रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, पावर ब्रोकर प्रेम प्रकाश, भरत प्रसाद, राजेश राय, इम्तियाज अहमद, अफसर अली, लखन सिंह और मो सद्दाम न्यायिक हिरासत में हैं जबकि कारोबारी विष्णु अग्रवाल को हाई कोर्ट से जमानत प्राप्त है।

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा व परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव को सौंपा ज्ञापन

निजी अस्पतालों की मनमानी के खिलाफ युवा आजसू ने पुरजोर तरीके से उठाई आवाज

प्रधान सचिव अजय कुमार को ज्ञापन सौंपता युवा आजसू का प्रतिनिधिमंडल।

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को युवा आजसू के एक प्रतिनिधिमंडल ने रांची जिला सहप्रभारी राहुल तिवारी के नेतृत्व में राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति और निजी अस्पतालों की मनमानी के खिलाफ पुरजोत तरीके से आवाज उठाते हुए स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा व परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से राहुल तिवारी, अभिषेक शुक्ला, बिपिन कुमार यादव, राहुल कुमार, सुमित कुमार आदि शामिल थे। ज्ञापन में राज्य के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्था में सुधार लाने, निजी अस्पतालों की मनमानी पर कठोर नीति बनाने और राज्य के सभी निजी अस्पतालों, क्लीनिकों एवं नर्सिंग होम्स के तमाम सुरक्षा मानकों की गहन जांच कराने की मांग की है। सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था को सुदृढ़ कर निम्न और मध्यम वर्गीय नागरिकों को सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

मारपीट कर घर से भगाने का आरोप, शिकायत दर्ज

RANCHI : शहर के नामकुम थाना क्षेत्र के लोआडीह निवासी मेरी मार्गेट कुजूर ने परिवार वालों पर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। थाना के जरिये किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं करने पर मंगलवार को रांची सिविल कोर्ट में न्यायिक दंडाधिकारी दिग्विजय नाथ शुक्ला की अदालत में शिकायतवाद दर्ज कराया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पति की मृत्यु के बाद मारपीट कर मुझे और मेरी बेटी को घर से निकाल दिया और जमीन पर कब्जा कर लिया है। किराये के मकान में रहने को विवश है। इस मामले में ननद, जेठ सहित आठ लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी है। शिकायतकर्ता मेरी मार्गेट ने कोर्ट को बताया कि आरोपितों ने सुलह करने का दबाव डालकर 29 जून को ससुराल बुलाया, जहां गाली-ग्लौछ और मारपीट किया। साथ ही 33 सौ रुपये भी छीन लिए। इसकी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

भाजपा महानगर कार्यालय में युवा आक्रोश रैली योजना सम्मेलन का आयोजन

हेमंत से मांगा जाएगा हिसाब : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी महानगर कार्यालय में भारतीय जनता युवा मोर्चा रांची महानगर अध्यक्ष रोमित नारायण सिंह के नेतृत्व में युवा आक्रोश रैली योजना सम्मेलन का आयोजन किया गया। सरकार द्वारा किए गए वादों और वादाखिलाफी पर चर्चा की गई और युवा आक्रोश रैली की योजना पर विस्तृत चर्चा की गई। मौके पर बाबूलाल मरांडी ने कहा की 23 अगस्त को झारखंडी युवा मोरहाबादी मैदान में हेमंत सोरेन से सालाना 5 लाख रोजगार और बेरोजगार भत्ता का हिसाब मांगा जाएगा। हम सम्मेलन के माध्यम से इस ठगबंधन की सरकार को उखड़फेंगे। इन 5 सालों में इस राज्य सरकार ने सबको ठगने और लूटने का काम किया है। इस सरकार में युवाओं को रोजगार नहीं मिला, महिलाएं, व्यवसाय सुरक्षित नहीं हैं। कानून व्यवस्था चौपट है। इन सबका हिसाब लिया जाएगा।

बिस चुनाव में सबक सिखाएंगे युवा : रोमित

रोमित नारायण सिंह ने कहा कि इस सरकार में राज्य के युवा अपने आप को ठगा महसूस करते हैं। इस सरकार ने युवाओं को रोजगार के नाम पर, बेरोजगारी भत्ते के नाम पर ठगा। लगातार यहां परीक्षाएं होती हैं और जिस संस्थान द्वारा परीक्षा ली जाती है, उस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाता रहा है। यह समझने की जरूरत है कि इस सरकार में युवाओं का भविष्य सबसे ज्यादा असुरक्षित है। इस सरकार को युवाओं के भविष्य की कोई चिंता नहीं है। राज्य के युवाओं के साथ झूठा वादा कर बरगलाने का काम किया गया। सरकार की नीयत में ही खोट है। इसे न 5 लाख रोजगार देना था ना बेरोजगारी भत्ता। लोगों को मूर्ख बनाकर हेमंत सोरेन सत्ता पर आसीन हुए हैं, लेकिन 23 अगस्त के दिन राज्य के झारखंडी युवा यह शपथ लेंगे कि आगामी चुनाव में इस सरकार से एक-एक चीज का हिसाब मांगेंगे और इस सरकार की जड़ों को हिला देंगे।

मंत्री ने कहा- वनों की भूमि है झारखंड

मानव-हाथी संघर्ष का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी : बैद्यनाथ राम

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री बैद्यनाथ राम ने कहा कि हाथी वन्यप्राणी साम्राज्य की प्रमुख प्रजाति है। मानव हाथी संघर्ष का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी है। कुछ समय से मानव की आगे बढ़ने की प्रत्याशा ने दोनों प्रजातियों के बीच संघर्ष की स्थिति उत्पन्न कर दी है, जिसके परिणामस्वरूप अप्रिय स्थितियां उत्पन्न हो रही हैं और इससे दोनों पक्षों की जान-माल की हानि हो रही है। आयोजन कर्नाटक सरकार की ओर से किया गया। मंत्री मंगलवार को विश्व हाथी दिवस पर बेंगलुरु में मानव हाथी संघर्ष पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में बोल रहे थे। मंत्री वैद्यनाथ राम ने कर्नाटक की वन्यजीव प्रबंधन प्रणाली प्रशंसा करते हुए कहा कि कर्नाटक में वैज्ञानिक तरीके से वन और वन्यजीव प्रबंधन की एक लंबी और गौरवशाली परंपरा रही है। मंत्री ने कहा कि झारखंड वनों की भूमि है।

पीएलएफआई का उग्रवादी गिरफ्तार

RANCHI : पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने मंगलवार को बताया कि छापेमारी के क्रम में गुमला जिला से फरार पीएलएफआई उग्रवादी अर्जुन सिंह उर्फ नेपाल सिंह को नगड़ी थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। जांच के क्रम में ज्ञात हुआ कि इनके खिलाफ गुमला जिला में 09 कांड दर्ज है और 09 कांडों में फरार चल रहे हैं। इसके खिलाफ में गुमला पुलिस के द्वारा उनके घर पर कुर्की की कार्रवाई की गई है। रांची जिला में इसके खिलाफ कांड दर्ज नहीं होने के कारण गुमला पुलिस को सूचित कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

भू-माफिया के खिलाफ कार्रवाई को लेकर हुई हाई लेवल मीटिंग

जमीन हड़पने के मामले में तेजी से करें जांच : डीजीपी

CRIME REPORTER RANCHI : रांची जिला में खासकर शहरी क्षेत्र में जमीन माफियाओं के द्वारा जमीन के कागजातों का फजीर्वाडा कर और बलपूर्वक गलत तरीके से जमीन हड़पने का काम किया जा रहा है। ऐसे मामले की जांच करने को लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सात सदस्यीय एसआईटी टीम का गठन किया है। एसआईटी टीम के साथ डीजीपी ने सोमवार को बैठक की, इस दौरान डीजीपी ने रांची एसएसपी को आदेश दिया कि जितने जमीन से संबंधित 144 के मामले हैं, यह सभी जानकारी जल्द से जल्द एसआईटी टीम को उपलब्ध कराया जाए। वही एसआईटी टीम को निर्देश दिया गया है कि जमीन हड़पने से संबंधित मामले की जांच तेजी से की जाए। पहले से इस टीम में सीआईडी के आईजी सुदर्शन प्रसाद मंडल को अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा पटेल मयूर कन्हैयालाल, कार्तिक एस, संध्या रानी मेहता ऋषभ कुमार झा, अनुरंजन किस्पोट्टा और एएसपी दीपक कुमार को एसआईटी का सदस्य बनाया गया था।

दो सप्ताह के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश

प्रत्येक थाना में पिछले कुछ वर्षों में जमीन विवाद से संबंधित आईपीसी धारा 144 (बीएनएनएस 163) के के तहत जितने भी मामले दर्ज किये गये हैं, उसकी गहन समीक्षा की जाएगी। हालांकि एसआईटी के द्वारा यह तय किया जाएगा कि किस थाना में किस वर्ष धारा 144 के मामले की समीक्षा की जाएगी। जारी आदेश में कहा गया है कि ऐसे कांडो की संख्या ज्यादा है। इसलिए रांची जिला से संबंधित थाना प्रभारी का दायित्व होगा कि वह पिछले कुछ जमीन विवाद से संबंधित दर्ज सभी मामलों की संपूर्ण सूची अपने-अपने क्षेत्र के डीएसपी को उपलब्ध करा देंगे और उसे क्षेत्र के डीएसपी उन जमीन विवाद की स्वयं ग्रहण जांच करते हुए एक रिपोर्ट एसआईटी के अध्यक्ष को समर्पित करेंगे।

टीम में जोड़े गए 8 अफसर

- डीएसपी बनारसी प्रसाद
- डीएसपी मनोज कुमार ठाकुर
- डीएसपी सुमनगिनी नाग
- डीएसपी तारामणि बाखला
- डीएसपी बहामन टूटी
- डीएसपी प्रदीप पॉल कच्छप
- एसआई चंद्रिका प्रसाद
- एएसआई पुंडरीक पति त्रिवेदी

वर्ल्ड इंडिया इंटरनेशनल की प्रतियोगिता में झारखंड के प्रतिभागियों का रहा जलवा

शाहिद का छाया जादू, जीता मिस्टर इंडिया का खिताब

मिसेज इंडिया बनीं पूजा थापा, प्रिंसी प्रियंका फर्स्ट और अनीशा सिंह सेकेंड रनर अप

PHOTON NEWS RANCHI : टैलेंट दिखता ही नहीं, बोलता भी है। कई क्षेत्रों में झारखंड की प्रतिभा बोलती है। इसका ताजा उदाहरण इस रूप में सामने आया है कि मिस्टर, मिस, मिसेज एंड किड्स वर्ल्ड इंडिया इंटरनेशनल, नैशनल ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेने वाले झारखंड के अलग-अलग स्थानों से सात प्रतिभागियों ने फाइनल राउंड में अपना स्थान बनाया। इतना ही नहीं, मिस्टर, मिस, मिसेज और किड्स कैटेगरी में अपने टैलेंट का लोहा मनवाते हुए विनर भी बने। मोहम्मद शाहिद आलम ने मिस्टर इंडिया का खिताब जीता, जबकि मिसेज इंडिया विनर बनीं नेपाल से बिलॉन्ग करने वाली रांची में रहने वाली पूजा थापा। किड्स कैटेगरी में अगरिया प्रियदर्शनी ने खिताब जीता। मिस इंडिया का खिताब मिला है रांची की चंद्रमुनी कुजूर को। प्रिंसी प्रियंका फर्स्ट रनर अप हुईं और अनीशा सिंह सेकेंड रनर अप।

वास्तव में यह खिताब जीतना गौरव की बात है। अभी सफलता के मार्ग में बहुत लंबी दूरी तय करनी है। यह सतत प्रयास के बाद ही संभव हो सकेगा। इसके लिए मैं तैयार हूं। -शाहिद आलम

वॉइस ऑफ झारखंड के अध्यक्ष अखिलेश ने सभी प्रतिभागियों को किया सम्मानित

वॉइस ऑफ झारखंड के अध्यक्ष अखिलेश ठाकुर ने सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रांची में प्रतिभा की कमी नहीं है। यहां के कलाकारों ने इसे साबित कर दिया है। वीफ जूरी में स्टोरी लाइन इंडिया की वीफ एडिटर साधना कुमर थीं। उन्होंने कहा कि शो के अंतिम छण तक नहीं लगा था कि एक बार फिर छोटा शहर कहे जाने वाले रांची के ये प्रतिभागी देश के कोने-कोने से आए प्रतिभागियों को पीछा छोड़ते हुए सारे महत्वपूर्ण किताब अपने नाम कर लेंगे। मेरे अलावा भी शो में अन्य फील्ड के भी सात जूरी वहा मौजूद थे। सभी ने रांची के प्रतिभागियों को खूब सराहा। साधना ने बताया कि इस तरह के परफॉर्मेंस से अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। सभी प्रतिभागी भी अपने प्रदर्शन से खुश हैं। इस शो की सभी केटेगरी में दो सौ से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। रांची से प्रोफेशनल कैमरा मैन अरमान अंसारी, रूपेश और फैशन फील्ड से तालुक रखने वाली बोकारो की अंकिता सिंह को गेस्ट के रूप में इन्वाइट किया गया था।

सैप में 565 पदों पर भूतपूर्व सैनिकों की होगी बहाली

RANCHI : झारखंड के स्पेशल आक्सिलियरी पुलिस (सैप) की दोनों बटालियन में 565 पदों पर भूतपूर्व सैनिकों की बहाली होगी। रांची के डोरंडा स्थित झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप) वन परिसर में आगामी 27 से 29 अगस्त तक भूतपूर्व सैनिकों को विभिन्न पदों पर बहाल किया जायेगा। प्रशिक्षण निदेशालय के अनुरोध पर पुलिस मुख्यालय ने नियुक्ति प्रक्रिया के लिए छह सदस्यीय चयन समिति का गठन कर दिया है। सैप में सेवानिवृत्त जेसीओ, हवलदार व सिपाहियों की अनुबंध के आधार पर नियुक्ति होती है, जिन्हें एकमुश्त मासिक वेतन दिया जाता है। झारखंड राज्य के भूतपूर्व सैनिक उपलब्ध न होने पर ही रिक्त पदों पर दूसरे राज्यों के भूतपूर्व सैनिकों की नियुक्ति होगी। इन्हें एक वर्ष में 30 दिनों का क्षतिपूर्ति अवकाश मिलेगा। यात्रा भत्ता व दैनिक भत्ता सरकारी ड्यूटी के दौरान नियमानुसार होगा।

जिला परिषद की मेंबर हिना बनीं हज समिति की सदस्य

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य हज सामिति का पुनर्गठन किया गया है। कांके की जिला परिषद सदस्य हिना परवीन झारखंड हज सामिति की सदस्य बनाई गई हैं। मंगलवार को इस संबंध में नए सदस्यों का नाम जारी किया है। हिना परवीन को झारखंड हज सामिति की सदस्य बनाए जाने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, युवा कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव राजेश सिन्हा सन्नि, मंत्री इरफान अंसारी, मंत्री हफीजुल हसन, कांग्रेस नेता सुरेश बैठा, झामुमो नेता मुश्ताक आलम, समनुर मंसूरी ने बधाई दी है। वहीं हिना परवीन ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस भरोसे से मुझे झारखंड राज्य की हज सामिति सदस्य बनाया गया है, निश्चित रूप से मैं इस विश्वास पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगी।

हिना परवीन

हज सामिति के नए सदस्य

डॉ. सरफराज अहमद, हफीजुल हसन, डॉ. इरफान अंसारी, फैयाज कैसर पूर्व अध्यक्ष हिना परवीन,मोहम्मद इसराफिल, मौलाना अंसारुल्लाह कासमी, मुफ्ती सलाउद्दीन निजामी, सैयद शबबेर मेहंदी,मोहम्मद इकबाल आलम,अरसे आलम, मोहम्मद शहाबुद्दीन, जमशेदपुर, मोहम्मद शहाबुद्दीन गोड्डा, मुफ्ती अब्दुल हैय, अध्यक्ष झारखंड राज्य सुननी वक्फ बोर्ड रांची, कार्यपालक पदाधिकारी झारखंड राज्य हज समिति रांची।

पशु तस्कर ने झामुमो नेता को मारी गोली, चल रहा इलाज

दो लोगों पर हमले का आरोप

PHOTON NEWS CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा के पाताहातु में बाइक सवार पशु तस्करों ने झामुमो कार्यकर्ता मुन्ना पूर्ति उर्फ मंत्री को गोली मार दी। घटना में मुन्ना घायल हो गया है । उसे तत्काल चाईबासा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर कर दिया गया।

घायल झामुमो कार्यकर्ता

घटना के संबंध में घायल मुन्ना ने बताया कि वह मंगलवार सुबह अपनी स्कूटी से करलाजोड़ी जा रहा था। इस बीच बड़ी बाजार के गरीब कॉलोनी के पास बाइक से दो पशु तस्कर मो. वसीम और एक अन्य बदमाश पहुंचे। बाद में कमर से पिस्तौल निकाल कर गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद बाइक सवार दोनों बदमाश वहां से फरार होने में सफल रहे.गोली उसके सिर को छूकर निकल गई है। दोनों पशु तस्कर हैं। पिछले दिनों उसने पशु तस्करी का विरोध किया था।

इसी को लेकर उसे गोली मारी है। इस घटना को लेकर पुलिस पूरी मामले की जांच कर रही है। समाचार लिखे जाने तक आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से दूर है।

रेलकर्मी के घर चोरी, ले गए गहने व नकदी

CHAKRADHARPUR: दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल मुख्यालय के रेल क्षेत्र में चोरों का आतंक कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। रेलवे क्वार्टरों में लगातार हो रही चोरी से रेलकर्मी और उनके परिजन खौफजदा हैं। ताजा मामले में चोरों ने चक्रधरपुर रेलवे कॉलोनी के पी. ब्लॉक में राकेश कुमार रौशन नामक रेलकर्मी के क्वार्टर में सेंधमारी कर चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने घर में रखे लाखों के सोने गहने समेत नकदी चोरी कर ली है। बताया जा रहा है की टीआरडी विभाग में कार्यरत रेलकर्मी की माता का कुछ दिन पहले देहांत हो गया था। रेलकर्मी अपने परिवार को लेकर अपने गांव माता के अंतिम संस्कार में गया था। इधर रेलकर्मी ने क्वार्टर की रखवाली के लिए

अपने ही सहकर्मी दीपक कुमार को अनुरोध किया था। सहकर्मी दीपक कुमार रोजाना रात को राकेश कुमार के क्वार्टर में सोने जाता था। लेकिन लाइन ड्यूटी लगने की वजह से दीपक कुमार बीती रात क्वार्टर में सो नहीं पाए। इसी का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने क्वार्टर का सभी ताला तोड़ दिया और घर में सेंधमारी की। चोरों ने क्वार्टर के दो अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे लाखों के सोने गहने और नगदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए। सुबह घटना की जानकारी मिली।

रेलवे ने पुलिस चौकी के लिए मांगे 13 लाख

समाजसेवी राजू मल ने बताया कि जिस जगह रेलवे क्वार्टर में चोरी हुई है वहां एक दशक पहले क्वार्टर संख्या पी 11 में पुलिस की एक चौकी हुआ करती थी। इस चौकी में पुलिस फोर्स की तैनाती होती थी, जो पूरे रेल क्षेत्र में गश्त लगाकर रेलवे कॉलोनी को सुरक्षा प्रदान करती थी। उस दौरान चोरी और आपराधिक घटनाएं रेलवे कॉलोनी में न के बराबर हुआ करती थी। आठ साल पहले तत्कालीन स्थानीय वार्ड पार्षद माया रानी मल की मांग पर तत्कालीन एसपी ने फिर से पी ब्लाक के पुलिस चौकी को शुरू करने का आदेश दिया। लेकिन जब रेलवे से पुलिस चौकी के लिए आवास और उसमे बिजली पानी की सुविधाओं की मांग की गयी तो रेलवे ने पुलिस विभाग से सुविधा देने के नाम पर तकरीबन 13 लाख रुपये जमा करने को कहा गया। मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

फॉलोअप मां के बयान पर पांच लोगों पर दर्ज की गई प्राथमिकी

बारीगोड़ा में विवाद के बाद की गई थी लोकनाथ की हत्या

PHOTON NEWS JSR: परसुडीह थाना अंतर्गत गदड़ा विकास भवन के पास सोमवार शाम 7 बजे अपराधियों ने जेल से छूटे लोकनाथ ठाकुर उर्फ पुक्की की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अपराधियों ने लोकनाथ पर ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिससे लोकनाथ की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद मंगलवार को लोकनाथ के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया।

इधर, लोकनाथ की मां ने परसुडीह थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी में गदड़ा निवासी मनीष, सूरज नाग, राजन मिश्रा, कौशल श्रीवास्तव, मुकेश कुमार साहू और मनीष के भाई को हत्या का आरोपी बनाया गया है। इधर, पुलिस ने भी तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की, पर पुलिस को कुछ भी हाथ नहीं लगा। सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। हालांकि पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है, जिनसे थाने में पूछताछ की जा रही है।

शराब पीने के बाद हुआ था विवाद

जानकारी देते हुए डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर तौकिर आलम ने बताया कि लोकनाथ की मां के अनुसार घटना से दो घंटे पूर्व बारीगोड़ा में लोकनाथ का मनीष और अन्य लोगों से विवाद हुआ था। हालांकि स्थानीय लोगों ने झगड़ा सुलझा दिया था। इसके बाद बदला लेने के उद्देश्य से उसकी हत्या की गई है। वहीं आसपास लगे सीसीटीवी से भी पुलिस को आरोपियों के घटना स्थल पर मौजूद होने के साक्ष्य मिले है। घटना स्थल पर चार लोगों के मौजूद होने की पुष्टि हुई है।

शरीर में लगीं पांच गोलियां : डीएसपी के अनुसार लोकनाथ को पांच गोलियां लगीं, जिसमें दो सिर में सटा कर मारी गई है और बाकी शरीर के अन्य हिस्सों में गोलियां लगी हैं।

वहीं मौके से पुलिस ने चार खोखा, एक गोली और एक पिलेट बरामद किया था। घटनास्थल से लोकनाथ की बाइक भी बरामद की गई थी।

गोली मारकर की गई थी लोकनाथ की हत्या : बता दें कि सोमवार देर शाम लोकनाथ अपनी बाइक से अंबेडकरनगर स्थित अपने घर जा रहा था। इसी बीच विकास भवन के पास पीछे से आए अपराधियों ने लोकनाथ पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी. लोकनाथ बाइक समेत घटनास्थल पर ही गिर गया, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यातायात पुलिसकर्मी के साथ की हाथापाई, मामला दर्ज

JAMSHEDPUR : गोलमुरी थाना अंतर्गत टिनप्लेट चौक के पास जांच के क्रम में एक बुलेट सवार ने मौके पर तैनात गोलमुरी यातायात थाना के एएसआई पारस सिंह के साथ हाथापाई की। इस दौरान पुलिस द्वारा पकड़े गए बुलेट को भी अपने साथ ले गए। घटना सोमवार दोपहर की है।

इधर, घटना के बाद पारस सिंह के बयान पर गोलमुरी थाना में चालक जयदीप सिंह, उसके भाई नवदीप सिंह, पिता अवतार सिंह समेत 10-12 अन्य के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने और धक्का-मुक्की करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसके बाद सभी जब्त बुलेट को अपने साथ ले गए। घटनाक्रम की वीडियो भी पुलिस को सौंपी गई है, जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने बुलेट बरामद कर ली है। शिकायत में पारस ने बताया कि दोपहर 12 बजे वह ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान पुराना नंबर लगा एक बुलेट सवार वहां से गुजर रहा था। उन्होंने बुलेट को रोका और कागजात की मांग की। बुलेट पुरानी होने की वजह से चालक के पास कागजात नहीं थे। बुलेट को जब्त करने के दौरान पास से ही 10-12 की संख्या में कुछ लोग पहुंचे और बहस शुरू कर दी। इसी बीच धक्का-मुक्की की गई। बुलेट को भी ले जाया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साहित्यकारों ने किया सुंदरकांड का सामूहिक पाठ

JAMSHEDPUR : प्रत्येक वर्ष की भांति सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन द्वारा माहव्यापी तुलसी जयंती समारोह के अंतर्गत सावन शुक्ल पक्ष सप्तमी (तुलसी जयंती) को संस्थान के मुख्य सभागार में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का आरंभ पूरे विधि विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों सहित साहित्य समिति के तमाम सदस्यों एवं संस्थान से जुड़े नगर के दर्जनों साहित्यकारों की सपरिवार उपस्थिति रही । पाठ के उपरांत सभी ने भोग प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में मुरलीधर केडिया, अरुण कुमार तिवारी, गुहाराम, सुभाषचंद्र मूनका, रामनंदन प्रसाद, डॉ. प्रसेनजित तिवारी, विद्यासागर लाभ सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

भाजयुमो ने कदमा से गोलमुरी तक निकाली तिरंगा यात्रा

PHOTON NEWS JSR: जमशेदपुर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर देशव्यापी हर-घर तिरंगा अभियान के निमित्त भाजयुमो, जमशेदपुर महानगर ने मंगलवार को कदमा से गोलमुरी तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली।

जमशेदपुर पूर्वी और पश्चिमी विधानसभा द्वारा संयुक्त रूप से निकाली गई यात्रा में सांसद बिद्युत बरण महतो, भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज, भाजपा जमशेदपुर महानगर के अध्यक्ष सुधांशु ओझा समेत बाइक पर सवार सैकड़ों युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। तिरंगा यात्रा कदमा गणेश पूजा मैदान से प्रारंभ होकर बिस्टुपुर, साकची बड़ा

रैली में शामिल भाजपा नेता व कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

गोलचक्कर होकर आरडी टाटा गोलचक्कर के रास्ते गोलमुरी पुलिस लाइन स्थित शहीद स्थल पर पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान भाजपा के प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद, जमशेदपुर महानगर के पूर्व जिलाध्यक्ष बिनोद सिंह व दिनेश कुमार, नीरज सिंह, संजीव सिंह, बबुआ सिंह, राजीव सिंह, पप्पू सिंह, भाजयुमो प्रदेश मंत्री अमित अग्रवाल, प्रदीप मुखर्जी, अभिषेक आचार्य, चंदन चौबे, मिलन सिन्हा, शैलेश गुप्ता, अमिताभ सेनापति, पप्पू उपाध्याय, विकास शर्मा, अभिमन्यु सिंह, प्रकाश दुबे, सुशील पांडेय व अन्य मौजूद रहे।

समाचार सार

तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

SONUA : स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मनीष ब्रदर्स के तत्वावधान में मंगलवार को सोनुआ प्रखंड के टेपासाई स्थित संत जॉन्स स्कूल मैदान में तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि झामुमो नेता जगत माझी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

प्रतियोगिता में कुल 48 टीमें भाग ले रही हैं। समापन समारोह की मुख्य अतिथि सिंहभूम की सांसद जोबा माझी होंगी। मौके पर गोइलकेरा के झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मनसुख गोप, देवांवीर पंचायत के पूर्व मुखिया अमर सिंह चाकी, मधुसूदन पुरती, मनीष लागुरी, अंद्रेयश कोड़ाह, बगिया लागुरी, बहादुर सुरीन, सुजीत बहांदा, चंदन लागुरी, प्रिंस खान, दीपक माझी समेत आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा ने एसएसपी से की थाना प्रभारी की शिकायत

JAMSHEDPUR : भाजपा नेताओं ने मंगलवार को एसएसपी से मिलकर बागबेड़ा थाना प्रभारी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी ने एक दुर्घटना के आरोपियों को

थाने से ही छोड़ दिया। एसएसपी से मिलने वालों में भाजपा नेता विकास सिंह, चंचल चक्रवर्ती, ललन यादव, तारक घोष, राजू सरदार, होपना महाली, वरुण सिंह, विजय विश्वकर्मा शमिल रहे।

रोटरैक्ट स्टील सिटी तैयार करेगा भविष्य के लीडर

JAMSHEDPUR : रोटरैक्ट क्लब ऑफ स्टील सिटी ने रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर स्टील सिटी और रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर दलमा के सहयोग से केरला समाजम मॉडल स्कूल में रोटरैक्ट पाठशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नेतृत्व कौशल को बढ़ाने के साथ ही सामुदायिक भावना को बढ़ावा देकर भविष्य के लीडर को आकार देना था। विभिन्न क्लबों के कुल 85 रोटरैक्टर्स ने भाग लिया, जिसमें डीबीएमएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन, करीम सिटी कॉलेज, अर्का जैन यूनिवर्सिटी, सोशल क्रू (एनएसयू), मिसेज केएमपीएम वोकेशनल कॉलेज, को-ऑपरेटिव बी.एड कॉलेज, एमजीएम मेडिकल कॉलेज, स्टील सिटी और कालीमाटी जमशेदपुर शामिल थे।

भाजपा, मानगो महिला मोर्चा ने घर-घर बांटा तिरंगा

JAMSHEDPUR : भाजपा, मानगो मंडल महिला मोर्चा की अध्यक्ष मीना शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को मानगो में हर घर तिरंगा वितरण अभियान चलाया। संकोसाई रोड नंबर 1, रामनगर, केंदूकोचा में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला कोषाध्यक्ष और तिरंगा यात्रा के प्रभारी कृष्ण शर्मा उर्फ काली उपस्थित थे। इसके अलावा, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक नीरज सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. जटाशंकर पांडे, भाजपा मानगो मंडल अध्यक्ष विनोद राय, महिला जिला उपाध्यक्ष सुशील शर्मा, ओबीसी जिला कार्यसमिति सदस्य रितु शर्मा एवं मंडल के अन्य पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

भाजपा महिला मोर्चा ने किया प्रदर्शन हेमंत सोरेन सरकार पर बोला हमला

पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने कहा- यह घोषणावीर की सरकार

PHOTON NEWS CHAIBASA: भाजपा जिला महिला मोर्चा पश्चिमी सिंहभूम द्वारा जिला अध्यक्ष दुर्गावती के नेतृत्व में चाईबासा में आक्रोश प्रदर्शन हुआ। कोल्हान की कार्यक्रम प्रभारी के रूप में पूर्व सांसद गीता कोड़ा शामिल हुई। कार्यक्रम की शुरूआत स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण से की। इसके बाद रवींद्र भवन से धरना स्थल तक पदयात्रा करते हुए सरकार की महिला विरोधी नीति के खिलाफ नारे लगाए गए। पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि हेमंत सरकार घोषणावीर की सरकार है, सिर्फ घोषणा होता, वादों को पूरा करने की मंशा नहीं है। कार्यक्रम में साथ में प्रदेश महिला मोर्चा उपाध्यक्ष

प्रदर्शन में शामिल पूर्व सांसद गीता कोड़ा व अन्य ● फोटोन न्यूज

मालती गिलुवा, महिला जिला अध्यक्ष दुर्गावती बोयपाई, सह प्रभारी गीता बालमुचू, जिला कार्यक्रम प्रभारी बारी मुर्मू, सुशीला टोपनो, मृदुला निषाद, ललिता कोड़ा, जिलाध्यक्ष संजू पांडेय, बड़कुंवर गागराई, शशिभूषण सामड, जेबी तुबिद, गुरुचरण नायक, विजय मेलगांडी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष चन्द्रमोहन तियु, लालमुनी पुरती, रुपा सिंह दास, रानी बान्दीया, रानी तिरिया, अशोक सारंगी सतीश पुरी,हेमंत केसरी, रामानुज शर्मा ,पवन पांडे जयकिशन बिरुली, चंद्रमोहन गोप, राई भूमिज, लेबेया लागुरी,अमरेश प्रधान, द्वारिका शर्मा, जीतेंद्रनाथ ओझा, राकेश शर्मा शामिल रहे।

पीजी चौथे सेमेस्टर की 27 से 12 केंद्रों पर होगी परीक्षा

JAMSHEDPUR : स्नातकोत्तर चौथे सेमेस्टर (सत्र 2022-24) के परीक्षा की तिथि विश्वविद्यालय में घोषित कर दी है जारी कार्यक्रम के तहत या परीक्षा 27 अगस्त से शुरू होगी और 5 सितंबर तक चलेगी। जारी नोटिफिकेशन के तहत या परीक्षा दो पाली में ली जाएगी। इसकी पहली पाली सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक, जबकि दूसरी पाली 1.30 से 4.30 बजे तक संचालित होगी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा के लिए केंद्रों की सूची जारी कर दी गयी है।

इसके तहत परीक्षा के लिए कुल 12 केंद्र बनाए गए हैं। इस परीक्षा में करीब 6 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिन कॉलेजों को केंद्र बनाया गया है, उनके प्रिंसपल को विवि की ओर से केंद्राधीक्षक नियुक्त किया गया है। सभी को परीक्षा की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

वर्कर्स कॉलेज में छात्रों को नशे के दुष्प्रभाव से किया जागरूक

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज में छात्रों को नशे के दुष्प्रभाव से जागरूक किया गया। महाविद्यालय में सोमवार को हुए कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. एसपी महालिक ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज नशे का कारोबार करने वाले लोग विद्यालय और महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को अपनी तरफ आकर्षित कर रहे हैं और युवाओं को नशे के जाल में फंसा रहे हैं। दुर्भाग्यवश कुछ0 युवा नशे की लत में फंसकर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। घर से पैसे न मिलने पर वह चोरी-छिनतई आदि अपराध को अंजाम देकर उससे नशे की लत की पूर्ति कर रहे हैं। इससे न केवल उनका बल्कि, उनके पूरे परिवार व समाज में अव्यवस्था फैल रही है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को आगाह किया

शपथ लेते प्राचार्य व अन्य

कि आप इस नशे के चीजों से बचें। किसी भी दुकान पर इस तरह की चीज अगर बेची जा रही है तो उसका बहिष्कार करें। अपने साथी, मित्र, परिवार के सदस्यों को जागरूक करें और कोई नशा कारोबारी की सूचना मिलती है तो उसे महाविद्यालय और जिला प्रशासन को बताएं, ताकि समय रहते उस समस्या का समाधान हो सके। हम नशा मुक्ति अभियान को और सार्थक बना सकें और भारत से नशा को खत्म किया जा सके।

परिजनों व बेलरों का भी पूरा ब्योरा रखेगी पुलिस, अपराध पर लगेगी लगाम

अपराधियों की डिजिटल प्रोफाइल तैयार कर रही जिला पुलिस

ROHITKUMAR@JSR

पूर्वी सिंहभूम जिले में अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए एसएसपी किशोर कौशल ने एक नई और प्रभावशाली योजना की शुरूआत की है। इस योजना के तहत, पुलिस ने अपराधियों की विस्तृत डिजिटल प्रोफाइल तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिससे अपराधियों की गिरफ्तारी और ट्रैकिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इसके तहत अपराधियों की प्रोफाइलिंग की जा रही है।

एसएसपी किशोर कौशल ने सभी थानों को अपने-अपने क्षेत्र के अपराधियों की पूरी प्रोफाइल तैयार करने का आदेश दिया है। इसमें अपराधियों की तस्वीर, नाम, पता, मोबाइल नंबर, और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी शामिल

है। इस कार्य में अब तक लगभग 2739 अपराधियों की सूची तैयार की जा चुकी है, जिसमें हत्या, लूट, एनडीपीएस, रंगदारी, वाहन चोरी, चाकूबाजी, चोरी, डकैती, दिनतई, आदतन अपराधी, निगरानी आदि अपराधियों की अलग-अलग सूची शामिल है।

परिजनों के प्रोफाइल को भी किया शामिल : प्रोफाइल तैयार होने के बाद, इसमें सभी प्रकार की जानकारी जोड़ी जाएगी ताकि फरार अपराधियों को ट्रेस करना आसान हो सके। अपराधियों के साथ-साथ उनके परिजनों की भी प्रोफाइल तैयार की जा रही है। इसमें परिजनों के नाम, पता, मोबाइल नंबर, पैन कार्ड, आधार कार्ड, फोटो, और अन्य महत्वपूर्ण विवरण शामिल हैं। इससे पुलिस को फरार अपराधियों के परिजनों के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। पुलिस अपराधियों की चल और अचल संपत्ति, बैंक खातों की जानकारी भी एकत्र कर रही है। इससे अपराधियों की आर्थिक स्थिति का आकलन किया जा सकेगा।

अपराधियों की जमानत में बेलर की भूमिका निभाने वाले लोगों की सूची तैयार की जा रही है। एसएसपी ने सभी डीएसपी और थाना प्रभारियों को इस सूची की तैयारी और बेलर की विश्वसनीयता की जांच करने के निर्देश दिए हैं।

सक्रिय अपराधियों की जमानत रद करने के लिए पुलिस सीसीए के तहत कार्रवाई की योजना बना रही है। इस योजना के तहत, जमानत पर रहकर सक्रिय अपराधियों पर निगरानी रखी जाएगी और गुंडा पंजी में नाम दर्ज करने की अनुशंसा की जाएगी।

अपराधियों की श्रेणीवार सूची

- आर्म्स एक्ट : 470
- एनडीपीएस एक्टः 370
- हत्या : 123,
- रंगदारी-फिरौती : 74
- डकैती : 68
- लूट : 267
- गृहभेदन : 307
- छिनतई : 138
- वाहन चोरी : 478
- अन्य चोरी : 444

पुलिस अपराधियों की प्रोफाइल तैयार कर रही है जिसमें अपराधियों से जुड़ी सारी जानकारियां उपलब्ध रहेंगी। इसकी मदद से पुलिस को अपराधियों की धरपकड़ में आसानी होगी। इसमें अपराधियों के परिजनों से भी जुड़ी जानकारी मौजूद रहेगी।

– किशोर कौशल, वरीय पुलिस अधीक्षक, पूर्वी सिंहभूम

पूर्व में बीट पुलिसिंग को मिल चुकी सफलता

अपराधियों के डिजिटल प्रोफाइल तैयार करने से पूर्व जिला पुलिस ने बीट पुलिसिंग की शुरूआत की थी, जिसे काफी सफलता मिली थी। बीट पुलिसिंग में पूरे शहर को तीन जोन में बांटा गया था। इसमें सभी डीएसपी और थानेदारों को अलग-अलग दिन पैदल गश्त करने का आदेश दिया गया था। इसमें कई अपराधी पकड़े गए।

लोयोला के पास हुई स्कूली वाहनों की जांच

JAMSHEDPUR : उपायुक्त अनन्य मित्तल के निदेर्शानुसार मंगलवार को बिष्टुपुर स्थित लोयोला स्कूल के पास स्कूली वाहनों की सघन जांच की गई। इसमें फिटनेस, बीमा व प्रदूषण आदि सभी प्रमाणपत्रों की वैधता की जांच की गई। जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय के नेतृत्व में मोटर यान निरीक्षक सूरज हेंब्रम ने 43 स्कूली वाहनों के कागजातों की जांच की। जांच में वैन व ऑटो रिक्शा के फिटनेस, परमिट, इंश्योरेंस, रजिस्ट्रेशन व प्रदूषण आदि कागजातों की जांच की गई। इस दौरान 13 स्कूली वाहनों के कागजात फेल होने पर जुमार्ना लगाया गया।

जायरा स्थल की बाउंड्री के लिए मंत्री से आग्रह

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर विधानसभा के विभिन्न आदिवासी बहुल क्षेत्रों में जायरा स्थल की चारदीवारी निर्माण को लेकर पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव सह समाजसेवी डॉ. विजय सिंह गागराई ने कैबिनेट मंत्री दीपक बिरुवा को मांगपत्र सौंपा। मांगपत्र में चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों आदिवासी बहुल गांव में स्थित जायरा स्थल में चारदीवारी निर्माण का आग्रह किया गया है।

ये टिप्स अपनाएंगे तो हर कोई हो जाएगा आपके पर्सनैलिटी का फैन

आप पर्सनालिटी डेवलपमेंट शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करते हैं तो आपके मन में क्या ख्याल आता है? क्या आपको लगता है अच्छे कपड़े पहनना या अंग्रेजी बोलना या फिर लोगों से मिलना पर्सनालिटी डेवलपमेंट है? तो जवाब मिलेगा नहीं। केवल यह शब्द मिलकर पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य नहीं करते बल्कि कई ऐसी चीजें हैं जो पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं। आइए कुछ टिप्स के विषय में जान लेते हैं जो पर्सनैलिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं।

कॉन्फिडेंस बनाएं रखें

किसी भी कार्य को आसान करने का सबसे पहला मंत्र है कॉन्फिडेंस। अगर आप किसी भी काम करते समय कॉन्फिडेंस रखते हैं तो आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं। कॉन्फिडेंस से भरे लोगों से हर व्यक्ति आकर्षित हो जाता है। अगर आप अपनी पर्सनालिटी को अच्छे से डेवलप करना चाहते हैं को खुद में कॉन्फिडेंस बिल्ड करने का प्रयास करें। कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आप ज्यादा से ज्यादा पढ़ना शुरू करें और नए-नए विषयों को एक्सप्लोर करना शुरू करें।

हर विषय पर ओपिनियन बनाने का प्रयास करें

अगर आप खुद को दूसरों से अलग बनाना चाहते हैं तो प्रयास करें कि आप हर विषय में अपना एक ओपिनियन बनाएं ताकि कभी आपसे पूछा जाए तो आप जवाब दे सकें। लेकिन ध्यान रखें कि बिना मांगे ओपिनियन देने से आपकी पर्सनालिटी को नेगेटिव रूप में भी प्रदर्शित कर सकता है।

अच्छे श्रोता बनें

हम हमेशा उन लोगों को दूसरे के मुकाबले अधिक तवज्जो देते हैं जो हमारी बातों को सुनते हैं। कई लोग ऐसा मानते हैं कि अच्छा श्रोता होना एक अच्छे व्यक्तित्व की निशानी है। अगर आप भी अपनी पर्सनालिटी को बेहतर बनाना चाहते हैं तो लोगों को सुनना शुरू करें और एक अच्छा श्रोता बनने का प्रयास करें।

बॉडी लैंग्वेज को सुधारें

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए बॉडी लैंग्वेज पर काम करना बेहद जरूरी है। आपकी बॉडी लैंग्वेज भी आपके बारे में कई बातें बताती है। आपके चलने, बैठने, बातें करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। अच्छी बॉडी लैंग्वेज एक अच्छी पर्सनालिटी की तरफ कार्य करती है।

इन तरीकों से खुद को कर सकते हैं जॉब में मोटिवेट

- खुद को शांत रखना सीखिए। ऐसा करने से आपका दिमाग ठीक तरीके से काम करता है और आप किसी भी समस्या का सामना कर सकते हैं।
- ऐसे विचारों को माइंड में कभी न लाएं जो आपके किसी अच्छे काम को प्रभावित करें। हम अक्सर दूसरों से राय लेने में नहीं चूकते। जब कुछ नया करने जा रहे होते हैं। अब यह निर्भर करता है कि जिससे आपने राय ली है, वह आपका हित चाहने वाला है या नहीं, तो तुरंत किसी की बात को न मानें। उस पर विचार करें। उसके बाद ही कोई कदम उठाएं।

आज के दौर में जब जॉब की इतनी बहुतायत है, वहीं लोगों में उस जॉब को पाने के लिए जरूरी स्किल्स की कमी है। अक्सर ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोगों में अपनी सब्जेक्ट की नॉलेज तो है, पर कहीं न कहीं कई ऐसी वजहें होती है जो उन्हें अपने फील्ड में बहुत अच्छा करने से रोकती हैं। ये लोग डिमोटिवेट होते हैं। तो आइए जानते हैं खुद को मोटिवेट कैसे किया जाए

- अगर आप किसी काम के लिए जा रहे हों तो अपने डर पर विजय हासिल करें। कॉन्फिडेंट रहिए, डर दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सामने वालों को भी अपनी ही तरह एक आम इंसान ही समझें। सोचिए कि अगर आप किसी ऊंची पोस्ट पर होते हैं तो सब आपके हाथ में होता।
- जब आप कोई इंटरव्यू के लिए जा रहे हों तो ये सोचिए कि आप कई इंटरव्यू दे चुके हैं। भले ही यह आपका पहला इंटरव्यू रहो। इससे आपका कॉन्फिडेंस हाई रहेगा। अपनी सक्सेस को हमेशा अपने साथ लेकर चलें। यह कभी न सोचें कि अगर सिलेक्शन न हुआ तो।
- जब आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं तो अपना बेस्ट देने की कोशिश करें। अपनी कमियों को खुद पर हावी न होने दें। जो भी स्किल या नॉलेज आपके पास है उसे बेहतर ढंग से एक्सप्रेस करें।
- साफ-सुथरी बात सभी को अच्छी लगती है। आपका बात करने का अंदाज विनम्र होना चाहिए। साथ ही स्पष्ट और कम शब्दों में होना चाहिए।

बहुत बड़ा है एविएशन इंडस्ट्री का दायरा

अगर आप भी एविएशन इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं, लेकिन अपने आप को पायलट व केबिन क्रू बनने के काबिल नहीं पाते, तो निराश मत हो, क्योंकि इसके अलावा भी अब इस सेक्टर में कई डिपार्टमेंट ऐसे हैं जहां आप अपना करियर बना सकते हैं। ज्यादातर लोग एविएशन क्षेत्र के दायरे को पायलट, एयर होस्टेज व केबिन क्रू तक सीमित कर देते हैं, लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है। आप इस इंडस्ट्री में एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, फ्लाइट इंजीनियर, एयर टिकटिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स, एयर कार्गो मैनेजमेंट, मीटिरियोलॉजिस्ट आदि जॉब प्रोफाइल पर भी कार्य कर सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ

एविएशन इंडस्ट्री में ग्राउंड स्टाफ महत्वपूर्ण होते हैं। इनका कार्य एयरपोर्ट की साफ-सफाई के साथ उसके रखरखाव करना है। एयरपोर्ट पर प्लेन जब उतर जाता है, तो उसके बाद पैसेंजरों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर सामान ढुलाई और माल स्टॉक का कार्य भी ग्राउंड स्टाफ को ही कराना होता है। ग्राउंड स्टाफ की एयरपोर्ट पर अलग-अलग कार्य की जिम्मेदारी संभालते हैं। एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ में करियर बनाने के लिए आप एयरपोर्ट मैनेजमेंट से रीलेटेड सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर लेवल के कोर्स कर इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप इस सेक्टर में प्रवेश कर सकते हैं।

एयर कार्गो मैनेजमेंट

इस जॉब प्रोफाइल पर रहकर करियर बनाने के लिए आपको डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स करना होगा। जिसमें आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, क्लेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होंगे। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता होना जरूरी है। यह कोर्स आपको 6 माह से 1 वर्ष तक का होता है।

एयर टिकटिंग

एविएशन के एयर टिकटिंग में करियर बनाने के लिए न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता के साथ 18 वर्ष से ऊपर की आयु होनी चाहिए। न्यूनतम 6 माह से 9 माह तक की अवधि वाले कोर्स डिप्लोमा इन एयर टिकटिंग एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में ट्रैवल एजेंसी बिजेनस, वर्ल्ड टाइम जोन, एयरपोर्ट व एयरलाइन कोड्स, पेमेंट मोड्स, फॉरेन करेंसी, पासपोर्ट व वीजा आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

फ्लाइट इंजीनियर

एविएशन के क्षेत्र में फ्लाइट इंजीनियर का कार्य बहुत अहम होता है। प्लेन के सभी पुर्जों की जांच करना इनकी जिम्मेदारी होती है। इसके लिए इलेक्टॉनिक्स इलेक्ट्रिकल्स, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल या कम्प्यूटर में से किसी एक में ग्रेजुएशन होना जरूरी है। अगर आपके पास फ्लाइट इंजीनियर का ग्राउंड पाठ्यक्रम या एयर क्राफ्ट इंजीनियर लाइसेंस या सीपीएल है तो आप अप्लाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपने 12वीं विज्ञान विषयों से पास की हो और आपकी उम्र तीस साल से ज्यादा ना हो, तो आप इसमें करियर बना सकते हैं।

एयर ट्रैफिक कंटोलर्स

एविएशन के क्षेत्र में यह एक और महत्वपूर्ण जॉब प्रोफाइल है। एयरपोर्ट पर बने टॉवर से एयर ट्रैफिक कंटोलर्स हर वक्त प्लेन की उड़ानों पर नजर रखते हैं। इस फील्ड में करियर बनाने के आपको रेडियो इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग बीटेक या डिप्लोमा करना होगा।

मीटिरियोलॉजिस्ट

एविएशन में मीटिरियोलॉजिस्ट का भी बड़ा रोल होता है। इसमे कैरियर बनाने के लिए अगर आपके पास मौसम विज्ञान, भौतिक, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित और दूरसंचार में ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री है तो आप इसके लिए अप्लाई करने योग्य हैं।

टूर एंड ट्रैवल

अगर आप एविशन के क्षेत्र में रहकर अतिरिक्त कमाई करना चाहते हैं तो टूर एंड ट्रैवल आपके लिए बेस्ट होगा, इस क्षेत्र में आपको बहुत काम मिलेगा। इस क्षेत्र में आने के लिए आप 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर तीन वर्षीय बैचलर इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी कर सकते हैं।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स, नई दिल्ली
- फ्रांकलिन एविएशन एकेडमी, दिल्ली
- विंग्स कॉलेज ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी, पुणे
- ए जे एविएशन एकेडमी, मुम्बई
- राजीव गांधी एविएशन एकेडमी, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स साइंस, जमशेदपुर
- हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी, बंगलूरू

क्या है आर्कियोलॉजी? किस कोर्स के बाद मिलेगी हाई सैलरी

अगर आप इतिहास से लगाव रखते हैं और आप रोमांच के साथ रहस्य से पर्द उठाना चाहते हैं। साथ ही आपमें ऐतिहासिक चीजों को जानने और उनके बारे में तरह-तरह की जानकारियां पता करने की इच्छा है तो आप आर्कियोलॉजिस्ट के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। इतिहास और भूगोल के रहस्यों से पटे भारत में इसके अच्छे

हड़प्पा सभ्यता के बाद से भारत में ऐतिहासिक खोज न के बराबर हुई है और फिलहाल इतिहास संबंधित खोज को लेकर एक बड़ा वैक्यूम यहां बना हुआ है, जो बड़े आइडियाज और क्रिएटिविटी का इंतजार कर रहा है। इसके साथ ही दुनियाभर में शोध के लिए आर्कियोलॉजी के विद्यार्थियों की मांग है।

क्या है आर्कियोलॉजी

पृथ्वी पर छपी पुरानी सभ्यता और संस्कृति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन करना व उनकी खोज करना आर्कियोलॉजी कहलाता है। आर्कियोलॉजी में उस इतिहास के बारे में यह जानने की कोशिश की जाती है कि पुरानी सभ्यताओं में लोगों का रहन- सहन कैसा था। किस तरह की वस्तुओं का वो इस्तेमाल करते थे। अनुमानों

लेकर तत्कालीन समाज और परिवेश के आकलन का काम भी एक आर्कियोलॉजिस्ट को करना होता है। साथ ही वह कार्बन डेटिंग और समय गणना का काम भी करता है। सभी तरह के ऐतिहासिक वस्तु या सभ्यता के वर्तमान से जुड़ाव और विकास के क्रम को निर्धारित करने की जिम्मेदारी भी एक आर्कियोलॉजिस्ट की होती है।

किस तरह का होता है कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको 12वीं की परीक्षा इतिहास विषय के साथ पास करनी होगी। इसके बाद आप आर्कियोलॉजी में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर और पीएचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश के लिए अलग-अलग योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। इससे जुड़े कोर्स देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों से किए जा सकते हैं। मास्टर इन कंजर्वेशनए प्रिजरवेशन एंड हेरिटेज मैनेजमेंट और मास्टर इन आर्कियोलॉजी एंड हेरिटेज मैनेजमेंट जैसे कोर्स इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीढ़ी हो सकते हैं। इसके अलावा आप हिस्टॉरिकल आर्कियोलॉजी, जिओ आर्कियोलॉजी, आर्कियोबॉटनी, क्रॉनोलॉजिकल, एथनोआर्कियोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल ऑर्कियोलॉजी, आर्कियोमेट्री जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

एक बेहतरीन आर्कियोलॉजिस्ट अथवा म्यूजियम प्रोफेशनल बनने के लिए प्लीस्टोसीन पीरियड अथवा क्लासिकल लैंग्वेजए मसलन पाली, अपभ्रंश, संस्कृत, अरेबियन भाषाओं में से किसी की जानकारी आपको कामयाबी की राह पर आगे ले जा सकती है। आर्कियोलॉजी न केवल दिलचस्प विषय है बल्कि इसमें कार्य करने वाले प्रोफशनल्स के लिए चुनौतियों में भरा क्षेत्र भी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी विश्लेषणात्मक क्षमताए तार्किक सोचए कार्य के प्रति समर्पण जैसे महत्वपूर्ण गुण जरूर होने चाहिए। कला की समझ और उसकी पहचान भी आपको औरों से बेहतर बनाने में मदद करेगा।

यहां से कर सकते है कोर्स

- आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट
- कर्नाटक स्टेट यूनिवर्सिटी

जॉब ऑप्शन क्या हैं

आर्कियोलॉजी में कोर्स पूरा करने के बाद आपको जॉब के कई ऑप्शन मिलेंगे। जिनमें मुख्य रूप से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली, राज्यों में स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, विभिन्न संग्रहालय, एनजीओ और यूनिवर्सिटी, विदेश मंत्रालय का हिस्टोरिकल विभाग, शिक्षा मंत्रालय, पर्यटन विभाग, इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च आदि।

सैलरी व संभावनाएं

यह ऐक ऐसा क्षेत्र है जहां पर आपको रोमांच और रहस्य के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। अगर आपने किसी प्राइवेट सेक्टर में जाना चाहते हैं तो आप 30 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह की जॉब आसानी से पा सकते हैं, जो अनुभव व आपकी खोज के साथ

जॉब प्रोफाइल के हिसाब से लाखों रूपये की सैलरी पा सकते हैं।

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में करियर बनाना है बेहद आसान

इंश्योरेंस इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो पिछले कुछ सालों से लगातार तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके चलते एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी बढ़ गया है। अगर आप भी इंश्योरेंस सेक्टर में करियर बनाने का सोच रहे हैं तो यह समय काफी अच्छा है, खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हेल्थ सेक्टर में बूस्ट आया है। आज के समय लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास पॉलिसी हैं। जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं।

एजुकेशन

इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रेजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टेटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना आवश्यक है जबकि पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स-स्टेटिस्टिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स सब्जेक्ट से स्नातक जरूरी है। स्टूडेंट्स, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मेंबर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं। एक्चुरी प्रोफेशनल बनने के लिए स्टूडेंट्स को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फेलो मेंबर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

इंश्योरेंस का कार्य क्षेत्र

इसके लिए मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मेथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनेंस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। एक्चुरियल प्रोफेशनल्स यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कंपनी को पेंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफेशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स को इंश्योरेंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

स्किल व एलिजिबिलिटी

इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए खुद को अपडेट रखना जरूरी है। खुद में लोगों की परेशानी को समझने, नई तकनीक सीखने में हिचकिचाहट न होने, कम्युनिकेशन के साथ मैथ और स्टेटिस्टिक्स पर पकड़ मजबूत रखने जैसे स्किल का होना जरूरी है। अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एंड असिस्टेंटए डेवलपमेंट ऑफिसरए इंश्योरेंस एजेंटए इंश्योरेंस सर्वेयरए एक्चुरी मैनेजरए रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

जॉब्स के अवसर

अगर आपके पास एक्चुरियल साइंस की डिग्री है तो आपके लिए इन दिनों नौकरियों के लिए कई रास्ते खुल गए हैं। इंश्योरेंस, बैंकिंग, बीपीओ-केपीओ, आईटी सेक्टर, मल्टीनेशनल कंपनियों, फाइनेंशियल कंपनियों आदि में इनके लिए अच्छे मौके होते हैं। दूसरी तरफ, बीपीओ कंपनी में भी जोखिम के बारे में विश्लेषण करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की हायरिंग होती है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुरी प्रोफेशनल्स की सैलरी भी आम बीपीओ एंप्लॉइज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक होती है।

भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। वहीं एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड सरकारी और प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों में ही नहीं, बल्कि टेरिफ एडवाइजरी कमिटी, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, सोशल सिक्योरिटी स्कीम, फाइनेंशियल एनालिसिस फर्म में भी है।

सैलेरी

इस क्षेत्र में आप फ्रेशर के तौर पर प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये तक आसानी से पा सकते हैं। वहीं अनुभव व समय के साथ किसी उच्च पद पर पहुंचने पर आप 1 लाख रुपये का मासिक वेतनमान भी ले सकते हैं। यदि आपने किसी टॉप कॉलेज से एमबीए इन इंश्योरेंस किया है तो आप अपनी फर्स्ट जॉब में ही ज्यादा बेहतर वेतनमान की अपेक्षा कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय
एकेडमी ऑफ इंश्योरेंस मैनेजमेंट, दिल्ली
बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, दिल्ल
इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे
एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस एंड एक्चुरियल साइंस, नोएडा

राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सर्वांगीण नेतृत्व

संविधान निर्माता भारतरत्न डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर ने संविधान लिखकर देश को नई दिशा और राह दिखाई। उस महान व्यक्ति को तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व ने केंद्र में मंत्री का पद तक नहीं मिलने दिया। इसके विपरीत आंबेडकर द्वारा लिखित संविधान में अपनी सुविधा के अनुसार परिवर्तन कर उसका प्रयोग किया। आजादी के बाद के दौर में गवई, प्रकाश आंबेडकर की तरह आंबेडकर की विचारधारा के नौ प्रमुख नेता चुनाव जीतकर संसद पहुंचे। हालांकि, उन्हें कभी केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल पाई। लेकिन, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार बनी सरकार में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले को लगातार तीसरी बार जगह मिली है। अठावले एकमात्र ऐसे नेता हैं, जो अपने विचारों और व्यापक नेतृत्व को महाराष्ट्र के साथ-साथ देश के कोने-कोने तक फैला रहे हैं। इसके जरिए देश ही नहीं विदेश में भी सवर्ण-दलित एकता कायम की जा रही है। इसके जरिए रामदास अठावले को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वसमावेशी शिव शक्ति-भीम शक्ति का झंडा लेकर चलने वाले अग्रणी नेता के तौर पर देखा जा रहा है। कांग्रेस शासनकाल में देश को भारी नुकसान उठाना पडा। कांग्रेस ने कई वर्षों तक बहुजन समाज का शोषण किया। कांग्रेस ने हमेशा बहुजन समाज का इस्तेमाल सिर्फ अपने लाभ के लिए किया। लेकिन, उन्हें कभी सही मायने में आगे नहीं आने दिया गया, उन्हें कभी राजनीति में आगे नहीं बढ़ने दिया गया। कांग्रेस ने कई बार बाबा साहेब का अपमान किया। इसी तरह रामदास अठावले को शिरडी सीट से हटाने के लिए भी पर्दे के पीछे से कई साजिशें रची गईं। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस का अहंकार खत्म कर रहे हैं। उनके कुशल नेतृत्व में देश में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनी है। राजनीति में विश्वसनीयता और उपयोगिता दो कसौटी हैं। इन दोनों टेस्ट में रामदास अठावले की कप्तानी की परीक्षा हुई। इसलिए रामदास अठावले जैसे बहुजन, गणतांत्रिक विचार के नेता को तीसरी बार मंत्रिमंडल में जगह देकर उनका विधिवत सम्मान किया गया है। अठावले ने हमेशा अपने मंत्री पद का उपयोग समाज के लिए किया। साथ ही अपने पास आने वाले सभी वर्गों के लोगों के साथ न्याय करने का प्रयास किया। हालिया लोकसभा चुनाव में देश में एनडीए और इंडी गठबंधन के बीच मुकाबला था। वहीं महाराष्ट्र में महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच मुकाबला था। इस राजनीति में बड़े पैमाने पर दलबदल हुआ। सुबह एक नेता के दूसरी पार्टी में होने और शाम को दूसरी पार्टी में होने की चर्चा होती रही। ऐसे समय में कांग्रेस और इंडी की सहयोगी पार्टियों की ओर से भाजपा और मोदी जी के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया गया। इसमें कांग्रेस द्वारा भाजपा और मोदी के खिलाफ गलत बातें फैलाई जा रही थीं, जिसमें कहा गया था कि अगर भाजपा और मोदी दोबारा सत्ता में वापस आए तो वे संविधान बदल देंगे, जिससे लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। लेकिन, ऐसे हालात में भी रामदास अठावले एनडीए, मोदी के साथ बने रहे और देश भर में हुईं बैठकों में विपक्ष द्वारा फैलाया भ्रम दूर करने में अहम भूमिका निभाई। आजादी के बाद के दौर में प्रस्थापित पार्टियां देश के कोने-कोने तक नहीं पहुंच सकीं, वहीं रामदास अठावले के नेतृत्व वाली रिपब्लिकन पार्टी की शाखाएं सिक्किम, दीव-दमन, अंडमान-निकोबार, पांडिचेरी आदि स्थानों में हैं। पिछले 70 वर्षों में आंबेडकर के विचारों का एक भी नेता पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में भीम शक्ति के विचारों को नहीं पहुंचा सका। नागालैंड जैसे सुदूर राज्य में रिपब्लिकन पार्टी के दो विधायक अपने दम पर चुने गए हैं। स्थानीय भाषा न जानने के बावजूद अठावले ने भीम शक्ति के विचारों को मन में जगाया और अब नागालैंड, मणिपुर आदि राज्यों में कई लोग नीला झंडा लेकर घूम रहे हैं। विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में इसकी सफलता के कारण ही आरआईपी को चुनाव आयोग द्वारा क्षेत्रीय पार्टी के रूप में मान्यता दी गई है। यह इस बात का संकेत है कि रामदास अठावले के नेतृत्व का प्रभाव राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रहा है। बाबा साहेब आंबेडकर के बेटे यशवंत उर्फ भैया साहेब आंबेडकर को राजनीति में ज्यादा सफलता नहीं मिल पाई। भारिप नेता प्रकाश आंबेडकर रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हो गए। इसमें विफल होने और इससे हुई बदनामी के चलते उन्होंने वंचित बहुजन अघाड़ी के जरिये बहुजन राजनीति करना शुरू कर दिया। इसी तरह से मायावती का नेतृत्व आया, लेकिन वह लंबे अंतराल तक नहीं चल पाया। राम विलास पासवान के निधन के बाद उनके बेटे ने राजनीतिक विरासत संभाली। लेकिन, चिराग पासवान की राजनीति अलग है। तो प्रकाश आंबेडकर, मायावती, पासवान भी राष्ट्रीय मंच पर सीमित दायरा लांघ कर राष्ट्रीय नेता नहीं बन पाए। इन नेताओं की तुलना में रामदास अठावले एक व्यापक नेता बनकर बहुजन समाज को आगे ले जा रहे हैं। कई वर्षों से सभी आंबेडकर प्रेमी मांग कर रहे हैं कि बाबा साहेब का एक भव्य स्मारक बनाया जाए। इसके लिए लाखों आंबेडकर प्रेमी मुंबई (महाराष्ट्र) चैत्यभूमि के पास दर्शन करने आते हैं। एक प्रस्ताव सामने आया कि यह स्मारक इंदु मिल क्षेत्र में उसी स्थान पर बनाया जाए। इसके लिए पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भी प्रयास किए गए। लेकिन, कांग्रेस की अगुवाई वाली केंद्र और राज्य सरकारों ने कभी भी इस स्मारक के लिए आवश्यक पहल नहीं की। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने आंबेडकर के अनुयायियों को धोखा दिया।

आर्थिक प्रगति हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में निहित

ANALYSIS

प्रहलाद सबनानी

समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी। भारत के नागरिकों में आज स्व के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे भारत के हित सर्वोपरि हैं की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अतः समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हतोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी।

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता हुआ दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी। भारत के नागरिकों में आज स्व के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे भारत के हित सर्वोपरि हैं की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अतः समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हतोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी। भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के कालखंड में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के कालखंड को छोड़कर) पूरे विश्व में एक आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है और इसे सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है। वर्ष 712 ईसवी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था। परंतु, वर्ष 1750 ईसवी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा बल्कि भारत की संस्कृति पर भी बहुत गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250/300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूटखसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार-प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोर जबरदस्ती एवं मारकाट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। इन्होंने भारतीय नागरिकों के मन में सनातन हिंदू संस्कृति के प्रति घृणा पैदा की एवं अपनी पश्चिमी सभ्यता से ओतप्रोत संस्कृति को बेहतर बताया। अंग्रेज भारतीय नागरिकों के मन में ऐसा भाव पैदा करने में सफल रहे कि पश्चिम से चला कोई भी विचार भारतीय सनातन संस्कृति के विचार से बेहतर है। जबकि आज इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं कि पश्चिम द्वारा किए गए लगभग समस्त आविष्कारों के मूल में भारतीय सनातन संस्कृति की ही छाप दिखाई देती है और उन्होंने यह विचार भारतीय वेद, पुराण एवं उपनिषदों से ही लिए गए प्रतीत होते हैं। कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज एक बार पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले हिंदू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न-भिन्न किया जाय। आज भारत में एक ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा है कि देश में हिंदू हैं ही नहीं बल्कि सिक्ख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि आदि। देश में जातियों के आधार पर जनसंख्या की मांग की जा रही है ताकि देश में प्रदान की जाने वाली समस्त सुविधाओं को हिंदू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके। जिससे अंततः देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को एक बार पुनः गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा-फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राचीन भारत में वनवासी थे, ग्रामवासी थे, नगरवासी थे, इस प्रकार त्रिस्तरीय समाज था। भारतीय समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ था ही नहीं। यह अंग्रेजों का षड्यंत्र था कि भारत में उन्होंने समाज को बांटो और राज करो की नीति अपनाई थी। अन्यथा हिंदू समाज तो भारत में सदैव से एकात्म भाव से रहता आया है। किसी भी देश में क्रांति सत्ता से नहीं आती है बल्कि समाज द्वारा ही क्रांति की जाती है। जिस प्रकार का समाज होगा उसी प्रकार की सत्ता भी देश में स्थापित होगी। अतः किसी भी देश को विकास की राह पर जाने से रोकने के लिए उस देश की संस्कृति को ही समाप्त कर दो। ऐसा प्रयास आज पुनः विदेशी ताकतों द्वारा भारत में किया जा रहा है। परंतु, अब एक बार पुनः भारत एक ऐसे कालखंड में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है जिसमें आगे आने वाले समय में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती हुई दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप से प्रभावित करने के लिए कई प्रकार की बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परंतु, देश में निवासरत लगभग 80 प्रतिशत आबादी हिंदू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिंदू समाज में व्याप्त लगभग समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देश प्रेम का भाव, स्व-समर्पण का भाव कूट-कूट कर भरा है। इसी कारण से यह कहा भी जाता है कि केवल हिंदू जीवन दर्शन ही आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है। भारतीय जीवन प्रणाली अपने आप में सर्व समावेशक है। हिंदू सनातन धर्म का अनुपालन करने वाले नागरिक पशु, पक्षी, वनस्पति, पहाड़, नदियों आदि में भी ईश तत्त्व का वास मानते हैं और उनकी पूजा भी करते हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में पला बढ़ा नागरिक अपने विचारों में सहिष्णु होता है तथा सभी जीवों में प्रभु का वास देखता है इसलिए वह हिंसा में बिल्कुल विश्वास नहीं करता है।

आजादी की क्रांति में हरियाणा

इतिहास उठाकर देखिए, हरियाणा का हर जर्रा खून से भीगा दिखाई देगा। आजादी की जंग जीतने में जहां देश के जवानों ने कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं अंग्रेजों ने भी क्रूरता की हद पार कर दी थी। स्वतंत्रता आंदोलन की आग में पूरा हरियाणा जल उठा था। बात 1857 की है, जब प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन में आजादी के दीवाने जंग में कूद पड़े। उस दौरान हरियाणा से 3000 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। अंग्रेजों ने कुछ को पकड़ कर फांसी पर लटका दिया तो कुछ को गोली से उड़ा दिया। इस पर भी बस नहीं चला तो कई गांवों को जलाकर राख कर दिया गया। हरियाणा का यह भूभाग उस समय पंजाब प्रांत का भाग था। क्रांतिकारी सिपाही मंगल पाण्डेय के नेतृत्व में 10 मई 1857 को प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन की शुरूआत की गई थी। इस दौरान 13 मई को जब गुड़गांव और अन्य जिलों में भी यह आग भड़की तो हरियाणा से बहुत से वीर इसमें शामिल हो लिए। इनमें कई वीरों ने अपनी जान गवांई। हरियाणा गर्व करता है कि देश की आजादी की क्रांति में उसका एक स्थान है। भारतीय इतिहास महाभारत से जुड़ा है जिसे अब हरियाणा कुरुक्षेत्र भूमि कहा जाता है। जहां सही और गलत के बीच सबसे बड़ी लड़ाई हुई। यह दिलचस्प है कि हरियाणा कई युद्ध दृश्यों के लिए एक युद्ध का मैदान रहा है। हरियाणा का गठन 1966 में हुआ था। यह पहले पंजाब का हिस्सा था और इसलिए स्वतंत्रता के लिए स्वतंत्रता संग्राम में पंजाब का बहुत उल्लेख है, लेकिन लोगों के बलिदान के मामले में हरियाणा के योगदान के रूप में बहुत कम जाना जाता है। हरियाणा में ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह की पहली चिंगारी 10 मई 1857 को अंबाला से शुरू हुई थी, यहीं पर देशी पैदल सेना के सैनिकों विद्रोह शुरू किया था। उसी दिन मेरठ स्थित देशी पैदल सेना में इसी तरह का विद्रोह किया, यह घटना तेजी से सभी भागों में फैल गई। किसान सैनिक और स्थानीय नेता पिनगवां के मेव सदरुद्दीन स्थानीय नेताओं जैसे राव तुलाराम और उनके चचेरे भाई गोपाल देव के नेतृत्व में एक साथ आए थे। जल्द ही समद खान, जनरल मोहम्मद अजीम बेग, राव किशन सिंह राव, रामलाल सभी मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह में शामिल हो गए। साधारण, स्थानीय सैनिक और हरियाणा के स्थानीय नेता इस विद्रोह के लिए आगे आये थे, जबकि पड़ोसी क्षेत्रों के नेताओं ने इस महत्वपूर्ण समय के दौरान ब्रिटिश राज के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। हरियाणा के अन्य हिस्सों की तरह, रोहतक में भी ब्रिटिश राज के सभी प्रतीकों पर हमला किया और खरखोदा के एक बिसरत अली जो अंग्रेजों में एक रिसालदार थे; सबर खान के साथ एक किसान नेता, स्थानीय लोग सभी एक साथ आए और रोहतक तहसील में ब्रिटिश संपत्ति और निवास पर हमला किया। रोहतक के डिप्टी कमिश्नर विलियम लॉज को रोहतक छोड़ना पड़ा लेकिन तहसीलदार बखावर सिंह और थानेदार भूरे खान के काम की मौत हो गई। अंत में 15 अगस्त 1857 को मेजर जनरल विल्सन द्वारा समर्थित लेफ्टिनेंट डब्ल्यूएसआर एडसन अपनी सेना के साथ खखोड़ा पहुंचे और संघर्ष में बिसरथ अली मारे गए। फिर वे रोहतक जिले में सबर खान को दबाने पहुंचे जो वहां विद्रोह का नेतृत्व कर रहे थे। सबर खान और रोहतक के स्थानीय किसानों के पास सीमित संसाधन थे, अंततः रोहतक में वो हार गए, जबकि इसी दौरान हिसार, हांसी और सिरसा के स्थानीय लोगों ने हुकुमचंद जैन, भतीजा फकीरचंद जैन ,मोहम्मद अजीम ,नूर मोहम्मद सभी ने मिलकर 29 मई 1857 को विद्रोह का नेतृत्व किया, उन्होंने हिसार के डिप्टी कमिश्नर सहित 12 यूरोपीय लोगों को मार डाला। इसमें हिसार के डिप्टी कमिश्नर जॉन वेडरबर्न अपनी पत्नी और बच्चे के साथ मारे गए। ब्रिटिश राज के खिलाफ विद्रोह के दौरान अंबाला, जींद के अलावा हरियाणा के अधिकांश शेष क्षेत्रों में अंग्रेजों को राजस्व देना बंद कर दिया। हालांकि 16 नवंबर तक यहाँ विद्रोह समाप्त हो गया और अंग्रेजों ने खुद को मजबूत किया। 10 अप्रैल 1875 के बाद हरियाणा में आर्य समाज जड़ें जमाने लगा, स्वामी दयानंद ने मुंबई में आर्य समाज की शुरूआत की। आर्य समाज ने मूर्ति पूजा के खिलाफ आवाज उठाई। विधवा विवाह, अस्पृश्यता और स्त्री शिक्षा पर जोर दिया। आर्य समाज को हरियाणा के लोगों से ऐसे क्षण में बहुत समर्थन मिला। जो न केवल मधुर जागरण था बल्कि राष्ट्रीय विचार को भी जन्म देता था। इसका ब्रिटिश राज के खिलाफ बाद के उदय में एक बड़ा प्रभाव पड़ा। लाला लाजपत राय ने हरियाणा में सार्वजनिक जीवन की शुरूआत की। उनके पिता ने रोहतक में स्कूल बनवाया और लाला लाजपत राय ने आर्य समाज को एक प्रमुख तरीके से बढ़ावा दिया। कई अन्य प्रमुख नाम थे जिन्होंने योगदान दिया जैसे चौधरी मातूराम और उसके पुत्र चौधरी रणवीर सिंह। हरियाणा में 1886 में झज्जर में सनातन धर्म सभा दीन दयालू शर्मा द्वारा शुरू किया गया। संस्कृत के उपयोग को बढ़ावा दिया और हिंदी भाषा की शिक्षा को बनाए रखा। इस आंदोलन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण नाम स्वामी श्रद्धानंद चौधरी, माथुराम, भगत फूल सिंह, भीम सिंह थे। जो विभिन्न सामाजिक बुराइयों के खिलाफ थे। हरियाणा में सामाजिक मूल्यों के विकास में सनातन धर्म ने अहम योगदान दिया। 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म एलेन ऑक्टेविय एक ब्रिटिश सिविल सेवक के प्रयासों से हुआ। मगर वो शिक्षित भारतीयों और आम आदमी दोनों के साथ अपनी संस्था में नहीं बढ़ रहा था। प्रथम विश्व युद्ध के साथ अंग्रेजों ने समर्थन के लिए स्थानीय भारतीयों की ओर रुख किया और भारत ने ब्रिटिश साम्राज्य की ओर से युद्ध के लिए हामी भर दी। हरियाणा फिर से इस मामले में पहले स्थान पर था।

Social Media Corner

सच के हक में...

रेल पटरी से उतर रही है और साथ ही हमारी उम्मीदें भी। क्या रेलवे वाकई किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है? बीते कुछ साल में रेल मंत्रालय की दुर्घटनाओं के प्रति निष्क्रियता और घटिया क्वालिटी के रेल पटरियों का उपयोग के कारण ही इतनी घटनाएं हो रही हैं। अब समय है कि हम आवाज उठाएं और सुरक्षित रेल यात्रा की मांग करें।

(कल्पना सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

ये है हेमंत सरकार का युवा विरोधी चेहरा, ये है हेमंत के कर्मचारी चयन आयोग का खेल! चतरा जिला के दिव्यांग युवा अनिल दांगी जी ने शिक्षक भर्ती की परीक्षा उत्तीर्ण की थी लेकिन जेएसएससी ने डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए सूचित ही नहीं किया। अब दिव्यांग अनिल दांगी जी दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। आखिर एक बोलने-सुनने वाले युवक को मूक-बधीर श्रेणी में पीजीटी शिक्षक की नौकरी देने का कुचक्र रचने वाली जेएसएससी एक वास्तविक दिव्यांग युवा की नौकरी क्यों खत्म कर रही है? क्या हेमंत सरकार ने दिव्यांग कोटा वाली आरक्षित सीट को भी बेच दिया है?

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

बांग्लादेश से मिल रहे संकेत खतरनाक

पड़ोसी देश बांग्लादेश से जो संकेत मिल रहे हैं, वे बता रहे हैं कि अब वहां कट्टरपंथियों और भारत-विरोधी ताकतों का वर्चस्व होगा। आतंकवाद बढ़ेगा। बांग्लादेश में भी तालिबान सक्रिय होंगे। अभी तो वहां के प्रधानमंत्री आवास को आम जनता के लिए इस कदर खोल रखा गया है मानो कोई मेला लगा हो! कुछ युवा चेहरों की अश्लील, असभ्य, विद्रूप मानसिकता सार्वजनिक हुई है, जब उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अंतर्वस्त्र सरेआम लहराए हैं। ऐसे युवा कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन आंदोलनकारी छात्र नहीं हो सकते। वे बेशर्म जमात भी हो सकते हैं, लेकिन अपने ही मुल्क का अपमान कर रहे हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी दोनों ही कट्टरवादी दल हैं और पाकपरस्त भी। अंतरिम सरकार बनने से पहले ही दोनों दलों के करीब 9000 कार्यकताओं को जेलों से रिहा कर दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और उनके पुत्र तारिक रहमान की सरपरस्ती में इन दलों ने आम जनसभा को संबोधित भी किया है। तारिक हत्या के तीन मामलों में उम्रकैद के सजायाफ्ता हैं, लेकिन वह लंदन में स्व-निर्वासन में थे। अभी ढाका लौट कर आए हैं, तो अदालतें फिलहाल खामोश और निष्क्रिय हैं। प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार में मंत्री रहे 10 और अन्य बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। संकेत हैं कि बीएनपी और जमात के साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने ह्यसौदेबाजीह्ल की है कि शेख मुजीब की सियासी विरासत की प्रतीक ह्यअवामी लीगह्ल पार्टी का नामोनिशां ही मिटा दिया जाए, ताकि 1971 की बगावत की मुकम्मल सजा दी जा सके। हसीना के बांग्लादेश छोड़ कर चले जाने के साथ ही शेख मुजीब की सियासी विरासत तो समाप्त सी हो गई। पाकिस्तानी फौज गदगद है और लड्डू खा रही है। ऐसी सूचनाएं भी हैं कि आईएसआई लंदन में तारिक रहमान और जमात के नेतृत्व के साथ 2018 से ही ह्यतख्तापलटह्ल की साजिश रच रही थी, लेकिन अभी तक नाकाम रही थी। मौजूदा आंदोलन का आवरण छात्रों का था, लेकिन उनकी आड़ में जमात और बीएनपी कार्यकताओं ने ही आंदोलन को तख्तापलट का रूप दिया था। जमात का छात्र संगठन ही आंदोलन और बगावत के पीछे सक्रिय था। बेशक शेख हसीना को मुल्क छोड़े तीन दिन गुजर चुके हैं, लेकिन बांग्लादेश के हालात अब भी सामान्य नहीं हुए हैं। करीब 125 लोग बीते एक दिन में मारे गए हैं। कुल मौतों की संख्या 450 से अधिक हो गई है। चूंकि प्रधानमंत्री के तौर पर हसीना भारत-समर्थक थीं। दोनों देशों ने कई साझा परियोजनाएं शुरू कीं और पुराने विवादों को भी खत्म किया। अब अंतरिम सरकार के दौर में कट्टरपंथी और भारत-विरोधी ताकतें ऐलानिया कह रही हैं कि उन परियोजनाओं की जांच और समीक्षा की जाएगी। बांग्लादेश के एक तबके का भारत-विरोध इससे स्पष्ट होता है कि बीते तीन दिनों में ही 30 हिंदू मंदिर तोड़ दिए गए। उनमें आस्था की देव-मूर्तियों को भी खंडित कर ध्वस्त किया गया। मंदिरों में आग लगा दी गई। हिंदुओं के 300 से अधिक घर और उनकी दुकानें तोड़ी गईं और आगजनी की गई। बीते कुछ सालों के दौरान करीब 3600 हिंदू मंदिरों को तोड़ा जा चुका है और उन्हें आग के हवाले किया जाता रहा है। सवाल यह है कि क्या बांग्लादेश हिंदू-विरोधी भी हो रहा है? बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी अब मात्र 7.9 प्रतिशत है, जबकि 1971 में देश-निर्माण के वक्त यह आबादी करीब 23 प्रतिशत थी। बेशक, यहाँ हिंदू अल्पसंख्यक हैं। क्या मोदी सरकार प्रभावी हस्तक्षेप करेगी? बीएनपी की सरकार पहले भी बांग्लादेश में रही है। जमात भी भारत का विरोध करती रही है। जमात तो 1971 में भी पाकिस्तानपरस्त था और बांग्लादेश बनाने के अभियान के खिलाफ था।

राजमार्ग पार्किंग नहीं

दिल्ली की शंभू सीमा पर किसानों के निरंतर धरना-प्रदर्शन से लगे जाम को हटाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता स्वागत योग्य है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने उचित ही टिप्पणी की है कि राजमार्ग ट्रैक्टर, ट्रॉली आदि के लिए पार्किंग की जगह नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने हरियाणा व पंजाब पुलिस, दोनों के प्रमुखों को शंभू सीमा को आंशिक रूप से फिर से खोलने की कोशिश के निर्देश दिए हैं। इस सीमा पर आंदोलित किसान 13 फरवरी से ही डेरा डाले हुए हैं। सीमा के बंद होने से लोगों को बहुत परेशानी हो रही है और सीमा खुलवाने की राज्य सरकारों को कोई जल्दी नहीं है। पहले भी जब किसान आंदोलन हुआ था, तब किसान महीनों तक सीमा पर बैठे रहे थे और लोगों को बहुत परेशानी हुई थी। अब फिर किसानों को सीमा पर बैठे छह महीने होने को आए, पर स्थानीय प्रशासन किसानों को समझाने में नाकाम है। यहां यह ध्यान रखना चाहिए कि अमरिंदर सिंह सरकार के समय से ही पंजाब में चल रहे आंदोलन को दिल्ली भेजा गया था। क्या अब इसमें पंजाब सरकार की कोई भूमिका नहीं है? आज अगर सर्वोच्च न्यायालय में यह बात उठी है कि पंजाब सरकार को आगे आकर किसानों को मनाना चाहिए, तो स्वाभाविक है। क्या इस तथ्य को भुलाया जा सकता है कि किसान आंदोलन में किस राज्य की भागीदारी ज्यादा है और किन राज्यों के किसान प्रतिनिधि इस आंदोलन में शामिल नहीं हैं। इसमें कोई शक नहीं कि आज के किसान आंदोलनकारी विवश या कमजोर नहीं हैं, मजबूत हैं, तभी तो सरकार उन्हें सीमा या राजमार्ग पर बैठकर अपनी बात रखने का मौका दे रही है। एक समय था, जब किसानों के विरुद्ध बल प्रयोग होता था। आज बल की नहीं, संवाद की जरूरत है। शासन को बहुत ईमानदारी के साथ संवाद करना चाहिए। इलाज टालने से बीमारी में इजाफा होता है। यह समझने में जिसे दिक्कत हो रही है, उसे युद्ध स्तर पर समझाने की जरूरत है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

All on 'account' of cash in rural bank branch

A job in a rural branch of a bank offered a variety of interesting experiences. It was a privilege for me to reside in a village amidst simple, earnest and affectionate people during the early 1980s. Joining straight after college, a couple of months before the completion of my post-graduation degree, I felt secure and comfortable. Some of the situations that I encountered were quite amusing and they taught me a lot about human nature.

I was the lone clerical staff member in that branch; the branch manager was the sole supervisory officer. The presence of both of us was necessary to run the branch. The manager used to send me, along with the subordinate staff, for remitting excess cash or receiving the required cash from a bigger branch after finishing the day's work in the afternoon.Once, when the cash box was being taken out of the branch, a local customer got suspicious and felt disturbed. He went on to question the manager as to how the hard-earned money deposited by the public was being 'irresponsibly' shifted elsewhere. The manager had to take pains to convince him that the public sector bank truly owed back the liability and would not default on payment to any customer.

On another occasion, an unscheduled payment ofRs 25,000 was to be made to a customer around 11 am. Unfortunately, our opening cash balance was much below that, and more deposits were unlikely to be made in our branch that day. I suggested that the manager himself go to secure cash from the branch situated about 9 km away. He thought of a short cut. He called up a current

account holder, a wealthy textile merchant, and asked him if he could spare Rs 25,000 for the bank's urgent need. His idea was to make him deposit the amount in his account and the cash received thereby could be used to clear the payment pending at my counter.

The customer was kind enough to agree, and his son turned up within five minutes in front of me, not with the cash, but with a cheque signed by his father! I asked him why he had brought the cheque. Pat came the reply from the young son of the valued customer: 'My father has told me that the bank can take the required amount from his account.' The shocked manager thanked him with folded hands, and he left.

We realised that the innocent customer had misunderstood our communication. After having a hearty laugh, the manager hurriedly left along with the subordinate staff to get the cash from the nearby branch. And our requirement had now gone up due to the cheque that was staring us in the face.

Strategic outcomes of 1971 war must not be jettisoned

Ousted Bangladesh PM Hasina's 'forward-looking vision' needs to be 'tied down' by India so that the genie of religion-based politics does not derail bilateral ties.

DO the recent events in Bangladesh require the jettisoning of the strategic outcomes of the December 1971 war that led to the emergence of an independent nation? What are India's broader strategic incentives in the light of these changes? At least four major strategic outcomes of the war remain relevant for India at a time when international relations are in a period of unpredictable churn.

First, the war proved the hollowness of the two-nation theory on the basis of which the British government partitioned India in August 1947. The war was triggered by the refusal of Pakistan to accept the outcome of its 1970 national elections, which had given the mandate to the Awami League, a political party based on linguistic rather than religious identity. The refusal of the Pakistan army to accept the swearing-in of Sheikh Mujibur Rahman, the Muslim leader of the Awami League, as the Prime Minister of Pakistan, led to the political dismemberment of Pakistan through the war.The strategic outcome for India's interests in independent Bangladesh that emerged from East Pakistan has been acknowledged. The dramatic transformation of the India-Bangladesh bilateral relationship is credited to the 'forward-looking vision' of ousted Bangladesh Prime Minister and Awami League leader Sheikh Hasina. It is this vision that needs to be 'tied down' by India now to ensure that the genie of religion-based politics or terror does not derail India-Bangladesh relations. India has assiduously built up a range of interlocutors in Bangladesh, particularly during the past 15 years that Hasina was in power, to calibrate this effort in a coherent manner.Second, the war proved that India could act to intervene militarily in the former East Pakistan to create "conditions of stability and wellbeing which are necessary for peaceful and friendly relations" (Article 56 of the UN Charter) between India and Bangladesh. India concluded its armed campaign on December 16, 1971, and withdrew its military forces from Bangladesh by March 12, 1972, illustrating how humanitarian intervention can work in practice in international relations.This strategic outcome has provided the foundation for the sustainable development of India-Bangladesh bilateral relations, particularly in the economic and security spheres. Major outcomes in recent years, apart from frequent high-level political exchanges which have been of mutual benefit to the people of both countries, illustrate this well.

Connectivity projects have made Bangladesh an important strategic partner for India's links with its north-eastern states through Bangladesh. This has had an impact on India's Act East Policy as well. About $8 billion in three lines of credit have been extended by India to Bangladesh in recent years for specific connectivity projects. These include the construction of the Akhaura-Agartala rail link, the dredging of inland waterways in Bangladesh and the construction of an India-Bangladesh Friendship Pipeline for the carriage of high-speed diesel from India into Bangladesh, which was inaugurated in March 2023. As many as six pre-1965 rail links between India and Bangladesh have been reactivated, while Bangladesh's ports of Chittagong and Mongla have been made available for Indian transit cargo to North-East India.

The India-Bangladesh border, covering 4,095.7 km, is the longest land border that India shares with any of its neighbours. On the midnight of July 31, 2015, India and Bangladesh implemented their historic Land Boundary Agreement to transfer 51 erstwhile Bangladeshi enclaves in India and 111 erstwhile Indian enclaves in Bangladesh to the other country. This laid the groundwork for operationalising appropriate border management systems on both sides, including for border fencing, joint inspection of boundary pillars and joint boundary demarcation, including of riverine boundaries, which impact on security and migration issues.

In July 2014, the Hague-based Permanent Court of Arbitration of the UN Convention on the Law of the Sea (UNCLOS) had awarded Bangladesh an area of 19,467 sq km, four-fifth of the total area of 25,602 sq km disputed maritime boundary with India in the Bay of Bengal. India's swift acceptance of the award provided the impetus for generating mutual trust and confidence with Bangladesh. It also led to the dynamic growth of regional cooperation, with the Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation (BIMSTEC) establishing its Secretariat in Dhaka.

Third, following the unconditional surrender of the Pakistan army on December 16, 1971, to India, strategic conditions were created in South Asia for asserting the primacy of resolving disputes through bilateral treaty-based negotiations. The Simla Agreement, signed in July 1972 as a bilateral treaty, was negotiated and signed by the elected governments of India and Pakistan. It was registered with the United Nations as a legal framework that can be invoked "before any organ of the United Nations" under Article 102 of the UN Charter.

This strategic outcome has served India's interests well. It has ensured that an undemocratic and unreformed UN Security Council has not succeeded in reopening the Kashmir issue after the war. India has prioritised applying bilateral frameworks to address its disputes with its neighbours rather than taking such issues into ineffective multilateral frameworks.

Fourth, the war established India's ability to act invoking the principle of 'strategic autonomy'. India put its national interests above international attempts to dictate terms to India through the UN in December 1971. The most striking illustration of this was the rebuff to the display of a nuclear-armed maritime force by the USS Enterprise in the Bay of Bengal to try and prevent India from achieving its objectives in the war.

At a time when international relations are being increasingly subjected to the dictates of major military powers, including the imposition of unilateral sanctions, 'strategic autonomy' is a strategic outcome of the 1971 war that India has a strong incentive to build upon as it transitions into a major power.

Hindenburg at it again

Market regulator SEBI's credibility at stake

OVER a year and a half after it stirred up a hornet's nest by accusing the Adani Group of pulling off 'the largest con in corporate history', US short-seller Hindenburg Research has trained its guns on the chairperson of SEBI (Securities and Exchange Board of India), Madhabi Buch, and her husband. Flagging conflict of interest, Hindenburg has alleged that the couple had stakes in obscure offshore funds used in the financial scandal. The insinuation is that the country's market regulator, tasked with protecting the interests of investors in securities, took its foot off the probe pedal in view of a presumably commercial relationship between the Buchs and the Adanis.

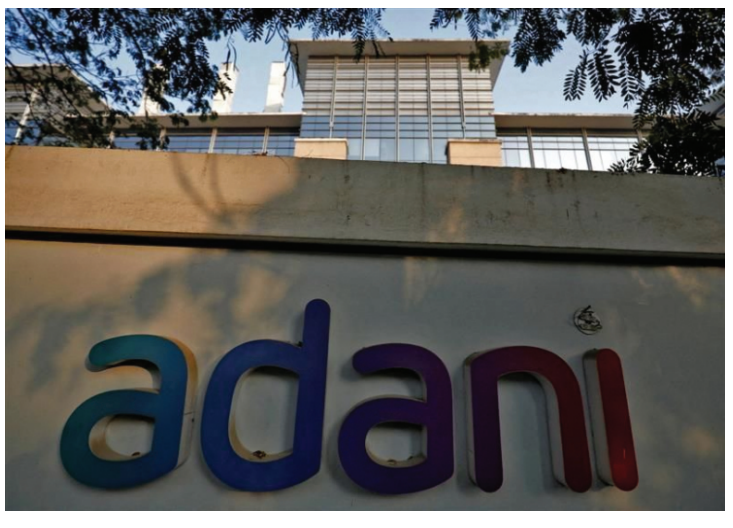

The accusation — trashed by the couple as well as the conglomerate — is provocative as the Supreme Court had in January backed SEBI to the hilt, stating that the latter was conducting a 'comprehensive investigation' into alleged manipulation of stock prices and there was no need to transfer the case to a special investigation team. The faith reposed in SEBI by the apex court had raised eyebrows; after all, had the court trusted the board unquestioningly all along, why would it have set up a separate expert panel to look into regulatory lapses in the wake of Hindenburg's January 2023 report?

At stake here is SEBI's credibility, even as knives are again out in the political arena. The Congress has reiterated its demand for a joint parliamentary committee to investigate the scam in its entirety. Repeatedly accused of going the extra mile for leading corporates, the government needs to do much better than to just allege that the main Opposition party and Hindenburg are in cahoots. Transparency is a must to clear the air; the impression that SEBI is reluctant to complete its probe in all respects ought to be dispelled. Hindenburg might not be completely above board itself, but its claims cannot be conveniently brushed aside; they need to be countered with indisputable facts. The sooner the better, failing which the government's pro-investor push will suffer a big jolt.

Time running out to preserve cultural heritage of Punjab

Cultural heritage forms the bedrock of our collective identity. It connects us to our past, enriches our present and influences our future.

WHY has Punjab not been able to use its cultural heritage to its advantage and boost its economy? Is it because of our disconnect with our heritage or a lack of vision on the part of successive governments?

Punjab's heritage can become a major source of attraction for tourists from all over the world if the right steps are taken at the right time. Several invaders passed through Punjab to reach the rest of India. Many wars were fought on this land. This is the land of the Sikh Gurus, who made sacrifices for the cause of humanity. Regarded as the food bowl of India, the state made a significant contribution to the struggle for Independence and suffered the most during Partition.

The cultural heritage of Punjab is so rich that many of its gems are yet to be studied by scholars and historians. Unfortunately, several heritage structures in the state are in a pathetic state. And if efforts are not initiated immediately to conserve or restore them, they may be irretrievably damaged.In an era marked by rapid technological advancements and globalisation, the preservation of cultural heritage has become both more challenging and more crucial than ever. Cultural heritage — encompassing tangible assets like monuments, artefacts and sites as well as intangible aspects such as traditions and languages — forms the bedrock of our collective identity. It connects us to our past, enriches our present and influences our future. Therefore, it is imperative to adopt contemporary advancements to ensure the preservation of heritage for future generations.Cultural heritage is not just a repository of history but a living embodiment of community values, beliefs and experiences. It fosters a sense of belonging and serves as a source of inspiration. Further, it significantly contributes to economic development through tourism and mass media, enhancing social cohesion and intercultural dialogue.

The integration of contemporary advancements in cultural heritage is not just about adopting new technologies but also promoting interdisciplinary collaboration and inclusive practices. By bringing together experts from various fields, such as archaeology, material science and digital technology, we can develop a holistic approach to preservation.Besides, it is crucial to address ethical considerations to make sure that digital and technological interventions respect the authenticity and significance of cultural heritage. By balancing innovations with traditions, we can create sustainable strategies that honour our past while embracing the future.

The need of the hour is to integrate modern elements thoughtfully into traditional settings. Modern architecture can be designed to complement historical landmarks without overshadowing them. Incorporate modern amenities and infrastructure into historical areas in a way that suits the existing architecture and ambiance. This could be done using traditional building materials or designs in a new construction. Besides, we must preserve and restore our older buildings, which facilitate natural cooling in the horrid heat of the northern plains.

It is imperative to identify and protect key historical sites that represent the legacy of our past. There is a need to restore and maintain them by using modern techniques. Further, we should consider the adaptive reuse of heritage buildings for contemporary purposes, such as museums, cultural centres or boutique hotels. This can breathe new life into historical structures while preserving their heritage

value.e need to have a sense of pride in our culture and heritage. And we should acknowledge the importance of preserving cultural heritage. Traditions, customs, languages and historical sites often embody the identity and values of a community or society. Punjab has the grit to overcome all the challenges and bring about a positive change.Societies evolve, and modernisation often brings progress in terms of technology, infrastructure, healthcare and education facilities. We should embrace these advancements to improve the quality of life and meet the current challenges. Frame policies that balance development goals with heritage preservation. This might take the form of zoning laws, heritage protection regulations and incentives for the adaptive reuse of historical buildings. Implement modernisation projects that are sustainable and environment-friendly. And use green technologies and practices to minimise the impact on heritage sites and their surroundings.Letting local communities have a say in decisions related to the development of these sites will be a step in the right direction. Their inputs can ensure that modernisation efforts are made while taking into consideration our cultural values and traditions. The impact of modernisation on heritage sites and traditions will have to be regularly assessed. Policies and practices must be adjusted to maintain balance. It can help society make sure that modernisation enhances our cultural heritage instead of diminishing it. Notably, the originality of the Jallianwala Bagh got compromised to an extent during the restoration of the memorial three years ago.

The government must come up with an awareness campaign that targets students in schools and colleges. Organising events that celebrate local traditions and culture at educational institutions will not only help preserve our heritage but also encourage tourism and economic development.

By taking these measures, society can navigate the complex interplay between heritage and modernisation, so that both aspects contribute to a vibrant and sustainable future. Maintaining a balance is crucial for preserving cultural identity while progressing with the times.Volunteers of INTACH, working at the state and district levels, possess expertise in preservation and conservation. The government must take full advantage of it.

Preserving our cultural heritage in the face of modern challenges requires a forward-thinking approach that harnesses contemporary advancements. By embracing digital technologies, data analytics, material science and community engagement, we can protect and celebrate our shared heritage. It is our collective responsibility to safeguard the cultural treasures that define us.

RVNL, Dixon, Vodafone Idea among stocks in focus today. Know why

New Delhi Rail Vikas Nigam Ltd (RVNL), Vodafone Idea, Dixon Technologies, Zydus Lifesciences, Prestige Estates, Oracle Financial Services and Oil India are seven stocks in focus today.While shares of RVNL, Dixon Technologies, Oil India and Oracle Financial Services have gained in early trade, the other three are trading in the red.All the above-mentioned stocks have been added to the MSCI India Domestic Index in the latest rebalancing for August.These changes will be effective after the market close on August 30, 2024.

What do analysts say?

Analysts are predicting that this rebalancing could lead to significant passive inflows into these stocks, potentially bringing up to $3 billion into the Indian market.

mong the stocks, Dixon Technologies could see the highest passive inflows, with an estimated $281 million, which would translate to roughly two million shares.

Vodafone Idea is expected to attract $278 million in inflows, equating to around 1,450 million shares. Oil India and Zydus Lifesciences could also see substantial inflows, with estimates of $238 million and $230 million, respectively. RVNL is projected to attract $219 million in inflows.Prestige Estate Projects and Oracle Financial Services are also expected to benefit, with anticipated inflows of $181 million and $170 million, respectively.On the flip side, Bandhan Bank may see outflows of $170 million due to its exclusion from the index.MSCI also announced the inclusion of eight stocks in the MSCI India Domestic Smallcap Index, such as Bosch, PB Fintech, Phoenix Mills, and others, while 27 stocks have been added to the MSCI ACWI Index globally.The largest additions to the MSCI World Index include companies from Switzerland, Denmark, and Sweden, while the MSCI Emerging Markets Index will see new entries from Brazil, China, and the UAE.

GST Council to meet on Sept 9, to start discussion on rate rationalisation

NEW DELHI. The GST Council, chaired by Union Finance Minister Nirmala Sitharaman, will meet on September 9."The 54th Meeting of GST Council will be held on 9th September, 2024 at New Delhi," the Council said in a post on X.The GST Council, comprising finance ministers of Centre and states, is the apex decision making body with regard to Goods and Services Tax (GST), which was rolled out on July 1, 2017.The meeting is expected to start discussion on rate rationalisation, reducing tax slabs, besides removing duty inversion under GST.After the previous Council meeting on June 23, Sitharaman had said the next meeting of the GST Council the Group of Ministers (GoM) on rate rationalisation under Bihar Deputy Chief Minister Sumant Chaudhary, will give a presentation on the status of the work and aspects covered by the panel and work pending before the panel."There will be a presentation by the GoM irrespective of whether the report is draft and then Council will start the discussion on rate rationalisation in the next meeting," Sitharaman had said.

RBI eases capital requirements for housing finance firms by capping risk weights on undisbursed loans

MUMBAI. In a relief to housing finance companies, the Reserve Bank has tweaked the risk weights by capping it for undisbursed loans at par with that of disbursed loans. This is likely to release growth capital that was locked for undisbursed loans and make mortgage loans cheaper.“To address a potential anomaly in the computation of risk-weighted assets for undisbursed amounts of housing loans/other loans vis-a-vis that for an equivalent disbursed amount of similar exposures, it’s been decided that the risk-weighted assets computed for undisbursed amounts of housing loans/other loans shall be capped at the risk-weighted asset computed on a notional basis for an equivalent amount of disbursed loans,” the RBI said in circular Monday.

At the same time, the regulator segregated risk weights for standard and stressed commercial real estate--residential buildings.The central bank said the risk weight for commercial real estate–residential buildings classified as standard would continue to be 75 percent. For exposures under this category, which are not classified as standard, the risk weight shall be 100 percent.According to industry experts, if the risk capital that an HFC need to maintain against housing loans is reduced, it can increase their ability to lend more. As a result, home loans can become more accessible and affordable for buyers.

Premature deposit withdrawal from NBFCs

MUMBAI: The Reserve Bank has mandated non-banking financial companies (NBFCs) to pay 100% of the deposit amount within the first 3 months of accepting it if the depositor seeks a withdrawal, citing an emergency but without any interest. Issuing the revised regulations governing NBFCs and housing finance companies (HFCs) Monday, RBI said the new norms will be applicable from January 1, 2025. But the depositor will not get any interest if the money on premature withdrawals.

Blinkit expands quick commerce offerings with new categories, services

Blinkit now offers up to 25,000 unique SKUs, including LEGO sets and passport photo delivery in select locations.

BENGALURU. Zomato’s quick commerce platform Blinkit, which has been diversifying its offerings, will continue to invest in newer categories.In the past six quarters, Blinkit has launched products in electronics, beauty & make-up, pet care, and toys & games. The platform announced that it will deliver passport-sized photos in 10 minutes for Delhi and Gurugram customers. Albinder Dhindsa, founder and CEO, Blinkit, in a post on X announced ‘LEGO sets are available on blinkit!’“We have been focused from the beginning to increase selection for customers and offer it in most efficient way to them... we are now able to offer up to 25,000 unique SKUs (stock keeping units) to our customers in some locations,” he said in a letter to shareholders.A large part of this expansion in selection has happened outside traditional grocery segments of FMCG, fruits & vegetables and staples, he added. The CEO said they have been adding SKUs over last four quarters. “Some of our categories have become a major percentage of the platform. As a result, they are now starting to contribute meaningfully to growth number,” he said in Q1 earnings conference call.Blinkit aims to raise its dark stores to 2,000 by 2026.

“Our average GOV (gross order value) throughput per store has grown from Rs 6 lakh per day per store when we were at 383 stores a year ago to Rs 10 lakh today when we are at 639 stores. For our top 50 stores today, this number is Rs 18 lakh per day per store and growing,” he said.Dhindsa added that their preference

is always to open larger stores. “Our attempt is to make sure that every new store that we open is eventually run by a local partner,” he said.Blinkit wants to stick to delivering all assortments in 10 minutes. He said the platform’s GOV is made up of incremental growth in consumption.“Our model is able to deliver products that have been otherwise harder to access for customers. For instance, we believe, of the sales that we generate in ice-creams, 2/3rd is incremental. This is the demand that would have gone unaddressed if we hadn’t built capabilities to deliver ice-creams in minutes,” he added.

Firstcry shares list at 40% premium over issue price: Should you hold or sell

New Delhi Firstcry IPO made a strong market debut listing at a premium of 40% over its issue price on the National Stock Exchange (NSE) on Tuesday.Shares of Brainbees Solutions (Firstcry) opened at Rs 651 on the NSE, at a premium of 40% over its issue price of Rs 549. On the BSE, the shares opened at Rs 625, a premium of 34.4%. The shares had a GMP of Rs 84 ahead of the listing.Shivani Nyati, Head of Wealth, Swastika Investmart Ltd said that Firstcry, India's leading online retailer for baby and child care products surpassed even the optimistic pre-listing expectations reflected in the healthy grey market premium.She further said that the IPO was moderately subscribed at 12.22 times, indicating decent investor interest. However, the strong listing performance reflects a renewed confidence in the company's growth prospects, despite the ongoing profitability challenges.While Firstcry's market leadership and strong brand position are undeniable, investors should remain cautious about the company's path to profitability. The reliance on third-party manufacturers and negative cash flows remain areas of concern that require close monitoring,"

said Nyati.The initial public offering (IPO) of Brainbees Solutions (Firstcry) saw decent interest from investors with the issue getting subscribed over 12 times on the final day.She further said that the IPO was moderately subscribed at 12.22 times, indicating decent investor interest. However, the strong listing performance reflects a renewed confidence in the company's growth prospects, despite the ongoing profitability challenges."While Firstcry's market leadership and strong brand position are undeniable, investors should remain cautious about the company's path to profitability. The reliance on third-party manufacturers and negative cash flows remain areas of concern that require close monitoring," said Nyati.The initial public offering (IPO) of Brainbees Solutions (Firstcry) saw decent interest from investors with the issue getting subscribed over 12 times on the final day.

Big relief for Adani Group stocks as MSCI lifts key restrictions. Details here

New Delhi In a big development for Adani Group investors, MSCI has announced the lifting of restrictions on the treatment of Adani Group stocks, particularly concerning their free float status.The update is part of the August 2024 Index Review, following a period of uncertainty triggered by concerns raised in February 2023.MSCI had previously halted certain adjustments to Adani Group securities, citing doubts about the free float status due to the nature of certain investors in the group's stocks.This move had led to the suspension of potential changes to the number of shares for affected securities and the postponement of non-neutral corporate events, pending further review.

Key restrictions lifted

As of August 12, 2024, MSCI has resumed normal operations concerning Adani Group stocks, which include changes to the Number of Shares (NOS), Foreign Inclusion Factor (FIF), and Domestic Inclusion Factor (DIF).These changes will be implemented at the close of August 30, 2024, with the regular implementation of corporate events starting on September 2, 2024. The proforma FIF and DIF for Adani Group securities have been announced as part of this review.

What it means for Adani Group stocks?

This decision impacts several key Adani Group stocks within the MSCI Global Standard Index, including Adani Enterprises, Adani Ports, Adani Green, Adani Power, and Ambuja Cements.It may be noted that the MSCI has reduced the weightage of Adani Enterprises and Ambuja Cements in its Standard Index.

Despite lifting the restrictions, MSCI will continue to closely monitor the Adani Group and issue further communications if any developments related to the free float arise.

Unicommerce eSolutions IPO lists at 118% premium: Hold

New Delhi Unicommerce eSolutions Limited made a blockbuster debut on Dalal Street, turning multibagger, with the shares listing at a premium of 118% on the National Stock Exchange (NSE).The shares opened at Rs 235 on the NSE, marking a premium of 117.59% over its issue price of Rs 108. The shares made a stellar debut on the BSE as well, listing at Rs 230, with a premium of 112.96%.Shivani Nyati, Head of Wealth, Swastika Investmart Ltd said that the listing of Unicommerce eSolutions blockbuster performance far exceeded pre-listing expectations,

fuelled by the massive oversubscription of 168.35 times and a robust grey market premium."The company's strong market position as a leading e-commerce enablement SaaS platform, coupled with its proven track record of profitable growth, solidified investor confidence. While challenges like competitive pressures and negative cash flows remain, the initial market response highlights the immense potential of Unicommerce eSolutions in the burgeoning e-commerce ecosystem," she added.She further aid that this exceptional listing underscores the company's strong fundamentals and growth prospects.

"However, investors are advised to consider some profit booking at this level, and those who want to hold it may keep a stop loss at 210," advised Nyati.Unicommerce eSolutions' IPO was open for bidding from August 6 to August 8. The company priced its shares between Rs 102 and Rs 108, with a minimum lot size of 138 shares. It successfully raised Rs 276.57 crore through an offer-for-sale (OFS) of up to 2,56,08,512 equity shares.The IPO was oversubscribed by 168.39 times overall. Non-institutional investors (NIIs) heavily drove this demand, with their portion subscribed 252.48 times. Qualified institutional bidders subscribed 138.75 times, and the retail investor segment saw a subscription rate of 131.15 times during the three-day period.Founded in February 2012, Unicommerce eSolutions is a SaaS provider specialising in e-commerce operations for brands, sellers, and logistics firms, offering software solutions to streamline post-purchase e-commerce management.

Trend Alert: Gold Prices Remain Strong; Crude Witnesses Sharp Up-move

New Delhi Gold and crude oil prices have experienced a significant uptick. The precious metal has extended its gains, solidifying its position as a safe-haven asset amidst global economic uncertainties. Simultaneously, crude oil has witnessed a sharp increase, primarily driven by supply concerns and robust global demand.ising gold prices often reflect investor concerns about inflation and economic instability. Conversely, a soaring oil price can fuel inflationary pressures while also impacting consumer spending and business costs.As these trends unfold, it is crucial to monitor their impact on various sectors and markets.

Prathamesh Mallya, DVP- Research, Non-Agri Commodities and Currencies, Angel One, shared trend insights on gold, base metals and crude prices.

Gold

Gold prices surged over 1% on Monday, reaching their highest level since August 2, as safe-haven demand increased amid global geopolitical tensions and anticipation of key U.S. inflation data.

The ongoing conflict between Israeli forces and militants near Gaza, coupled with a surprise Ukrainian military advance into Russia’s Kursk region, has heightened concerns about potential wider regional conflicts involving Iran and its proxies.

Investors are closely watching upcoming U.S. producer and consumer price data, which could provide further insights into the Federal Reserve’s interest rate trajectory.In this environment, gold is attracting attention as a traditional hedge against geopolitical instability and economic uncertainty, particularly as lower interest rates tend to boost the appeal of non-yielding assets like bullion.

Outlook: Gold prices are expected to remain strong, driven by heightened geopolitical tensions and anticipation of key U.S. inflation data that could influence the Federal Reserve’s rate decisions.

Crude

Oil prices surged by over 4% on Monday, marking their fifth consecutive day of gains, as escalating tensions in the Middle East raised concerns about potential disruptions to global crude supplies.

The U.S. Defense Department’s decision to deploy a guided missile submarine to the region underscores the seriousness of the

situation, with fears growing that Iran and Hezbollah might retaliate against Israel, potentially widening the conflict.Such an escalation could lead to U.S. sanctions on Iranian oil exports, threatening to remove approximately 1.5 million barrels per day from the market.

Additionally, expectations of U.S. interest rate cuts, driven by signs of cooling inflation, have also supported oil prices, as lower rates typically boost economic activity and energy demand.

Investors are also closely monitoring upcoming U.S. consumer price data, which could influence future monetary policy decisions.Meanwhile, stronger-than-expected consumer price increases in China, the world’s largest oil importer, provided further support to crude prices, signalling robust demand in the key Asian market.Outlook: Crude oil prices are expected to remain elevated as geopolitical tensions in the Middle East continue to fuel concerns over potential supply disruptions.

Base Metals

Copper prices rose on Monday as traders covered short positions, anticipating that prices may have reached a bottom ahead of crucial economic data from China and the United States.Last week, recession fears in the U.S. led to a broad selloff in equities and commodities, but stronger-than-expected U.S. jobs data helped stabilise the markets.Traders are now focused on upcoming Chinese data, including new yuan loans, industrial production, and urban investment, as indicators of future demand for industrial metals like copper.Additionally, U.S. consumer price data due on Wednesday could influence the timing of Federal Reserve interest rate cuts, potentially weakening the U.S. dollar and boosting demand for dollar-priced metals.

In New Strategy, Manipur Chief Minister Looks To Redraw District Boundaries, End "Political Convenience"

Manipur Chief Minister N Biren Singh in the state assembly on Monday blamed past governments for leaving behind a mess by slicing up districts to create new ones for "political convenience", and not "administrative convenience"

Imphal/Guwahati/New Delhi. Manipur Chief Minister N Biren Singh has indicated the state government will work with all communities and civil society organisations to discuss redrawing district boundaries based on "administrative convenience" and not on "ethnic lines".

Mr Singh in the state assembly on Monday blamed past governments for leaving behind a mess by slicing up districts to create new ones for "political convenience", and not "administrative convenience".

"Everyone keeps saying what's happened has happened. I say we should discuss what's happened and correct mistakes so that the future generations don't suffer. The districts created in the name of administrative convenience, for example, Sadar Hills and Kangpokpi, it reaches all the way to Bishnupur. If a fire or some incident happens, how are the fire officers or the police going to reach Bishnupur from Kangpokpi?" Mr Singh said in the house. "The districts were created not for administrative convenience, but for political convenience."

He called it "most unfortunate" that there's an assumption in Manipur that districts have been created based on ethnic lines, "as if one district has been created for a particular community and given to them, forgetting what India is all about, what Manipur is all about."

The Kuki-dominant Kangpokpi district headquarters lies 45 km to the north of the state capital Imphal. Kangpokpi district was created in 2016. The district's long, inverted U-shaped area surrounds Imphal valley from the north, east and west, leaving the south open till it reaches Bishnupur district in the valley, 75 km away. In the hills on the flank of Bishnupur, Kangpokpi also joins with another Kuki-dominated district, Churachandpur, which lies south of Bishnupur. The Manipur Chief Minister's comment that "political convenience" led to drawing district boundaries on "ethnic lines" was seen as one example referring to the expansion of Kangpokpi district - and the troubles the state is facing today, Manipur BJP sources said.

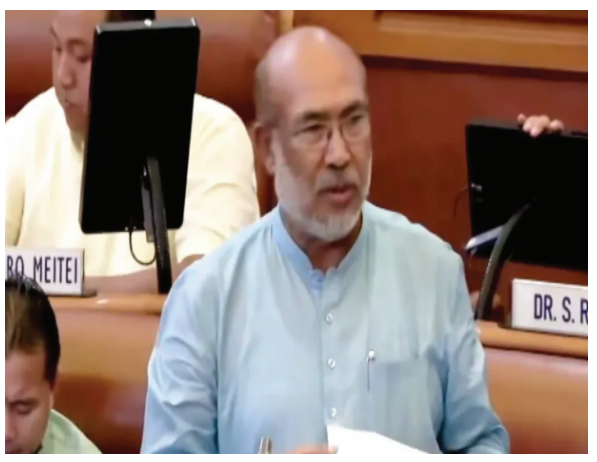

"This (ethnic division) fault has existed for a long time, and it will not be easy to correct it today. Our inability to proudly say we, together, are the people of Manipur - Manipuri Tangkhul, Manipuri Meitei, Manipuri Pangal, Manipuri Thadou or Manipuri Paite - is a serious, chronic disease. It will take time to cure this, but cure we must," Mr Singh said in the assembly.

"To rework district boundaries based on administrative convenience and not on ethnic lines would be a good step... It seems some have started thinking they are kings of their districts. Despite living together for generations, suddenly there are complaints about taking 'tax', about being checked or stopped while entering a district... these are not compatible with the democratic set-up of the country... So we need reorganisation of the districts, for which we should sit together and discuss," the Chief Minister, who belongs to the ruling BJP, said in the assembly.

Mr Singh's proposal, however, has been criticised by some of the 10 MLAs from the Kuki tribes and also the Opposition Congress as a way to divert attention from more immediate issues linked to the ethnic violence between the Meitei community and the Kuki tribes. The 10 Kuki MLAs are not attending the assembly session. Manipur Congress unit leader Lamtinthang Haokip in a post on X reminded the Chief Minister that he was a part of the same government when the districts were created.

'Har Ghar Tiranga' Caller Tune Back To Encourage People To Hoist Tricolour

New Delhi. As India prepares to celebrate its 78th Independence Day, come August 15, the 'Har Ghar Tiranga' caller tune is back. To encourage more people to hoist the 'Tricolour', the iconic caller tune greets us whenever we place a phone call. Similar campaigns were run in the past few years as well.

Launched under the banner of Azadi Ka Amrit Mahotsav in 2022, the 'Har Ghar Tiranga' campaign urges people to take the national flag home and hoist it. The third edition of the campaign is being celebrated from August 9 to 15 this year to mark the 78th Independence Day.In the past few years, people were greeted with the message of sharing their photographs with the 'Tricolour' on the official Har Ghar Tiranga website, whenever they made a phone call."As this year's Independence Day approaches, let's again make #HarGharTiranga a memorable mass movement. I am changing my profile picture and I urge you all to join me in celebrating our Tricolour by doing the same. And yes, do share your selfies on harghartiranga.com," Prime Minister Narendra Modi wrote on social media site X on August 9. On Tuesday, Vice President Jagdeep Dhankhar flagged off a 'Tiranga Bike Rally' from the Bharat Mandapam in the national capital. He said that the campaign showed India's commitment towards 'Viksit Bharat', adding it's "India's century".

The bike rally started from the Bharat Mandapam, Pragati Maidan and reached the Major Dhyan Chand Stadium, passing through India Gate.Those who wish to take part in the 'Har Ghar Tiranga' campaign can raise the national flag atop their home and share a selfie with it on the website harghartiranga.com.

To download the 'Har Ghar Tiranga' certificate, open the "click to participate" tab on the official website and fill in the required details.

"He's So Powerful...": Principal Sent On Leave In Doctor Rape-Murder Case

Kolkata. The Calcutta High Court has ordered Dr Sandip Ghosh, the former head of Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital - where a doctor was raped and murdered last week - to go on long leave. Dr Ghosh - under scrutiny for comments seen as victim-blaming and failing to ensure staff safety - resigned Monday, declaring "the girl who died was like my daughter... as a parent, I am resigning", but was re-appointed as Principal of the Calcutta Medical College and Hospital 24 hours later.

The court, which also asked tough questions of the state's handling of this horrific crime, including keeping the doctor's parents waiting for information and possibly even protecting Dr Ghosh, observed the tragic circumstances of the woman's death did not seem to have much affected him. "The Principal is the guardian of all doctors working there... if he doesn't show any empathy who will show? He should be at home not working anywhere..." a division bench led by Chief Justice TS Sivagnanam said, also wondering how it happens that a government lawyer is arguing for Dr Ghosh. "If the principal stepped down owing 'moral responsibility', (it is) rather serious that he is rewarded, within 12 hours, with another appointment. This Principal will not function... let him go on long leave. Otherwise we pass an order," the court said when told Dr Ghosh had been posted elsewhere.

"Why Do You Protect Him..."

The High Court this morning was hearing a clutch of petitions, including one by the doctor's parents seeking a court-monitored probe into their daughter's death. The parents claimed gross insensitivity in state authorities' handling of the aftermath of the crime, arguing, "We were told at 9.30 pm she was unwell... then (told) she committed suicide. The hospital did not allow me to see my daughter." The parents sought impleading of Dr Ghosh, which turned the court's attention on him. "He was the principal... he cannot shrug off the responsibility and must be impleaded as accused," they argued. "No man is above the law..." the court thundered, "How did he step down and then be rewarded with another responsibility?" The court, which demanded the police's case diary by 2 pm, also directed Dr Ghosh's resignation letter be filed, observing, "... we want to see what he has written."

"Accept Apology, However...": Top Court Relief For Ramdev, And A Warning

New Delhi. Yoga guru Ramdev and his aide Balakrishna today got some relief in a misleading ads case related to Patanjali products after the Supreme Court closed contempt proceedings against them. The court, however, warned them against violating court orders in the future.

The bench of Justice Hima Kohli and Justice Sandeep Mehta said in their order that the court accepts the apology of Ramdev and Balakrishna. "However, we expressly and strictly warn them that they will not do any thing in violation of the court orders like it has happened earlier in this case. We have come down heavily and we warn that this should not be done in future," the order said.

"The affidavits tendered before this court should be done with full truth. We close the contempt proceedings initiated against the party with the warning of

adhering to the orders passed by this court in this case. The notice issued to present contemnor also stands discharge and closed," the court added.

The Supreme Court had come down heavily on the Yoga guru and his aide for misleading ads of Patanjali products.

The matter dates back to the Covid years. Patanjali launched a drug, Coronil, in 2021 and Ramdev described it as the "first evidence-based medicine for COVID-19". It also claimed that Coronil had certification from WHO. Indian Medical Association disputed this claim, saying it was a "blatant lie".

In a subsequent video, Ramdev was heard saying that allopathy was a "stupid and bankrupt science". The IMA sent a legal notice to him and sought an apology. Patanjali Yogpeeth responded that Ramdev was reading out from a forwarded WhatsApp message and has no ill-will against modern science. Then, in August 2022, IMA moved a petition against Patanjali after it published an advertisement in newspapers titled 'Misconceptions Spread By Allopathy: Save Yourself And The Country From The Misconceptions Spread By Pharma And Medical Industry'. The ad claimed that Patanjali drugs had cured people of diabetes, high blood pressure, thyroid, liver cirrhosis, arthritis and asthma.

Delhi Lt Governor's instructions to implement new criminal laws with transparency

Delhi Lieutenant Governor VK Saxena conducted a review meeting on the implementation of three new criminal legislations in the national capital. He instructed the officials to implement the new criminal law with transparency.

New Delhi. Delhi Lieutenant Governor VK Saxena conducted a review meeting on the implementation of three new criminal legislations in the national capital, stressing a collaborative and streamlined approach to ensure justice and transparency across all departments.

Delhi Home Minister Kailash Gahlot attended the meeting, while Law Minister Atishi was absent due to a family medical emergency. LG Saxena instructed officials to set specific timelines for ongoing projects related to the new laws.

The discussions in the meeting included training health department nodal officers for the MedLEaPR portal, with all central government hospitals in Delhi now onboarded with the portal. MedLEaPR is a web-based reporting system to capture the Medico-Legal Report (MLR) and Post-Mortem Report (PMR) for the Directorate of Health Services in Delhi. A total of 186 Delhi government and 32 Central government doctors are registered, generating 81 reports on the portal.

The meeting also covered the procurement of mobile forensic vans, infrastructure for video conferencing in all 691 courts in Delhi, and the filling of 165 junior scientific assistant vacancies at crime scenes, with a target completion date of September 21. Besides, recruitment rules for vacant posts in the Forensic Science Laboratory (FSL) and Directorate of Prosecutions were discussed, along with plans for a new building for the Directorate.

The three legislations — Bharatiya Nyaya Samhita (BNS), Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita (BNSS), and Bharatiya Sakshya Adhiniyam (BSA) — which replaced the colonial-era Indian Penal Code (IPC), Code of Criminal Procedure (CrPC), and Indian Evidence Act, have been in effect since July 1.

Call To Kolkata Doctor's Family Said She Died By Suicide. Police Probe Why

Kolkata. The father of the 31-year-old doctor, who was raped and murdered at Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital, got a phone call Friday morning. The caller said his daughter had died by suicide. When he rushed to the hospital, he learnt that his daughter's body was found in the seminar hall, half-clothed and with bruises. The investigation later revealed that the doctor had been raped and murdered.

"The Assistant Superintendent of chest medicine department called and said, 'your daughter died by suicide'. And then we saw the reality when we reached the hospital," the woman's father told the media, adding that the official did not name himself during the call. The father's remarks have triggered allegations that the college administration attempted a cover-up

after the woman doctor's body was found. According to the probe, she had dinner on Thursday night with four other colleagues on night duty. Police are also speaking to them, among others, to get to the bottom of the matter.

Sanjoy Roy, a civic volunteer who frequented the hospital, has been arrested and police said if more culprits are involved, they would be taken into custody over the next four-five days.

Top Doctors Summoned

The Assistant Superintendent and Head of Department of the Chest Medicine wing of the state-run hospital have been summoned to find out why the woman's family were told she died by suicide.The woman's mother has told the media that even after they reached the hospital, they were not allowed to see the body. "I fell at their feet, begging them to let me see my daughter. But they did not. No one understands what I went through. They let us see her at 2 pm."

The family members have told the media that the victim called her mother that night and told her to have dinner. "We were planning her wedding next year," a relative said.

PM Modi's Pakistani sister all set to tie him rakhi in Delhi this Raksha Bandhan

Qamar Sheikh has been tying 'rakhis' on PM Narendra Modi's wrist for over two decades. This year she is ready to do it for the 30th time.

Ahmedabad. Qamar Sheikh, who has been adorning Prime Minister Narendra Modi's wrist with a 'rakhi' for over two decades, is once again preparing to travel to Delhi to do the same for Raksha Bandhan on Monday, August 19. This will be the 30th consecutive year when Sheikh will tie a rakhi to the Prime Minister's wrist. Qamar Sheikh was born into a Muslim family in Karachi and was married to Mohsin Sheikh in 1981. Since then, she migrated and settled in India. Sheikh has been in touch with PM Modi for the last 35 years, since 1990.

She considers PM Modi her brother, and he reciprocates the sentiment. Every year for Raksha Bandhan, Sheikh makes rakhi for him with her own hands and the PM gets it tied on his wrist by her 'sister'.

Raksha Bandhan is on Monday, August 19. Naturally, Sheikh has already prepared 8 to 10 Rakhis. She told Aaj Tak she does not buy rakhis from the market. "I make many Rakhis with my own hands every year before Raksha Bandhan and in the end I tie the Rakhi that I like the most on his wrist," she added.For the 30th year of this ritual, Sheikh said she is preparing something special.

"The rakhi I have prepared this year, I have

made it on velvet. I have used pearls, metal embroideries and tikki in the Rakhi," she noted, adding that her tickets are booked to Delhi for August 19, a day before Raksha Bandhan.

Sheikh highlighted the fact that before the COVID-19 pandemic, she used to personally tie the rakhi on the PM's wrist. That stopped in the years 2020, 2021, and 2022. Owing to the pandemic, she could not travel and fulfil the ritual.Last year, however, she travelled to Delhi with her husband and tied the rakhi. And this year too, Sheikh hopes for an invitation for the Raksha Bandhan celebrations.

As a sister, she said, she is praying for the good health of her brother. She added that PM Modi will continue the public welfare work he has done for the last decade.Sheikh recalled meeting PM Modi for the first time in 1990 through the late Dr. Swaroop Singh, who was the then Governor of Gujarat.

She went to meet Singh who was leaving the airport. Narendra Modi was also present there at that time. Singh had then told Narendra Modi that he considered Kamar Sheikh his daughter. Hearing this, PM Modi replied saying that from that onwards Kamar Sheikh would be his sister."Since then, I have been tying Rakhi to him at the festival of Raksha Bandhan," said Sheikh.Sheikh reminisces how when she first met him, PM Modi was only a worker of the Sangh.

News box

The New York Times says it will stop endorsing candidates in New York elections

sThe New York Times editorial board will stop endorsing candidates in New York elections, the paper's opinion editor said on Monday.The editorial board, which operates independently from the paper's newsroom, will continue to make endorsements in presidential elections.In a statement, Kathleen Kingsbury, head of opinion at The New York Times, did not explain a reason for the decision on the New York endorsements but said "Opinion will continue to offer perspective on the races, candidates and issues at stake." The paper reported the change would take effect immediately, with the editorial board not endorsing candidates in New York congressional or Senate races this fall, or in next year's mayoral race.Many newspapers have stopped endorsing political candidates in recent years for various reasons, including concerns over alienating readers as well as dwindling staff and resources, among other things.

An endorsement from the Times has been coveted by generations of politicians, particularly in New York City. The endorsement process has also often resulted in informative interviews between the editorial board and political candidates hoping to secure the slot.The Times has made an endorsement in every race for New York City mayor since 1897, the paper said.

Resignations of Bangladeshi officials close to Hasina are legal: Muhammad Yunus

DHAKA, Bangladesh. The head of Bangladesh's interim government, Nobel laureate Muhammad Yunus, says the high-profile resignations of authorities close to ousted Prime Minister Sheikh Hasina are legal after student leaders who organized protests against Hasina's government issued ultimatums for them to quit."Legally ... all the steps were taken," Yunus, 83, told a group of journalists Sunday night.

The country's chief justice, five justices and central bank governor have all resigned in the past few days, part of a dramatic transformation after weeks of protests against a quota system for government jobs turned into a mass uprising. Hasina resigned and fled to India last week.Yunus said a key priority of the interim government is to restore the independence of the judiciary. He called former chief justice Obaidul Hassan "just a hangman."Syed Refaat Ahmed was appointed the new chief justice on Sunday after his name was proposed by student leaders of the protests.Students vow to cleanse the political system of Hasina's rule, which they have denounced as autocratic. More than 300 people, including students and police officers, were killed in the weeks of violence.Yunus took over on Thursday after student leaders reached out. He said the students told him he was the only one they could trust.He said he accepted "because these are the guys who broke the local government," describing it as a "student-led revolution.""It's not my dream, it's their dream. So I'm kind of helping them to make it come true," Yunus said.The interim government is expected to announce a new election, but it is not clear when it will be held.

Pakistan: Met Department predicts more monsoon rains from Aug 14

ISLAMABAD. The Pakistan Meteorological Department (PMD) has predicted more monsoon rains in the country from August 14 to 18, Geo News reported.

The weather department has forecast rain showers accompanied by storms and lightning adding that monsoon winds are expected to enter upper and middle areas of the country.The Met Office further said that the coastal areas of Sindh are anticipated to have a partially cloudy atmosphere as light rains may possibly occur. Islamabad, Rawalpindi and other areas of Punjab will likely experience rain from August 14 till August 18.According to Geo News, rain along with strong winds is expected in Murree, Galyat, Chakwal, Gujrat, Gujranwala, Apart from these areas, Hafizabad, Wazirabad, Sahiwal, Jhang, Nankana Sahib, Chiniot, Faisalabad, Lahore, Sheikhupura, Sialkot, Narowal, Okara and Pakpattan will also experience rain showers.Additionally, the met office said that rain with thunder and lightning is likely in Kasur, Khushab and Sargodha. Areas of Khyber Pakhtunkhwa will experience rain showers with thunder and lightning from August 14 to 18.The weather office said that Chitral, Dir, Swat, Bajaur, Buner, Mansehra, Abbottabad, Haripur, Peshawar, Mardan, Charsadda, Hangu, Kurram, Orakzai, Bannu and Dera Ismail Khan may also receive rain showers.The PMD has forecast a wetter-than-usual monsoon season for Pakistan even when waterlogging woes continued in several parts of the country. It remains one of the countries experts say is most vulnerable to extreme weather being spurred by climate change, Geo News reported.

US lifts curb on sale of weapons to Saudi Arabia, with eye on resolving Gaza

☛The United States has confirmed that it would resume sales of offensive weapons to Saudi Arabia, as concerns over human rights in the kingdom's Yemen war give way to US hopes for it to play a role in resolving the conflict in Gaza.

Washington. The United States confirmed Monday it would resume sales of offensive weapons to Saudi Arabia, as concerns over human rights in the kingdom's Yemen war give way to US hopes for it to play a role in resolving the conflict in Gaza.More than three years after imposing limits on human rights grounds over Saudi strikes in Yemen, the State Department said it would return to weapons sales "in regular order, with appropriate congressional notification and consultation."Saudi Arabia has remained a close strategic partner of the United States, and we look forward to enhancing that partnership," State Department spokesman Vedant Patel told reporters.US President Joe Biden took office in 2021 pledging a new approach to Saudi Arabia that emphasized human rights, and immediately announced that the administration would only send "defensive" weaponry to the longtime US arms customerThe step came ater thousands of civilians -- including children -- were estimated to be killed in Saudi-led airstrikes against Iranian-backed Huthi rebels, who have taken over much of Yemen.Geopolitical considerations have, however, changed markedly since then. The United Nations, with US support, brokered a truce in Yemen in early 2022 that has largely held.Since the truce, "there has not been a single Saudi airstrike into Yemen and cross-border fire from Yemen into Saudi Arabia has largely stopped," Patel said."The Saudis

since that time have met their end of the deal, and we are prepared to meet ours," Patel said.

Saudi role in Gaza war

It is now the United States, Britain and recently Israel that have been striking Huthi targets in Yemen, with Saudi Arabia content to watch from the sidelines.The Huthis have been firing missiles at commercial ships in the vital Red Sea in professed solidarity with Palestinians, who have been in the crosshairs of Israel since the October 7 attack by Hamas.

In a bid to find a long-term solution, US Secretary of State Antony Blinken has repeatedly traveled to Saudi Arabia to discuss a package of US incentives if the kingdom recognizes Israel.Saudi Arabia has sought US security guarantees, a continued flow of weapons and potentially a civilian nuclear deal if it normalizes with Israel.

Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu has made normalization with Arab states a top goal and no prize would be as big as Saudi Arabia, guardian of Islam's two holiest sites.But Saudi Arabia says it cannot act without progress on a Palestinian state, an idea pushed by the Biden administration as it seeks a diplomatic way out of the Gaza conflict, but bitterly opposed by Netanyahu and his far-right allies.Representative Joaquin Castro, a progressive member of Biden's Democratic Party, said that Saudi Arabia still had a "troubling track record" on human rights."I supported the Biden administration's initial decision to pause offensive arms sales to Saudi Arabia, and I hope to see compelling evidence that Saudi Arabia has changed its conduct," he said.

Elon Musk claims over '200 million' tuned in to interview with Trump

World Global internet traffic on Elon Musk and Donald Trump's interview on X, formerly known as Twitter, went past 200 million.

"Almost all of the legacy media will trash the Trump conversation, thus driving total listeners probably past 200 million," Elon Musk posted on X.The interview, which was delayed by 45 minutes due to a technical glitch, went around for over two hours.As the interview proceeded, Trump's X handle "received over 200 million impressions," said Collin Rugg, co-owner of Trending Politics.

In a highly anticipated interview, Republican presidential nominee Donald Trump shared a blend of grievances, personal attacks, and bold claims, while tech mogul Elon Musk occasionally offered subtle nods of encouragement.

Kicking off the conversation, Donald

Trump claimed that Joe Biden's exit from the US presidential election race was a "coup.""I beat Biden so badly in the debate that he was forced out of the race — one of the greatest debate performances ever. Biden's exit was a coup," the 78-year-old told the tech billionaire.Recalling the assassination bid against him, the former US President told Musk that it was "not pleasant."It was a hard hit. It was very, I guess you would say, surreal, but it was not surreal. You know, I was telling somebody, you have instances like this where you feel it's a surreal situation. And I never felt that way. I knew immediately that it was a bullet," Trump responded to Musk's question about what the shooting was "like for you."Earlier, ahead of the interview, Donald Trump returned to X, leaving his Truth Social behind for the first time in nearly a year. He posted a collage of him and Musk with the caption, "Donald J. Trump and Elon Musk live on X with a footer, "Monday 8 pm ET/5 pm PT," with the former POTUS' winky caption, "Enjoy!.

US prepared for possible attacks in Middle East by Iran: White House

Washington The US has prepared for what could be significant attacks by Iran or its proxies in the Middle East as soon as this week, White House national security spokesperson John Kirby said on Monday.

Kirby said the US had increased its regional force posture and shared Israel's concerns about a possible Iranian-backed attack after Iran and Palestinian Islamist group Hamas accused Israel of carrying out the assassination of a Hamas leader in Tehran last month."We share the same concerns and expectations that our Israeli counterparts have with respect to potential timing here. Could be this week," Kirby told reporters."We have to be prepared for what could be a significant set of attacks," he said.Israel has been braced for a major attack since last month when a missile killed 12 youngsters in the Israeli-occupied Golan Heights and Israel responded by killing a senior Hezbollah commander in Beirut.A day after that operation, Haniyeh, the political leader of Hamas, was assassinated in Tehran, drawing Iranian vows of retaliation against Israel."We obviously don't want to see Israel have to defend itself against another onslaught, like they did in April. But, if that's what comes at them, we will continue to help them defend themselves," Kirby said.The Pentagon said on Sunday that Defence Secretary Lloyd Austin had ordered the deployment of a guided missile submarine to the Middle East and for the Abraham Lincoln carrier strike group to accelerate its deployment to the region.But a US official told Reuters the Lincoln carrier strike group was currently close to the South China Sea and would likely take over a week to reach the Middle East.

il prices jumped by more than 3 per cent on Monday, rising for a fifth consecutive session on expectations of a widening Middle Eastern conflict that could tighten global crude supplies.

Israeli forces pressed on with operations near the southern Gaza city of Khan Younis on Monday amid an international push for a deal to halt fighting in Gaza and prevent a slide into a wider regional conflict with Iran and its proxies.

UN chief calls for Africa's permanent seat in UNSC, highlights under representation

world. During a recent high-level debate at the United Nations Security Council (UNSC), UN secretary-general Antonio Guterres said that UNSC has failed to keep pace with a changing world.

Advocating for a permanent seat for Africa, Guterres said, "We cannot accept that the world's preeminent peace and security body lacks a permanent voice for a continent of well over a billion people" according to Al Jazeera.

He emphasised that Africa's perspectives on peace and security, both within the continent and globally, are undervalued under the current arrangement.

The UNSC currently consists of 15 members, including five permanent members with veto power—China, France, Russia, the United States, and the United Kingdom. The remaining ten seats are non-permanent, distributed regionally, with three allocated to African states.Meanwhile, the UN general assembly President Dennis Francis said, "The fact that Africa continues to be manifestly underrepresented on the Security Council is simply wrong, offending as it does both the principles of equity and inclusion," he said.

"It runs counter to the principle of sovereign equality of states and calls for the urgency to reform this institution to reflect the world as it is now, rather than what it was nearly 80 years ago," Francis added.The United Nations Security Council (UNSC) demanded in May that African nations take a larger role in addressing global security and development challenges.

Israel keeps up strikes in Gaza as fears of wider conflict in West Asia grow

Israel continued its offensive operations near Gaza's Khan Younis, which led to the death of 18 people and injuries to several others. The attack by Israel led to the evacuation of

Cairo,UPDATED Israeli forces pressed on with operations near the southern Gaza city of Khan Younis on Monday amid an international push for a deal to halt fighting in Gaza and prevent a slide into a wider regional conflict with Iran and its proxies.

Palestinian medics said Israeli military strikes on Khan Younis on Monday killed at least 18 people and wounded several. Meanwhile, more families and displaced persons streamed out of areas threatened by new evacuation orders telling people to clear the area.Later, an Israeli airstrike killed five people in the Zeitoun suburb of Gaza City, and two others were killed in Rafah, near the border with Egypt, medics said.As fighting continued, Hamas reacted sceptically to the latest round of Egyptian and Qatari-brokered talks due on Thursday, saying it had seen no sign of movement from the Israeli side.The group said on Sunday that mediators must force Israel to accept a ceasefire proposal based on ideas from US President Joe Biden, which Hamas had accepted, "instead of pursuing further rounds of negotiations or new proposals that would provide cover for the occupation's aggression".Two sources close to Hamas told Reuters the group was convinced the

new call for talks was coordinated beforehand with Israel to deter responses from Iran and Hezbollah to the assassination of the group's chief, Ismail Haniyeh, in Tehran and a top Hezbollah leader in Lebanon."It is a mild rejection you can say. Should Hamas receive a workable plan, an Israeli positive response to the proposal it had accepted, things may change, but so far Hamas believes Netanyahu isn't serious about reaching a deal," said one Palestinian official close to the mediation effort.Hamas' reaction to the talks came as preparations for a larger scale confrontation grew, with Washington ordering a guided missile submarine to the Middle East and the Abraham Lincoln strike group accelerating its deployment to the region.Israeli Defence Minister Yoav Gallant told US Defense Secretary Lloyd Austin that Iran was making preparations for a large-scale military attack on Israel, Barack Ravid, a normally well-sourced reporter for Axios News, reported on Twitter.Israel has been braced for a major attack since last month when a missile killed 12 youngsters in the Israeli-occupied Golan Heights and Israel responded by killing a senior Hezbollah commander in Beirut.A day after that operation, Haniyeh, the political leader of Hamas, was assassinated in Tehran, drawing Iranian vows of retaliation against Israel.The potential escalation underlined how far the Middle East has been thrown into turmoil by the Gaza war, now in its 11th month. Hamas-led attack on Israeli communities around the Gaza Strip on October 7 killed some 1,200 people, with more than 250 taken into captivity in Gaza, according to Israeli tallies, in one of the most devastating blows against Israel in its history.In response, Israeli forces have flattened Gaza, displaced most of the population and killed around 40,000 people, according to the Palestinian health ministry, in a war that has caused horror around the world.

Nearly 50,000 deaths reported in Europe in 2023 due to heat: Study

☛According to a report by the Barcelona Institute for Global Health (ISGlobal), more than 47,000 people have died in Europe due to heat in 2023, with countries in the region's south hit the hardest.

Madrid, More than 47,000 people died in Europe due to scorching temperatures in 2023, with countries in the region's south hit the hardest, according to a report by the Barcelona Institute for Global Health (ISGlobal) published on Monday.

Last year was the world's hottest on record. As climate change continues to increase temperatures, Europeans live in the world's fastest-warming continent, facing growing health risks stemming from intense heat.

The 2023 death toll - below the more than 60,000 heat-related deaths estimated for the previous year - would have been 80% higher without measures introduced in the past 20 years to help people adapt to rising temperatures, such as early warning systems and healthcare improvements, according to the report by the Spanish research centre.Researchers used death and temperature records from 35 European countries. They estimate that 47,690 died from causes related to high temperatures.

Adjusting the data for population, Greece, Bulgaria, Italy and Spain were the countries with the highest mortality rates related to heat.

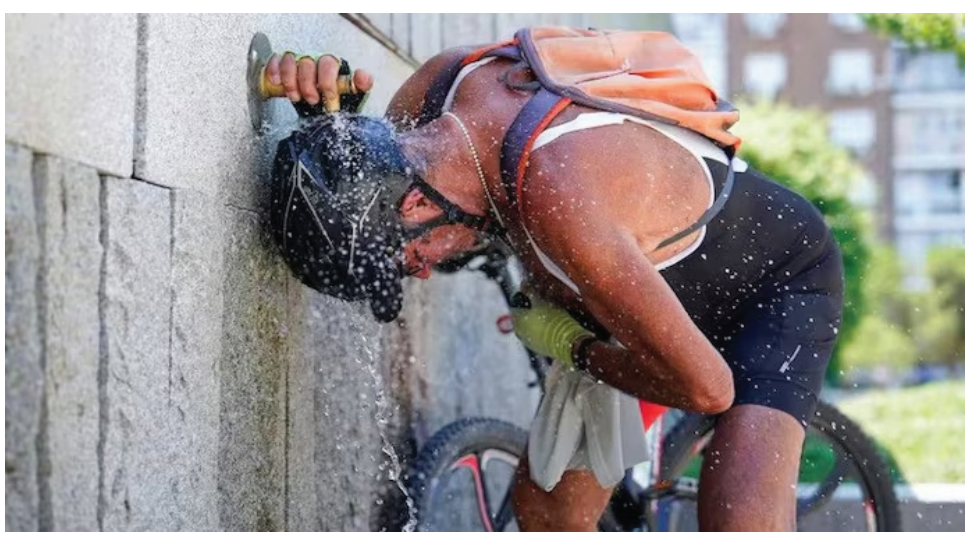

NEWS BOX

After Ben Stokes injury, ECB pulls Chris Woakes out of The Hundred

UPDATED The England and Wales Cricket Board (ECB) has pulled all-rounder Chris Woakes out of The Hundred, bearing in mind the upcoming Test series against Sri Lanka. Woakes was set to play for the Birmingham Phoenix in their last two league matches against Manchester Originals and Trent Rockets. On Monday, August 12, the Phoenix announced that Stokes had been made "unavailable for the remainder of the competition".However, the ECB said that withdrawing Woakes was not linked to Ben Stokes' injury. On Sunday, Stokes pulled his hamstring while playing for Northern Superchargers in their match against the Originals. He was trying to take a run when he felt some discomfort on his leg. After getting treated, Stokes was carried off the park.

Later, he was taken off on a stretcher towards an ambulance, but he returned to the dugout later on crutches. Harry Brook, the skipper of the Superchargers, had said that Stokes' injury "doesn't look great". With less than 10 days remaining for England's three-match Test series against Sri Lanka, Stokes is fighting against time to get fit.

Birmingham Phoenix yet to be in playoffs

Woakes missing out could hurt the Phoenix, who are still some distance away from securing their berth in the top three. The Phoenix, however, are on a three-match winning streak, having beaten the Rockets in their previous match.The Brave are currently placed third in the table with 10 points and a net run rate of +0.324 thanks to wins in five out of seven games in the tournament.England's opening Test against Sri Lanka starts on Wednesday, August 21 at the Emirates Old Trafford in Manchester. The iconic Lord's and Kennington Oval will host the other two Tests.

Olympics 2024: Neeraj Chopra saving grace for India in athletics at Paris

New Delhi Expectations were high from India in athletics, since they had sent a contingent of 29 members, their highest ever in the history of the Olympics. Back in 1900, Norman Pritchard brought home two silver medals for British India. But since independence, India hasn't quite made a name for themselves in the world of athletics.

Last year, for the first time, India went past the tally of 100 medals at the Asian Games. Out of them, the athletics team won 29 medals, including six golds, 14 silvers and nine bronze. With the number of participants going up in track and field events, India were expected to do better than previous editions of the Olympics.But the story wasn't any different from the previous editions.

How did India perform in the Paris Olympics?The focus was on Neeraj Chopra, who won the gold medal in Tokyo with a best throw of 87.58 metres. He became the second Indian after Pritchard to win a medal in athletics. He had also joined Abhinav Bindra as one of the two athletes from India to win an individual gold medal at the Olympics.Having won medals in the World Championships and the Diamond League, India's golden boy was again expected to step up. Hence, eyes were on him and his performance at Stade de France. Out of his six throws, five turned out to be fouls, and it was evident that he was not at his very best.

But it needed only a solitary throw of 89.45 metres in his second attempt to put him into a silver-medal winning position. Arshad Nadeem's Olympic record of 92.97 metres turned out to be insurmountable for Neeraj, who is yet to cross the 90-metre mark.Apart from Neeraj, none of the athletes could make a mark. Post independence, India are still looking for their second medallist in athletics apart from Neeraj. They have to wait for four years when the Los Angeles Olympics takes place to determine if India can broaden their horizons in athletics.

Any improvements from the Tokyo Olympics?

Back in the Tokyo Olympics, India had a smaller contingent, 16 in track and field events and two relay teams. Apart from Neeraj, only discus thrower Kamalpreet Kaur made an impact after qualifying for the final. She finished in sixth spot with a best throw of 63.70 metres.This time in Paris, keeping aside Neeraj, it was only Avinash Sable who took part in the finals of an event. Sable finished fifth in the heats of the men's 3000-metre steeplechase. In the finals, he finished 11th with a timing of 8:14:18.

ECB and Cricket Scotland discuss fielding Great Britain cricket team in LA 2028

The England and Wales Cricket Board (ECB) and Cricket Scotland have begun talks about fielding Great Britain Cricket Team at the Los Angeles Olympics in 2028.

New Delhi The England and Wales Cricket Board (ECB) and Cricket Scotland are in talks about fielding a collective Great Britain cricket team at the Los Angeles Olympic Games in 2028. Notably, cricket will mark its return to Olympics after a massive 128 years. The sport last featured at the Games way back in 1900 where Great Britain beat France by 158 runs to win the gold medal.Athletes from the United Kingdom compete at the Olympics as a part of the Great Britain and Northern Olympic Ireland Team named as 'Team GB' which is organised by the British Olympic Association. As a result, the cricket team could well feature both English and Scottish players. The ECB is eagerly looking forward to the opportunity to grow the game and has begun talks with Cricket Ireland.

"With the Los Angeles Olympics four years away, it's very early stages, but we're talking to Team GB and Cricket Scotland about the next steps we need to take. We look forward to working together to compete when cricket returns to the Olympic stage in 2028. Along with England and Wales hosting Women's and Men's [T20] World Cups in 2026 and 2030, it's another great opportunity to grow the game and inspire more people to develop a love for cricket," an ECB spokesperson was quoted as saying by ESPNCricinfo.The England and Wales Cricket Board (ECB) and Cricket Scotland are in talks about fielding a collective Great Britain cricket team at the Los Angeles Olympic Games in 2028. Notably, cricket will mark its return to Olympics after a massive 128 years. The sport last featured at the Games way back in 1900 where Great Britain beat France by 158 runs to win the gold medal.

Athletes from the United Kingdom compete at the Olympics as a part of the Great Britain and Northern Olympic Ireland Team named as 'Team GB' which is organised by the British Olympic Association. As a result, the cricket team could well feature both English and Scottish players. The ECB is eagerly looking forward to the opportunity to grow the game and has begun talks with Cricket Ireland."With the Los Angeles Olympics four years away, it's very early stages, but we're talking to Team GB and Cricket Scotland about the next steps we need to take. We look forward to working together to compete when cricket returns to the Olympic stage in 2028. Along with England and Wales hosting Women's and Men's [T20] World Cups in 2026 and 2030, it's another great opportunity to grow the game and inspire more people to develop a love for cricket," an ECB spokesperson was quoted as saying by ESPNCricinfo.

Losing to Vinesh Phogat, Japan's Yui Susaki vows to win Olympic gold in LA 2028

Paris Olympics: Yui Susaki was disappointed after she failed to win the gold medal, but vowed to make a strong comeback in Los Angeles four years later.

New Delhi. Japan's Yui Susaki pledged to win a gold medal when she returns to take part in the Olympics in Los Angeles to be held in 2028. The Japanese wrestler won the bronze medal in Paris after beating Ukraine's Oksana Livach 10:0 via technical superiority in the third-place playoff match. But she looked a tad disappointed after not being able to finish on top.Susaki went into the women's 50kg category event as a favourite as she had an 82-0 record at the international level. But in the Round of 16, she lost to India's Vinesh Phogat 2-3. After missing out on gold, Susaki vowed to work hard and put in a strong performance when the showpiece event returns four years later."I had the honour of winning the bronze medal at the Paris 2024 Olympics! First of all, thank you so much for all your support. It has really helped me out! I wanted to see my family, teammates, and fans who have fought with me for the past three years to win the gold medal, but I couldn't do it, and I'm so sorry and frustrated that I committed a betrayal," Susaki wrote.

Willing to keep going hard again

After losing to Vinesh, Susaki qualified for the bronze-medal match as the Indian made her way through to the finals. Back in 2021, Susaki bagged the gold medal in the same category, but could not defend her crown in Paris. The 25-year-old said she would look to get rid of the frustration by claiming the top prize in Los Angeles."Despite the loss, encouraging words from all over the world and worlds that they still believe in me and will continue to support me. I wasn't able to reply, but I read every message, one by one, and I can't measure how much it touched my heart, how much it saved my heart, and how much it made me want to keep moving forward. Thank you so much! As long as there are people who still support me and believe in me, I am strongly willing to keep going hard again to achieve my goal of becoming an Olympic champion," she added.Apart from her success at the Olympics, Susaki also won 13 gold medals at the World Championships, Asian Championships and other tournaments.

Paralympian Pramod Bhagat banned for 18 months for breaching anti-doping regulations

New Delhi. Pramod Bhagat will not be a part of the Paris Paralympics 2024 after being found guilty of breaching the Badminton World Federation's (BWF) anti-doping regulations. The BWF confirmed the news on Tuesday, August 13. Back on March 1, the Anti-Doping Division of the Court of Arbitration of Sport (CAS) found the badminton player in breach of the BWF anti-doping regulations for committing three whereabouts failures within 12 months.

Bhagat, who is an SL3 athlete, had appealed to the CAS Appeals Division, but his appeal was turned down on July 29, 2024. The CAS Appeals Division confirmed their decision on March 1. After the Olympics ended on August 11, the Paralympics will take place from August 28 to September 8 with the competition spanning 11 days.

Pramod Bhagat's historic feat

Pramod made history by winning the gold medal in the men's singles SL3 category at the Tokyo 2020 Paralympics. It was the first time an Indian had won a gold medal in badminton at the Paralympics. Born in 1988, Bhagat developed polio at the age of five, leading to a disability affecting his left leg. Despite this, he was drawn to badminton at the age of 13 and

went on to become a professional player.Bhagat's journey to the gold medal was marked by his determination and strategic thinking. He defeated Great Britain's Daniel Bethell, the second seed, in the final with a score of 21-14, 21-17. Throughout the tournament, Bhagat demonstrated his dominance, winning all his matches and only dropping one game against compatriot Manoj Sarkar in his opening match.

The victory not only brought India its fourth gold medal at the Tokyo Paralympics but also marked a significant milestone in Indian para-badminton history. Bhagat's achievement is a testament to his hard work and dedication, and he has become an inspiration for many aspiring athletes.

Neeraj Chopra is like a son to her mother: Manu Bhaker's father on marriage rumours

New Delhi Manu Bhaker's father, Ram Kishan Bhaker, opened up on the marriage rumours of his daughter with Neeraj Chopra. Recently, a video went viral on social media where Manu's mother can be seen talking to the Indian javelin thrower, giving rise to memes with some also speculating a wedding of the two athletes.Manu's father, however, dismissed any chances of her marriage, saying that she is "still very young" and not of "marriageable age". He also said that Neeraj is like a son to Manu's mother."Manu is still very young. She is not even of marriageable age. Not even thinking about it right now," Kishan Bhaker told Dainik Bhaskar.Manu's mother considers Neeraj like her son," he added.On Neeraj's wedding rumours, his uncle said, "Just as Neeraj brought the medal, the entire country got to know about it. Similarly, when he marries, then everyone will know."

Manu, Neeraj make India proud

Manu Bhaker and Neeraj Chopra are amongst

the Indians to have won multiple medals at the Olympics. The 22-year-old Manu began her campaign in Paris by winning a bronze medal in the women's 10m Air Pistol event. Thereafter, she won another bronze in the team event along with Sarabjot Singh.

She had a brilliant chance of winning three medals when she took part in the finals of the women's 25m Pistol event. But she fell short after finishing fourth following her defeat to Veronika Major. Manu, in the meantime, became the first Indian woman to win multiple medals in a single edition of the Olympics. She was also a flag-bearer for India in the Closing Ceremony.

As far as Neeraj is concerned, he won the gold medal in Tokyo and hence, expectations were high from him. However, he could not defend his crown after winning silver in Paris. In his second attempt, he threw 89.45 metres behind Pakistan's Arshad Nadeem, who set an Olympic record with a throw of over 92 metres.

Alexei Popyrin ends Australia's 21-year-long wait with Canadian Open win

Canadian Open 2024: Alexei Popyrin beat Andrey Rublev in the final 6-2, 6-4 and became the first Australian man since Lleyton Hewitt in 2003 to win an ATP 1000 title.

New Delhi Alexei Popyrin's victory at the Canadian Open is certainly one of the most unexpected triumphs in recent ATP Masters 1000 history. The 25-year-old Australian, ranked World No. 62 at the time, delivered a startling performance by defeating World No. 6 Andrey Rublev in the final with an impressive count of 18 forehand winners.

Having recently competed at the Paris Olympics on clay, Popyrin's journey to the title was nothing short of remarkable. Along the way, he conquered three Top 10 players and ended the eight-match winning streak of the Washington champion, Sebastian Korda. Notably, he also defeated World No. 14 Ben Shelton in the second round, signaling his formidable form.Popyrin also became the first Australian man since Lleyton Hewitt to win an ATP 1000 title since Lleyton Hewitt achieved the feat back in 2003."It means the world, for all the hard work I've put in over the years, all the sacrifices I have made," Popyrin added.Not just me, but my family, my girlfriend, my team, everybody around me. They have sacrificed their whole lives for me and for me to win this for them is just amazing," Popyrin added.

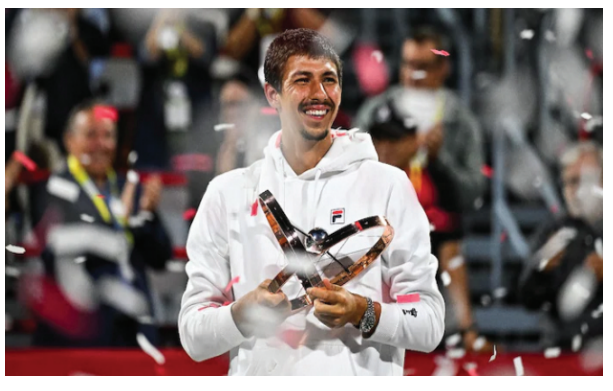

Adopting a powerful "Big-Man Tennis" strategy featuring a booming serve and aggressive returns, Popyrin set the tone early by breaking Rublev in the very first game. The match ended 6-2, 6-4 in favor of Popyrin, who kept his composure and never looked back after gaining the initial advantage.

This victory propelled Popyrin to a career-high No. 23 in the ATP Rankings. His dominant game-play, evident in saving all four break points in the first set, showed his tenacity. Even after losing serve in the second set to level scores at 3-all, he rebounded by breaking back immediately, showcasing his resilience.

With this win, Popyrin now holds a 2-1 lead in his head-to-head record with Rublev and has maintained an impeccable record in ATP Tour finals. This latest achievement adds to his tournament victories in Singapore in 2021 and Umag in 2023, solidifying his reputation as a player to watch in the coming years.

Ananya Pandey

Shares Glimpse Of Her Rigorous Workout Routine

Bollywood stars are synonymous with fitness nowadays with everyone vying for a body to die for. Actors often need to shape their bodies according to the demands of the role that they are playing and they are often also seen as fitness icons by the youth. Time to time, workout and training montages of actors and actresses go viral and fans are left impressed by the physical prowess of their favourite stars. Ananya Pandey recently shared a video of her workout regimen on her Instagram story, where she is seen working out her glutes. In the video, she is seen wearing a black tank top and matching shorts. Ananya Pandey is seen performing weighted hip thrusts, aided by her trainer in the gym. She is seen lifting a total weight of 120 kilos through hip thrusts. She captioned the video. "What does not kill you makes you you".

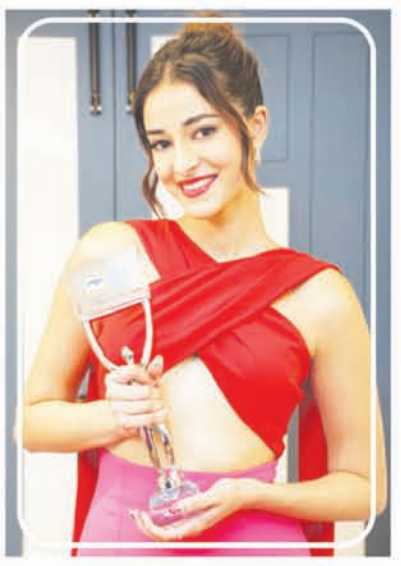

The hip thrust exercise focuses on the gluteus maximus, the largest muscle in the body. It also engages the hamstrings, quadriceps, and adductors. Strengthening this muscle can enhance overall lower body strength, size, and power by targeting hip extension.Ananya is the daughter of Bollywood actor Chunky Pandey and costume designer Bhavana. She started her acting career in 2019 by playing the role of Shreya in the film Student of the Year 2. Directed by Punit Malhotra and produced by Nokia Studios and Karan Johar's Dharma Productions, the romantic comedy film was a sequel to the 2012 movie Student of the Year. It starred Ananya Pandey alongside Tiger Shroff, Tara Sutaria, and Aditya Seal. Following this, Ananya took on the role of Tapasya in the romantic comedy Pati Patni Aur Woh, featuring Kartik Aaryan and Bhumi Pednekar. She also appeared as Pooja in Khaali Peeli and Tia in Gehraiyaan. Ananya made her Telugu film debut with the 2022 sports action movie Liger, written and directed by Puri Jagannath. The film was shot in both Hindi and Telugu and produced by Dharma Productions and Puri Connects.

Priyanka Chopra

and Nick Jonas' Daughter Malti Marie Adorably Says 'Oh My God' In Viral Vide

Nick Jonas and Priyanka Chopra are relishing every moment of parenthood. Since their enchanting wedding in Jodhpur in December 2018, the couple has been enjoying life as a family, especially after announcing the arrival of their daughter, Malti Marie Chopra Jonas, via surrogacy in January 2022. Recently, Nick shared an adorable series of videos and photos featuring little Malti, capturing her charming moments.Among the highlights is a sweet selfie of Nick, Priyanka, and Malti, along with a heartwarming video where Malti adorably says "oh my God" before shyly turning away from the camera. In another endearing clip, Malti is seen playfully 'cutting' her dad's hair with a toy scissor. Nick also shared a tender moment of Priyanka hugging crew members from her upcoming film 'The Bluff,' and a precious photo of Malti sound asleep during a flight. Nick captioned the post with a simple red heart emoji and the word "Lately…" perfectly capturing the essence of these cherished family moments.

Priyanka and Nick have been open about their journey as parents, frequently sharing glimpses of their life with Malti on social media. Recently, Priyanka wrapped up filming for her Hollywood project 'The Bluff,' and shared, "It's a picture wrap on The Bluff!!! … and to do it with my family by my side and the incredible people that made this movie possible is such a privilege. This one truly has been a labour of love and couldn't have come together without the faith of @agbofilms and @amazonmgmstudios in our fearless leader Frankie E Flowers. To be able to work with this remarkable crew in gorgeous @australia with a cast that's so talented was so much fun!"

The caption read further, "Also, I really lucked out on the locations lottery this year. NICE… GOLD COAST… LONDON… here's to the next stop… but in the meantime.. a quick (snoring emoji) back home. As much as I loved making this movie here I'm sooooo happy to be going home."Nick Jonas and Priyanka Chopra's love story is a modern fairy tale that captivated the world. The couple tied the knot in a lavish and culturally rich wedding ceremony in Jodhpur, India, in December 2018. The celebration was a beautiful blend of their respective traditions, featuring both Hindu and Christian ceremonies, showcasing their deep respect for each other's cultures.

Scriptwriter Mahesh Pandey Arrested For Allegedly Duping Producer Of Rs 2.65 Crore

Mahesh Pandey, a prominent scriptwriter in Indian television, has been detained by Mumbai police on charges of defrauding a film producer of Rs 2.65 crore. Mahesh Pandey, widely recognised for his work on the hit TV show Kasautii Zindagi Kay, is now at the centre of a legal scandal that has caused a stir in the entertainment world. Reports indicate that he was arrested after Jatin Sethi, a film producer, filed a complaint against him. Sethi claimed that Pandey breached the terms of a contract between their companies, resulting in a financial loss of Rs 2.65 crore. Following this complaint, the Mumbai police initiated a case of fraud and detained Pandey on Wednesday.The complaint details that Pandey's company was supposed to pay Sethi Rs 2.65 crore according to their agreement, but he allegedly failed to do so. This breach has led to a significant legal dispute, with Pandey now facing severe accusations of financial misconduct. Sethi alleges that Pandey gave multiple excuses for the delay and even went as far as creating a fake email account. This fake account was reportedly used to forge communications with a broadcaster, falsely claiming that the payment was in progress but delayed due to unexpected issues.

After the complaint was filed, the Mumbai police acted promptly, arresting Mahesh Pandey and presenting him in court. He was then placed in judicial custody. The seriousness of the allegations against him could potentially have serious consequences for his career and reputation. The legal proceedings will now assess the extent of his involvement and whether he is truly guilty of the charges.Mahesh Pandey has penned numerous television serials, beginning his career with Kahani Ghar Ghar Ki. He went on to write other popular shows such as Kasauti Zindagi Ki and Kasam Se. Pandey has produced and directed several Bhojpuri films, including Gabbar Singh. This film, produced by Ekta Kapoor, is a Bhojpuri remake of the classic Sholay.

Kalki 2989 AD: Did Keerthy Suresh Turn Down Deepika Padukone Or Disha Patani's Role In Prabhas's Film?

Keerthy Suresh, known for her close collaboration with director Nag Ashwin in the critically acclaimed 'Mahanati' (2018), recently revealed that she turned down a 'human' role in his upcoming sci-fi epic 'Kalki 2898 AD.' In an interview with Galatta Plus, Keerthy shared that she was initially offered a different role before being cast as the AI bot Bujji.Keerthy explained that she wasn't entirely sure about the original role offered to her, though she was keen on being part of the film in some capacity. "Nagi offered me another role in the film, which I wasn't sure of. It was a human role, I'm glad I said no to it now," she said. Later, Nag Ashwin suggested a smaller role to her, jokingly asking if she'd like to "peep through the wall." Keerthy was thrilled at the opportunity to voice Bujji, an AI droid, and embraced the challenge with enthusiasm.

She also clarified that the role she turned down was not the one played by Anna Ben, who portrayed the rebel character Kyra. Keerthy went on to describe her experience voicing Bujji, sharing how she enjoyed the process of dubbing in multiple languages and experimenting with different modulations to find the perfect voice for the character.She shared, "I didn't understand initially when he said he wanted me to voice an AI bot. I dubbed for Bujji & Bhairava (on Amazon Prime) before I worked on the film. I had a ball dubbing for the role in multiple languages, giving 5-6 modulations in each language to see which would suit it best. Dubbing for a film is normally easier."In 'Kalki 2898 AD,' Keerthy's character BU-JZ-1, aka Bujji, is an AI droid brought to life by Bhairava, played by Prabhas. The animated prelude 'Bujji & Bhairava' introduced this futuristic world and its characters, including Deepika Padukone's SU-M80, Kamal Haasan's Supreme Yaskin, and Amitabh Bachchan's Ashwatthama.